www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

# देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 1 मार्च, 2024 | वर्ष-16 | अंक -326 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

देश की जनता ने 'अबकी बार, 400 पार' का ... 02

- अधिकारियों को धमकी देकर बस मार्शल योजना... 03
- दिल्ली भाजपा ने शुरू की लोकसभा चुनाव की ...

- प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस में हवाई पट्टी का किया उद्घाटन 07
- होंडुरास में बस टक्कर में 17 लोगों की मौत

एथनिक लुक में श्वेता तिवारी ने ढाया कहर 10

## सार संक्षेप

### 1993 के सीरियल ब्लास्ट मामले में अब्दुल करीम टुंडा बरी

**जयपुर।** 1993 के सीरियल बम ब्लास्ट मामले में दोषी अब्दुल करीम टुंडा को अजमेर की टाडा कोर्ट ने गुरुवार को बरी कर दिया। इसके अलावा इरफान (70) और हमीदुद्दीन (44) को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पुलिस सभी आरोपियों को सुबह 11: 15 बजे टाटा कोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच लेकर आई थी, जिसमें तीन आरोपी 6 दिसंबर 1993 में लखनऊ, कानपुर, हैदराबाद, सूरत और मुंबई में हुए ट्रेन बम धमाके के मामले में आरोपी थे।

### मप्र का तेंदुआ स्टेट का तमगा बरकरार 3,907 हुई संख्या

**भोपाल।** मध्य प्रदेश का तेंदुआ स्टेट का तमगा बरकरार है। राज्य में सबसे ज्यादा 3,907 तेंदुए हैं। देश में तेंदुओं की सर्वाधिक संख्या मध्य प्रदेश में है। इसके बाद महाराष्ट्र में 1,985, कर्नाटक में 1,879 और तमिलनाडु में 1,070 तेंदुआ हैं। वन मंत्री नागर सिंह चौहान ने वन्य जीव संरक्षण और प्रबंधन से जुड़े वन विभाग के अमले को बधाई दी है।

### बिना कारण के अलग रहने पर पत्नी भरण पोषण की हकदार नहीं

**रांची।** झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि यदि कोई पत्नी बिना किसी वैध कारण के पति से अलग रहती है, तो वह भरण-पोषण की राशि की हकदार नहीं है। जस्टिस सुभाष चंद की कोर्ट ने रांची की फैमिली कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें अमित कुमार कच्छप नामक शख्स को आदेश दिया गया था कि वह अपनी पत्नी संगीता टोप्पो के भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह 15 हजार रुपए दे।

### नगा क्षेत्रों के 10 विधायकों ने जनजातीय मामलों का मंत्री मांगा

**इंफाल।** मणिपुर के नगा बहुल निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित दस विधायकों ने बुधवार को मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से आदिवासियों और पहाड़ी क्षेत्रों के मुद्दों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से देखने के लिए एक नया जनजातीय मामलों और पहाड़ी मंत्री नियुक्त करने का अनुरोध किया। एक संयुक्त हस्ताक्षरित पत्र में विधायकों ने मुख्यमंत्री से कहा कि मणिपुर के आम नागरिकों को राज्य में अशांति के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

### पोषण के लिए कार्टून पुस्तकों का लोकार्पण किया

**नई दिल्ली।** केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने पोषण उत्सव अभियान के अंतर्गत कार्टून पुस्तकों का लोकार्पण किया जो 11 भाषाओं में उपलब्ध होंगी। ये आंगनवाड़ियों के माध्यम से महिलाओं को वितरित की जाएंगी।

**हिमाचल में कांग्रेस का संकट टला**

# सुखविंदर सुक्खू बने रहेंगे मुख्यमंत्री

- सभी मिलकर लड़ेंगे लोकसभा का चुनाव
- राज्यसभा चुनाव हार पर पार्टी को अफसोस

बागी विधायक हिमाचल की जनता का सामना नहीं कर पाएंगे। हमारी सरकार पांच साल चलेगी: **सुखविंदर सिंह सुक्खू, मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश**

■ हिमकिरण मांटा

**शिमला,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में तीन दिनों से जारी सियासी हलचल का पटाक्षेप हो गया है। अब तक नाराज दिख रहीं हिमाचल कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू साथ नजर आए। दोनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने का ऐलान किया। इस दौरान 6 सदस्यों की समन्वय समिति बनाने का भी ऐलान किया गया।

पार्टी आलाकमान की तरफ से शिमला भेजे गए कांग्रेस के संकटमोचक माने जाने वाले डीके शिवकुमार ने कहा कि हमने कांग्रेस के सभी विधायकों से बात की। सारे मतभेद दूर हो गए हैं। हम सरकार और पार्टी संगठन में समन्वय समिति बना रहे हैं।

**छह सदस्यों की समन्वय समिति बनाने का किया ऐलान**

इसका एलान दिल्ली से किया जाएगा। सभी एकजुट है। वहीं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जो राज्यसभा का चुनाव हुआ, पार्टी को अफसोस है कि पार्टी ने एक सीट खो दी। सारे विधायकों से सहमति बनी है। आगे से एक होकर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा, समन्वय समिति बनाई जाएगी, जिसमें 6 लोग होंगे। मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, पीसीसी अध्यक्ष और तीन अन्य लोग होंगे। इनका काम होगा आपस में सहमति बनाना, कोई बयानबाजी नहीं करेगा। यहां बीजेपी का ऑपरेशन लोटस नहीं चलेगा।' सुखविंदर सिंह सुक्खू के मुख्यमंत्री बने रहने के सवाल पर डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार है और सुक्खू सीएम हैं, वहीं हुड्डा ने कहा कि ये काल्पनिक सवाल है।

### राज्यसभा में मिली हार पर हमें दुख : प्रतिभा सिंह

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की प्रमुख प्रतिभा सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव हमारी अगली चुनौती है। राज्यसभा में मिली हार पर हमें दुख है। पार्टी पहले भी मजबूत थी और आज भी मजबूत है। हिमाचल की चारों लोकसभा सीट जीतेंगे। हम तालमेल चाहते हैं. समन्वय समिति में वरिष्ठ लोग होंगे। वहीं मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बीजेपी पर वार किया. उन्होंने कहा, 'बीजेपी किस बहुमत की बात कर रही है। षड्यंत्र के तहत मेरे इस्तीफे की झूठी खबर फैलाई गई।

## बागी छह कांग्रेस विधायक अयोग्य घोषित

**शिमला।** कांग्रेस पार्टी के व्हिप का उल्लंघन कर मंगलवार और बुधवार को वित्तीय विधेयकों के पारित होने के दौरान अनुपस्थित रहने वाले छह कांग्रेस विधायकों को विधानसभा अध्यक्ष ने अयोग्य घोषित कर दिया। इन सभी छह विधायकों के खिलाफ दलबदल विरोधी कानून के प्रावधान को आकर्षित करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने इस आशय की घोषणा की। पूर्व अध्यक्ष कुलदीप सिंह पथैना, जिन्होंने भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत निर्धारित ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जो दल-बदल विरोधी कानून को परिभाषित करता है, ने कहा कि पार्टी व्हिप का दो बार उल्लंघन करने वाले छह विधायकों पर दंडात्मक प्रावधान लागू हैं। निष्कासित विधायकों में राजिंदर राणा, सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, इंद्रदत लखनपाल, चेतन्य शर्मा और देविंदर भुट्टो शामिल हैं।

**पार्टी व्हिप का दो बार उल्लंघन किया**

**सीबीआई समन पर बोले अखिलेश**

# हमारे गठबंधन से घबरा गई है भाजपा

**लखनऊ,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीबीआई के समन पर जवाब देते हुए कहा कि गठबंधन मजबूत हुआ इसलिए समन आया। उन्होंने दिल्ली जाने में असमर्थता जताई है। लखनऊ में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सीबीआई की तरफ से जो कागज़ आया था, उसका जवाब मैं दे चुका हूं। जांच एजेंसियां भाजपा के प्रकोष्ठ की तरह काम कर रही हैं। 2019 से लेकर अब तक यह जवाब क्यों नहीं मांगा गया है। चुनाव के समय ही क्यों। भाजपा हमारे गठबंधन से घबरा गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि मुझसे बेहतर आप जानते हो, यह पहली बार नहीं है, जब सीबीआई बुला रही है। भाजपा राजनीति कर रही है, हम पीडीए की बात कर रहे हैं तो इन सब चीजों का सामना करना पड़ेगा।

**सरकार की नियत नौकरी देने की नहीं**

उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती का बड़ा-बड़ा दावा किया गया था। पेपर लीक हो गया। सरकार ने जान-बूझकर पेपर लीक कराया है क्योंकि उनकी नीयत नहीं है, नौकरी देने की। उन्होंने सपा के बागी विधायक मनोज कुमार पांडे के रामलला के दर्शन करने के प्रश्न पर कहा कि हमने किसी को नहीं रोका था। ये लोग झूठी बयानबाजी कर रहे हैं। सरकार को मनोज पांडेय को डिप्टी सीएम बना देना चाहिए। भाजपा तो एक्सचेंज की थीम पर चलती है, दिनेश शर्मा हटे तो कोई और आया, अब इनकी बारी है।

■ जांच एजेंसियां भाजपा के प्रकोष्ठ की तरह काम कर रही हैं

# अमेठी से फिर लड़ेंगे राहुल!

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहां से चुनाव लड़ेंगे यह अभी तय नहीं है,लेकिन माना जा रहा है कि एक बार फिर से वे अपनी परम्परागत सीट अमेठी से लोकसभा उम्मीदवार हो सकते हैं। जबकि प्रियंका गांधी रायबरेली लोकसभा सीट से अपनी चुनावी राजनीति का आगाज कर सकती हैं।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी अमेठी और रायबरली में मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए राहुल और प्रियंका के नाम पर गंभीरता से विचार कर रही है। बतादें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में यूपी से कांग्रेस को महज रायबरेली सीट पर ही जीत मिली थी। सोनिया गांधी ने भाजपा के दिनेश सिंह को पराजित किया था। जबकि राहुल गांधी अपनी परम्परागत सीट अमेठी से भाजपा की स्मृति ईरानी के हाथों तकरीबन 55 हजार मतों से चुनाव हार गए थे। इस बार जब सोनिया गांधी राजस्थान के रास्ते संसद में पहुंची है तो कांग्रेस को रायबरली सीट पर कब्जा बरकरार रखने के लिए किसी मजबूत उम्मीदवार को उतारना पड़ेगा। वैसे भी रायबरेली की जनता के नाम लिखे अपने खत में सोनिया गांधी ने संकेत दिया था कि रायबरेली से अभी भी उनके परिवार का ही कोई सदस्य चुनाव लड़ेगा। ऐसे में प्रियंका गांधी अगर यहां से पार्टी की उम्मीदवार बन जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर अमेठी की सीट अभी भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। लेकिन स्मृति ईरानी से हिसाब-किताब बराबर करने के लिए राहुल गांधी यहां से फिर उम्मीदवार बन सकते हैं। इसके अलावा वे दक्षिण भारत की किसी सीट से भी चुनाव लड़ेंगे।

फिलहाल रायबरेली और अमेठी के लिए भाजपा ने अभी अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। लेकिन अमेठी से स्मृति ईरानी का चुनाव लड़ना तय है जबकि रायबरेली से भाजपा मनोज पांडेय को उम्मीदवार बना सकती है। जो सपा के विधायक हैं और हाल के राज्यसभा चुनाव में भाजपा के साथ चले गए।

- रायबरेली से प्रियंका गांधी होंगी कांग्रेस उम्मीदवार
- रायबरेली से भाजपा मनोज पांडेय को उतार सकती है

# पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी

**एक करोड़ घरों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जा सकेगी**

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले केंद्र सरकार ने बडा ऐलान किया है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 17 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल सकेगा। कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत साल 2025 तक केंद्र सरकार की सभी इमारतों पर प्राथमिकता के आधार पर रूफटॉप सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इस योजना के चलते 1 करोड़ घरों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जा सकेगी। उन्होंने बताया कि दो किलोवॉट तक के रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने में 1,45,000 रुपए खर्च होंगे।

**78000 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी**

इसमें सरकार की ओर से 78000 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। ठाकुर ने बताया कि इस योजना के लिए नेशनल पोर्टल लांच हो गया है। रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने वाले लोगों को बैंक से आसान किश्तों में कर्ज दिया जाएगा। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इस योजना का एक लाभ यह भी है कि लोग बची हुई बिजली को बेचकी पैसा भी कमा सकते हैं। आवासीय क्षेत्र में रूफटॉप सोलर के जरिए 30 गीगावॉट सौर क्षमता की वृद्धि हो सकेगी। इस योजना के विनिर्माण,लॉजिस्टिक, आपूर्ति श्रृंखला,बिक्री, स्थापना और अन्य सेवाओं में 17 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिल सकेगा।

**17 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार**

### सेमीकंडक्टर प्लांट्स को मिली मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में सेमीकंडक्टर के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना के शुरू होने पर सालाना 300 करोड़ चिप का उत्पादन किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को प्रधानमंत्री ने देश में सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। देश का पहला वाणिज्यिक सेमीकंडक्टर फैब टाटा और पावर चिप-ताइवान द्वारा स्थापित किया जाएगा।

# किसानों का 'दिल्ली कूच' फिर टला

**चंडीगढ़,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। किसानों का दिल्ली कूच एक बार फिर टल गया, अब किसान 1 मार्च को रणनीति बनाएंगे। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर बैठे किसानों ने 29 फरवरी तक आगे नहीं बढ़ने का ऐलान किया था। ऐसे में किसानों को आज आगे की रणनीति का खुलासा करना था। अब किसानों ने इसे एक दिन के लिए और टाल दिया है। वहीं, युवा किसान शुभकरण सिंह की मौत के मामले में पटियाला पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया है और कल रात करीब 11 बजे उनके शव का पोस्टमार्टम किया गया। पातड़ां पुलिस ने उनके पिता चरणजीत सिंह के बयान पर आईपीसी की धारा 302 और 114 के तहत एफआईआर संख्या 0041 दर्ज की है। बाद में शव का पोस्टमार्टम राजिंदरा अस्पताल पटियाला में करवाया गया। आज उनके पार्थिव शरीर को खनौरी बॉर्डर ले जाया जाएगा और फिर उनके पैतृक गांव में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

**मोदी के किसानों से किए वादे फर्जी निकले : खड़गे**

**नई दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं कर देश के किसानों के साथ विश्वासघात किया है। श्री खडगे ने गुरुवार को एक्स पर कहा, 16 साल पहले, कांग्रेस-संप्रग सरकार ने 3.73 करोड़ किसानों का 72,000 करोड़ कृषि ऋण तथा ब्याज माफ किया था। ये कांग्रेस की गारंटी थी जो पूरी हुई। केवल कांग्रेस ही अपनी गारंटी पूरी करती है। मोदी जी ने किसानों से दो बड़े वादे किए, पहला, लागत और उसका 50 प्रतिशत एमएसपी का दूसरा, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लेकिन 'मोदी की दोनों गारंटी' फर्जी निकली।

- किसान का अंतिम संस्कार किया
- आज रणनीति बनाएंगे किसान

# शेख शाहजहां को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

**कोलकाता,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर 5 जनवरी को हुए हमले के आरोपी मास्टरमाइंड शेख शाहजहां को गुरुवार को एक जिला अदालत ने 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। उसे बुधवार देर रात मिनाखान थाना अंतर्गत बामनपुकुर इलाके से गिरफ्तार किया गया और हमले के ठीक 55 दिन बाद गुरुवार सुबह उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट सब-डिविजनल कोर्ट में पेश किया गया। शेख शाहजहां भावशून्य चेहरे और ठंडी नज़रों के साथ अदालत में उपस्थित हुआ। उसने दूधिया-सफेद पठानी सूट, हल्के भूरे रंग की आधी आस्तीन वाली जैकेट और महंगे सफेद स्नीकर्स पहने हुए थे। हालांकि, उसने वहां इंतजार कर रहे मीडियाकर्मियों के सवालों पर एक भी शब्द नहीं बोला। अदालत में लाए जाने से पहले, पूरे अदालत परिसर को भारी सुरक्षा घेरे में रखा गया था और वहां भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बैरिकेड्स लगाकर अदालत परिसर के सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं को अवरुद्ध कर दिया गया था।

- 55 दिन बाद शेख को गिरफ्तार किया था
- ईडी अधिकारियों पर हमले का है आरोपी

# 'रूस से 20 भारतीयों को निकालने की कोशिश जारी'

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार ने आज कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना में सहायक के रूप में काम करने के लिए उद्देश्य से गए हुए 20 भारतीय नागरिकों से दूतावास से उन्हें रूसी सेना की सेवा से बाहर निकालने एवं स्वदेश वापसी का अनुरोध किया है जिस पर भारतीय दूतावास रूसी सरकार से संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गये सवालों के जवाब में कहा, हमें पता है कि लगभग 20 लोग फंसे हुए हैं। हम उन्हें जल्द से जल्द निकालने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश कर रहे हैं। हमने दो बयान जारी किए हैं जो आपने देखे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी

**राहत** *जीडीपी के आंकड़े उम्मीदों से बेहतर*

# तीसरी तिमाही में जीडीपी में 8.4 फीसदी की वृद्धि

**नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। विनिर्माण और निर्माण गतिविधियों में आई तेजी के बल पर चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर 7.6 प्रतिशत रहने दूसरे अग्रिम अनुमान के साथ ही चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह दर 4.3 प्रतिशत रही थी। केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) द्वारा आज जारी द्वितीय अग्रिम अनुमान के अनुसार अक्टूबर दिसंबर 2023 तिमाही में जीडीपी के 43.72 लाख करोड़ रुपए रहा है**

जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 40.35 लाख करोड़ रुपए रहा था। इस तरह से इसमें 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इसमें कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी के 7.6 प्रतिशत की गति से बढ़कर 172.90 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान है जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 160.7 लाख करोड़ रुपए रहा था और वृद्धि दर 7.0 प्रतिशत रही थी। वित्तीय वर्ष 2024 के लिए जीडीपी के अनुमान को भी 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत तक संशोधित कर दिया गया है।

- केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने जारी किए आंकड़े
- 2024 के लिए अनुमान को भी 7.6 फीसदी किया

**विनिर्माण गतिविधियों में 11.6 फीसदी की वृद्धि**

इसमें कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में विनिर्माण गतिविधियों में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 4.8 प्रतिशत की ऋणात्मक बढोतरी हुई थी। इसी तरह से खान और खनन क्षेत्र में भी इस दौरान 7.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है जबकि अक्टूबर दिसंबर 2022 में यह दर 1.4 प्रतिशत रही थी। निर्माण गतिविधियां 9.5 प्रतिशत की दर से इस तिमाही में बढ़ी है और पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह दर इसी स्तर पर थी। बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य यूटिलिटी सेवाओं की गतिविधियां तीसरी तिमाही में 9.0 प्रतिशत बढ़ी है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह समूह 8.7 प्रतिशत की गति से बढ़ा था। इस तिमाही में कृषि, पशुधन, वानिकी और मत्स्यपालन समूह की गतिविधियों में ऋणात्मक 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में यह दर 5.2 प्रतिशत रही थी।

# देश

**उवाच**

लगभग अब तक 56 दिनों तक एजेंसियों की तलाश के बाद आखिरकार शाहजहां शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है:- **सुधांशु त्रिवेदी, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद भाजपा**

| तापमान | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| दिल्ली | 27.6 | 11.4 |
| मुंबई | 37.2 | 23.4 |
| कोलकाता | 30.4 | 19.6 |
| चेन्नई | 34.1 | 22.9 |

## 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू करे सरकार : कांग्रेस

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रवाद, देश प्रेम और सैन्य प्रेम को दिखावा करार देते हुए कहा है कि वह अपने पूंजीपति मित्रों के लिए सब कुछ करने को तैयार हैं लेकिन सैनिकों के लिए उनके हाथ बंध जाते हैं और वह देश की सभी सैन्य संस्थाओं को बर्बाद कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के चेयरमैन कर्नल रोहित चौधरी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सैनिकों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू होनी चाहिए और पहले से दी जा रही उनकी कोई भी सुविधा बंद नहीं होनी चाहिए।

- **कर्नल चौधरी ने प्रधानमंत्री पर झूठ बोलने का आरोप लगाया**

**पूंजीपति मित्रों के लिए सब कुछ करने को तैयार हैं लेकिन सैनिकों के लिए उनके हाथ बंध जाते हैं और वह देश की सभी सैन्य संस्थाओं को बर्बाद कर रहे:- कर्नल रोहित चौधरी, कांग्रेस नेता**

कर्नल चौधरी ने प्रधानमंत्री पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और कहा, 'श्री मोदी का झूठा राष्ट्रवाद, झूठा देशप्रेम और झूठा सैन्य प्रेम देश के सैनिकों तथा उनके परिवारों को कमजोर कर रहा है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय सेनाएं विश्व की बेहतरीन सेनाओं में से एक हैं लेकिन फ़ौज के संस्थानों को बर्बाद किया जा रहा है। हमारी एक ही मांग है- वन रैंक, वन पेंशन। जिसे संप्रग सरकार ने संसद के दोनों सदनों में पारित करवाया था लेकिन मोदी सरकार में इसे मजाक बना दिया गया है। श्री मोदी देश से झूठ बोलना बंद करें। उनकी सरकार ने अपने पूंजीपति साथियों का 14 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज माफ कर दिया है लेकिन उनके पास सेना को देने के लिए पैसे नहीं हैं।'

कर्नल चौधरी ने कहा, 'मोदी सरकार ने डिसेबिलिटी पेंशन को ख़त्म कर इसे 'इम्पेयरमेंट रिलीफ' का नाम दे दिया। पहले किसी सैनिक को डिसेबिलिटी पेंशन मिलती थी तो उसके देहांत के बाद परिवार को पेंशन मिलती थी, जो कि इनकम टैक्स के दायरे से भी बाहर थी। लेकिन अब सैनिक के देहांत के बाद पेंशन में कटौती कर दी जाएगी। हमें मोदी जी के राष्ट्रवाद और सैन्य प्रेम पर शर्म आती है।

## ममता बनर्जी महिला के नाम पर कलंक हैं उनके जैसा निर्मोही मुख्यमंत्री आजतक नहीं देखा : गिरिराज सिंह

**पटना/बेगूसराय,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। बेगूसराय पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि मुसलमानों का वोट लेने के लिए विपक्ष के दल तुष्टीकरण की राजनीति पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी महिला के नाम पर कलंक हैं और उनके जैसा निर्मोही मुख्यमंत्री आजतक नहीं देखा। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस का नया नामकरण कर दिया। दरअसल, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल में संदेश खली के आरोपी शेख जहां की गिरफ्तारी और कर्नाटक सरकार द्वारा पशुपालन की जमीन को अल्पसंख्यक सेल को ट्रांसफर करने पर आपत्ती जताई है। गिरिराज सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी नाम है लेकिन ऐसा निर्मोही महिला मुख्यमंत्री नहीं देखा है। उतना बड़ा अत्याचारी बलात्कारी महिलाओं के साथ उत्पीड़न करने वाला उसको ममता बनर्जी बचा कर रखी, इसलिए कि वह मुसलमान था मुसलमानों का वोट इनको चाहिए, यह देश का दुर्भाग्य है। ममता बनर्जी महिला के नाम पर कलंक हैं। वहीं उन्होंने कर्नाटक सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि देश के अंदर तुष्टिकरण की राजनीति इतना ज्यादा हो गई है कि वोट के खातिर माथे पर नाच रही है। सारे मान मर्यादा को कांग्रेस की सरकार और कांग्रेस पार्टी इस ढंग का काम कर रही है कि अब कर्नाटक की सरकार नाम ही रख देना चाहिए मुस्लिम लीग की सरकार, क्योंकि मुस्लिम लीग की सरकार भी होती तो ऐसा नहीं करती कि पशुपालन की जमीन मुसलमानों के नाम कर देती, यह दुर्भाग्य है। बेहतर होगा कि कांग्रेस अपना नाम बदलकर मुस्लिम लीग कांग्रेस पार्टी रख ले।

## एमवीए लोकसभा सीट-बंटवारे की बातचीत विफल, 8 सीटों पर खींचतान जारी

**मुंबई,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच लगभग एक महीने से चल रही बातचीत में सीट-बंटवारे का समाधान नहीं निकल पाया है, जबकि सहयोगियों के बीच कम से कम आठ लोकसभा सीटों पर विवाद बना हुआ है। प्रमुख एमवीए सहयोगी - कांग्रेस, एनसीपी-शरद पवार, शिवसेना-यूबीटी, वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) और अन्य छोटे दलों ने एक सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के लिए बंद कमरे में बैठकें की हैं। तीनों दलों के सूत्रों का कहना है कि 48 संसदीय क्षेत्रों में से लगभग 40 पर व्यापक सहमति बन गई है, लेकिन मुंबई की चार सीटों सहित आठ सीटों पर खींचतान है। प्रकाश अंबेडकर की वीबीए द्वारा अचानक 27 सीटों की सूची प्रस्तुत करने और कम से कम 15 ओबीसी और तीन अल्पसंख्यक उम्मीदवारों की मांग करने के बाद परिदृश्य और भी अनिश्चित हो गया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अंतिम निर्णय एमवीए घटक दलों के शीर्ष नेताओं द्वारा लिया जाएगा, जिसमें राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, एनसीपी-एसपी के सुप्रीमो शरद पवार और एसएस-यूबीटी के उद्धव ठाकरे शामिल हैं।

एमवीए सहयोगियों को भरोसा है कि वे लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से काफी पहले मार्च की शुरुआत में सर्वसम्मति से स्वीकार्य फॉर्मूला तैयार कर लेंगे। एसएस-यूबीटी के संजय राउत ने बुधवार को कहा कि वीबीए ने अपना पत्र सौंप दिया है, जिस पर चर्चा की जाएगी, जबकि शरद पवार ने कहा कि एमवीए विपक्षी गुट में वीबीए की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक है। मराठा नेता और शिवबा संगठन के नेता मनोज जारांगे-पाटिल को जालना से एमवीए समर्थित लोकसभा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने के अंबेडकर के एकतरफा प्रस्ताव से कई सहयोगी निजी तौर पर नाराज हैं।

- **एक महीने से चल रही बातचीत में सीट-बंटवारे का समाधान नहीं निकला**
- **मुंबई की चार सीटों सहित आठ सीटों पर हो रही खींचतान**

कई घटनाक्रमों के बाद महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण के लिए जारांगे-पाटिल के सात महीने लंबे आंदोलन के खिलाफ एसआईटी जांच का आदेश दिया है और अधिकांश विपक्षी दलों ने भी उसे नजरअंदाज करना शुरू कर दिया है। वीबीए के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए जारांगे-पाटिल ने बुधवार देर रात दावा किया कि मराठा आरक्षण आंदोलन कोई व्यक्तिगत राजनीतिक एजेंडा नहीं है और उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

## सार संक्षेप

### सीएम केजरीवाल के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरेगा महाठग सुकेश चंद्रशेखर

**नई दिल्ली।** ठगी के आरोप में मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विरोध में निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। 200 करोड़ रुपए की वसूली के मामले में आरोपी सुकेश ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को संबोधित करते हुए तीन पेज का पत्र लिखा है। सुकेश ने पत्र में कहा, 'मैं आपके सभी ऑफर को ठुकरा चुका हूं। मुझे आपके द्वारा दी गई धमकियों की भी कोई परवाह नहीं है। मैं आपके विरोध में दिल्ली में, आपके विधानसभा क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा। उसने केजरीवाल से विशेष नंबर के बारे में भी सवाल किया। आरोप लगाया कि इस नंबर के जरिए लगातार उसके परिवार के लोगों से संपर्क साधने का प्रयास किया जा रहा है। यही नहीं, सुकेश ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि सीएम केजरीवाल ने उसे धमकी दी और तीन महीने तक मौन रहने के बाद तमिलनाडु और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में टिकट देने के लिए प्रलोभन देने का भी प्रयास किया।

### रिटायरमेंट लेने के बाद पूर्व आईएएस अधिकारी इम्तियाज वाईएसआरसीपी में शामिल

**अमरावती।** अपनी इच्छा से रिटायरमेंट लेने के एक दिन बाद पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ए. एमडी इम्तियाज आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) में शामिल हो गए। इम्तियाज गुरुवार को कैंप कार्यालय में सीएम वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की मौजूदगी में वाईएसआरसीपी में शामिल हुए। उनके अपने गृहनगर कुरनूल से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। इस मौके पर पार्टी के क्षेत्रीय समन्वयक रामसुब्बा रेड्डी, कुरनूल विधायक हफीज खान, कुरनूल मेयर बी.वाई. रमैया और पूर्व विधायक एस.वी. मोहन रेड्डी भी मौजूद थे।

### पोषण के लिए कार्टून पुस्तकों का लोकार्पण

**नई दिल्ली।** केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने गुरुवार को पोषण उत्सव अभियान के अंतर्गत कार्टून पुस्तकों का लोकार्पण किया जो 11 भाषाओं में उपलब्ध होंगी और देशभर में 14 लाख आंगनवाड़ियों के माध्यम से बच्चों और गर्भवती महिलाओं को वितरित की जाएंगी। गैर सरकारी संस्था बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स की उपस्थिति में केंद्रीय मंत्री ने ये पुस्तकें जारी करते हुए कहा कि इनसे भारत के परंपरागत और स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों के बार में आम जनता को अवगत कराया जा सकेगा।

## नीतीश के विदेश दौरे पर राबड़ी देवी का तंज, विदेशे में घूमें वहीं रहें अच्छा है

**पटना/बेगूसराय,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। बजट सत्र खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 6 दिवसीय विदेश दौरे दौरे पर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री चार मार्च को विदेश दौरे पर रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश के विदेश दौरे पर राबड़ी देवी ने तंज किया है। इस दौरान उन्होंने बिहार की सियासत में चल रहे दब बदल के खेल और बढ़ते अपराध पर भी अपने विचार रखे और कहा कि बीजेपी का संख्या बल बढ़ना नीतीश कुमार के लिए खतरे की घंटी है। नीतीश कुमार के विदेश दौरे पर राबड़ी देवी ने तंज करते हुए कहा कि नीतीश कुमार को हमारी शुभकामनाएं हैं, विदेश में घूमें वहीं रहें अच्छा है। बिहार में बढ़ते अपराध पर उन्होंने कहा कि राज्य में विधि व्यवस्था चौपट हो गई है। 17 साल बीजेपी का राज रहा, तब भी बिहार में कानून व्यवस्था खराबी थी और अब भी वही हाल है। हर दिन हत्या, लूट, बलात्कार, चोरी डकैती की घटनाएं हो रही हैं। बीजेपी के लोग जमीनों को लूट रहे हैं। बीजेपी ने बिहार को लूट लिया और नीतीश कुमार ताकते रह गए। हमलोगों के पास आते हैं तो कहते हैं कि दबाव देता है और हमारे पास से जाते हैं तो आरोप लगाते हैं।

**बीजेपी का संख्या बल बढ़ना नीतीश कुमार के लिए खतरे की घंटी है:- राबड़ी देवी**

बीजेपी में विधायकों के संख्या बढ़ने के सवाल पर राबड़ी देवी ने कहा कि भाजपा का संख्या बल बढ़ना नीतीश कुमार के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को समझना चाहिए कि बीजेपी क्या कर रही है। इधर-उधर करके पार्टी सब को तोड़ रहा है और अपनी संख्या बढ़ा रहा है। नीतीश कुमार को इसपर चिंता करना चाहिए। हम लोगों के साथ बिहार की जनता है। उन्होंने कहा कि हमारे विधायकों को मंत्री बनाने का लालच दिया गया होगा, इसलिए चले गए होंगे। 20-25 करोड़ रुपया देने के लिए बोला होगा, हमको मालूम है सब रुपया पर ही गया है। उन लोगों को तो शर्म आना चाहिए दूसरा पार्टी से जीत ने बाद पाला बदले हैं, उन्हें रिजाइन करने के बाद जाना चाहिए था। जिसको भी कहीं जाना है तो वह रिजाइन करने के बाद जाए। पार्टी मेहनत करके जिताती है, ऐसे विधायकों को सख्त कार्रवाई होगी।

## कर्नाटक सरकार ने 60 प्रतिशत कन्नड़ का नियम लागू करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाई

**बेंगलुरु,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने गुरुवार को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य इमारतों के लिए साइनबोर्ड पर कन्नड़-अंग्रेजी का अनुपात 60:40 सुनिश्चित करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ा दी है। सरकार ने पहले इस संबंध में 28 फरवरी की समय-सीमा तय की थी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा, 'यह ध्यान में रखते हुए कि साइनेज बदलने में समय लगता है, कर्नाटक सरकार ने वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को दी गई समय सीमा को दो सप्ताह और बढ़ाने का फैसला किया है ताकि कन्नड़ में 60 प्रतिशत साइनेज के नियम का पालन किया जा सके।' यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी मातृभाषा का पूरा सम्मान करें, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि इस कानून का विधिवत पालन किया जाएगा, और दो सप्ताह के विस्तारित समय के अंत तक इसका अनुपालन देखने को मिलेगा।' बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने अब तक बेंगलुरु शहर में साइनबोर्ड बदलने के लिए 55,178 उद्योगपतियों को नोटिस जारी किया है और उनमें से 3,044 ने अभी तक साइनबोर्ड नहीं बदले हैं।

## देश की जनता ने 'अबकी बार, 400 पार' का नारा बुलंद कर दिया है: मोदी

**भोपाल,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश को हजारों करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की जनता ने 'अबकी बार, 400 पार' का नारा बुलंद कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश को लगभग 17,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के कामकाज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार डबल स्पीड से विकास कर रही है और इसके चलते निवेश के साथ नौकरी के अवसर आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चारों तरफ से एक ही शोर सुनाई देता है, 'अबकी बार, 400 पार।' पहली बार ऐसा हुआ है, जब जनता ने अपनी प्रिय सरकार की वापसी के लिए नारा बुलंद किया है। यह नारा बीजेपी का नहीं बल्कि जनता का दिया हुआ नारा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि मोदी की गारंटी पर देश का इतना विश्वास है कि वह भावविभोर करने वाला है। तीसरी बार सरकार बनाने का सिर्फ लक्ष्य है, ऐसा नहीं है, बल्कि देश को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए हम चुनाव में उतर रहे हैं। हमारे लिए सरकार बनाना अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि सरकार बनाना देश बनाने का माध्यम है। 'विकसित भारत, विकसित मध्य प्रदेश' के कार्यक्रम में राजधानी से राज्यपाल मंगु भाई पटेल, मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा सहित राज्य के अलग-अलग हिस्सों से लाखों की संख्या में लोग जुड़े।

## कर्नाटक सीएम ने विवादास्पद जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट ग्रहण की

**बेंगलुरु,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने गुरुवार को विवादास्पद जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट ग्रहण की। कांग्रेस सरकार की इस पहल से आगामी लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में विवाद पैदा होने की संभावना है। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े ने गुरुवार को कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज तंगदागी की मौजूदगी में विधानसभा में सीएम सिद्दरामैया को रिपोर्ट सौंपी। सिद्दरामैया ने कहा कि जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट अब चर्चा के लिए कैबिनेट के सामने रखी जाएगी। हालांकि, उन्होंने रिपोर्ट पर कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया। कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो रिपोर्ट पर कानूनी राय मांगी जाएगी। पहले हमें यह देखना होगा कि रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए कितना समय चाहिए।

इस बीच, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एच. कंथाराज ने कहा, 'उन्हें खुशी है कि आखिरकार रिपोर्ट सौंपी जा रही है।' उन्होंने कहा, 'एक बार जब आप रिपोर्ट का अध्ययन करेंगे, तो फायदे और नुकसान का पता चल जाएगा। यह रिपोर्ट सभी वर्गों के लोगों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है। यह बेजुबानों को आवाज देती है। यह सभी के कल्याण के लिए है।' प्रभावशाली वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के कड़े विरोध के बीच रिपोर्ट को स्वीकार करने का कदम उठाया गया है। इन दोनों समुदायों के संगठनों ने रिपोर्ट को 'अवैज्ञानिक' करार देते हुए इसे अस्वीकार करने की घोषणा की। पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को चुनौती भी दी थी कि अगर उनमें क्षमता है तो वह कंथाराज द्वारा तैयार की गई जाति आधारित मतगणना रिपोर्ट को स्वीकार करें। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार राज्य सरकार को सौंपे गए ज्ञापन में हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक थे, जिसमें उस रिपोर्ट को स्वीकार न करने का आग्रह किया गया था।

**जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट अब चर्चा के लिए कैबिनेट के सामने रखी जाएगी:- सिद्दरामैया, मुख्यमंत्री**

## बर्फ की कमी का असर अभी से दिखने लगा कश्मीर में

### 5 से 10 घंटों की बिजली कटौती शुरू हो गई

■ सुरेश एस डुग्गर

**जम्मू,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। इस बार कश्मीर में समय पर बर्फबारी न होने का नतीजा समने है। अभी भी दरियाओं में पानी कम है जिस कारण बिजली का उतना उत्पादन नहीं हो पा रहा है जितने की जरूरत है। ऐसे में आने वाले दिनों में बिजली के साथ-साथ कश्मीरियों को पानी के संकट से भी जूझना होगा। यह चिंता सिर्फ कश्मीर के लोगों की ही नहीं है बल्कि जम्मू संभाग भी इससे परेशान है। केपीडीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, कश्मीर में बिजली की मांग, जो लगभग 2000 मेगावाट है, और उपलब्धता, जो लगभग 1100 मेगावाट के बीच उतार-चढ़ाव वाली है, के बीच का अंतर काफी बढ़ गया है। इसने उन्हें आपूर्ति स्थिर होने तक स्टाप-गैप उपाय के रूप में लोड-शेडिंग शेड्यूल को संशोधित करने के लिए मजबूर किया है। यह अंतर कभी पूरा हो पाएगा इसके प्रति वे चुप्पी साध लेते थे। अधिकारी बताते थे कि 800 मेगावाट से अधिक की बढ़ती मांग-उपलब्धता असमानता ने हमारे हाथ बांध दिए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि हमें संकटपूर्ण कटौती के बजाय समान बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कटौती के घंटे बढ़ाने होंगे। बिजली कटौती के घंटों को संशोधित करने का निर्णय कश्मीर में 19 इलेक्ट्रिक डिवीजनों और छह एसटीडी के प्रमुखों के साथ परामर्श करने के बाद लिया गया था, जहां ग्रिड से बिजली की खपत और प्रत्येक डिवीजन की मांग पर विस्तृत चर्चा हुई थी। अधिकारी ने कहा कि आवंटित 1100 मेगावाट में से आधे से अधिक को अस्पतालों, औद्योगिक क्षेत्रों और प्रमुख प्रतिष्ठानों के लिए आवश्यक फीडरों में भेज दिया गया है। बहुत अधिक आवश्यकता के मुकाबले घरेलू उपयोग के लिए केवल 550 मेगावाट ही शेष है। वर्तमान में, कश्मीर में गैर-मीटर वाले क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों में 8 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 10 घंटे की कटौती निर्धारित है। मीटर वाले क्षेत्रों में 4.5 घंटे की कटौती का सामना करना पड़ता है। संशोधित कार्यक्रम अब इन कटौती के घंटों को और बढ़ा देगा।

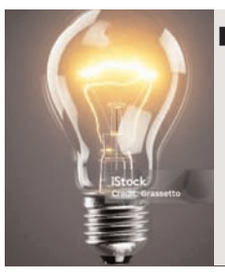

- **बिजली के साथ-साथ कश्मीरियों को पानी के संकट से भी जूझना पड़ सकता है**

अधिकारी कहते थे कि हम अघोषित बिजली व्यवधानों के कारण जनता की परेशानी नहीं चाहते हैं। केपीडीसीएल के एक अधिकारी ने कहा कि संशोधित लोड शेडिंग शेड्यूल तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि उत्पादन में सुधार नहीं हो जाता और हम मांग-आपूर्ति के अंतर को पाट नहीं देते। निगम ने अपने सोशल मीडिया पर एक एडवाइजरी भी जारी की है जिसमें उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे पीक आवर्स के दौरान बिजली का विवेकपूर्ण उपयोग करें और स्वीकृत बिजली भार से अधिक लोड करने से बचें। जम्मू संभाग में भी हालांकि फिलहाल घोषित बिजली कटौती नहीं है पर सप्ताहंत में बिजली ढांचे की मुरम्मत के नाम पर एकसाथ 15 से 20 घंटों का कट जरूर किया जा रहा है। पर जम्मू संभाग की जनता को भी लग रहा है कि मौसम की बेरूखी का सामना उन्हें इन गर्मियों में करना पड़ सकता है जब अधिकारी बिजली की कमी की संभावानाओं से इंकार नहीं करते थे।

**योजना** रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों को मिलेगा स्वस्थ भोजन

## 150 रेलवे स्टेशनों को मिला एफएसएसएआई का 'ईट राइट' टैग

**नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने लाखों लोगों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन विकल्प सुनिश्चित करने की अपनी पहल के तहत देश भर में 150 रेलवे स्टेशनों को ईट राइट स्टेशन के रूप में प्रमाणित किया है।**

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन प्रक्रिया में खाद्य विक्रेताओं का कठोर ऑडिट, खाद्य संचालकों का प्रशिक्षण, सख्त स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन और व्यक्तियों के बीच सूचित भोजन विकल्प चुनने के लिए जागरूकता बढ़ाने के प्रयास शामिल हैं। इन कड़े मानदंडों को पूरा करने वाले स्टेशनों को 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

कुछ प्रमुख स्टेशन जिन्हें 'ईट राइट स्टेशन' के रूप में प्रमाणित किया गया है, उनमें नई दिल्ली, वाराणसी, कोलकाता, उज्जैन, अयोध्या कैंट, हैदराबाद, चंडीगढ़, कोझिकोड, गुवाहाटी, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, वडोदरा, मैसूर सिटी, भोपाल रेलवे स्टेशन, इगतपुरी, दिल्ली का आनंद विहार टर्मिनल और चेन्नई का पुराची थलाइवर एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

- **मानदंडों को पूरा करने वाले स्टेशनों को 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा**

देश भर में छह अग्रणी मेट्रो स्टेशनों को भी ईट राइट स्टेशन के रूप में मान्यता दी गई है। इनमें नोएडा सेक्टर 51, एस्प्लेनेड (कोलकाता), आईआईटी कानपुर, बॉटनिकल गार्डन (नोएडा) और नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। इस पहल से न केवल यात्रियों को लाभ होगा, बल्कि रेलवे स्टेशनों पर खाद्य विक्रेताओं को भी सशक्त बनाया जाएगा। बयान में कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का पालन करके खाद्य विक्रेता अधिक ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। इससे उनके कारोबार को बढ़ावा मिलता है। एफएसएसएआई का लक्ष्य सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों और मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों को सुरक्षित और स्वस्थ भोजन विकल्प प्रदान करना है।

# कैपिटल ज़ोन

**उल्टा पुल्टा**

पिता : बेटा, 5 के बाद क्या आता है ?
बेटा : 6 और 7 ?
पिता : वाह मेरा समझदार बेटा। और 6,7 के बाद ?
बेटा– 8,9,10।
पिता– क्या बात है बेटा वाह, और उसके बाद ?
बेटा– गुलाम, बेगम, बादशाह।

**बस मार्शलों की बहाली के मुद्दे पर विधानसभा में एलजी पर फिर बरसे केजरीवाल**

## अधिकारियों को धमकी देकर बस मार्शल योजना पर रोक लगाई

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर एलजी वीके सक्सेना और भारतीय जनता पार्टी पर विधानसभा में जमकर बरसे। गुरुवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एलजी वीके सक्सेना ने अधिकारियों को धमकी देकर बस मार्शल योजना पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि भाजपा पर बस मार्शल के लिए मगरमच्छ के आंसू बहा रही है। उन्होंने भाजपा को ललकारते हुए कहा कि यदि वह सच में मार्शल के साथ खड़े हैं तो उनके साथ एलजी के पास जाकर दोबारा नियुक्त कराएं।

दिल्ली परिवहन निगम डीटीसी और क्लस्टर बस में मार्शल के रूप में तैनात सिविल सिक्यॉरिटी वॉलंटियर्स को हटाने के मुद्दे पर दिल्ली विधानसभा में केजरीवाल ने कहा कि यह योजना 2015 से 2022 तक सुचारू रूप से चली। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के वादे के साथ 2015 में सरकार बनाई थी। हमने पांच साल में सीसीटीवी कैमरे लगाए, अंधेरे वाले स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाई और बसों में सीसीटीवी कैमरे और 'पैनिक बटन' लगाए और मार्शल तैनात किए। बस मार्शल द्वारा किए गए अच्छे काम के कई उदाहरण मौजूद हैं।'

बस मार्शल योजना के तहत 8 साल तक सुचारू रूप से काम हुआ लेकिन 2023 में अधिकारियों ने यह कहते हुए सवाल उठाने शुरू कर दिए कि ये वॉलंटियर्स मार्शल के रूप में काम नहीं कर सकते : **अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री**

केजरीवाल ने कहा कि बस मार्शल योजना के तहत 8 साल तक सुचारू रूप से काम हुआ लेकिन 2023 में अधिकारियों ने यह कहते हुए सवाल उठाने शुरू कर दिए कि ये वॉलंटियर्स मार्शल के रूप में काम नहीं कर सकते। केजरीवाल ने आरोप लगाया, 'एलजी ने अधिकारियों को बस मार्शल योजना को रोकने के लिए कहा है। उन्होंने यह कहते हुए मार्शल की नियुक्ति पर सवाल उठाए कि वहां (बस में) सीसीटीवी कैमरे और 'पैनिक बटन' हैं तो मार्शल की क्या जरूरत। हम उनपर 280 करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं।'

केजरीवाल ने आगे कहा, 'मैंने कहा कि सर मेरे लोग हैं 280 करोड़ क्या उनकी सुरक्षा पर 2800 करोड़ खर्च करूंगा। मैंने कहा कि यदि सीसीटीवी से ही हो जाता तो राजभवन के चारों तरफ सीसीटीवी तो लगे ही हैं। पैनिक बटन भी लगा देते हैं, आपकी सुरक्षा हटा देते हैं। क्या जरूरत है आपकी सुरक्षा की। पूरी दिल्ली में तो सीसीटीवी लगा ही दिए हैं, पैनिक बटन और लगा देते हैं। दिल्ली पुलिस भंग कर देते हैं। कई लेयर की सुरक्षा होती है किसी समाज में।'

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह इस मुद्दे पर सिर्फ 'मगरमच्छ के आंसू' बहा रही है। केजरीवाल ने कहा अब खुद हटाके बीजेपी वाले उनके धरने में जाकर मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं। शर्म आनी चाहिए। थोड़ी सी शर्म पची है तुम लोगों के अंदर तो डूब मरो चुल्लू भर पानी में। इस तरह की गंदी राजनीति करते हो। अभी आपने नेता विपक्ष कहा कि इनको नियमित करना चाहिए। करने को तैयार हूं, चलो अभी चलते हैं एलजी के पास। अगर माई के लाल हो तो अभी चलो मेरे साथ। मैं खाली कागज पर साइन करने के लिए तैयार हूं। एलजी से करा के लाओ, तुम्हारा एलजी है। जिस फाइल पर दस्तखत करना है मैं अभी करने के लिए तैयार हूं इनकी बहाली के लिए। नौटंकी मत करो, गंदी राजनीति मत करो।'

## दिल्ली भाजपा ने शुरू की लोकसभा चुनाव की तैयारियां, लॉन्च किया कैंपेन

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले दिल्ली भाजपा ने अपना कैंपेन लॉन्च किया है। इस कैंपेन के तहत बीजेपी जनता से सुझाव लेगी और इसी सुझाव के आधार पर पार्टी अपना संकल्प पत्र तैयार करेगी। इस कैंपेन को दिल्ली भाजपा के नेताओं ने लॉन्च किया। इस मौके पर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, 'हमने लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आने वाले दिनों में लगातार कई तरह की गतिविधियां देखने को मिलेंगी। 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए जो संकल्प पत्र जारी होना है उसमें जनता के सुझावों को शामिल करने के लिए इस अभियान का आगाज कर रहे हैं।

इसका नाम है 'विकसित भारत, मोदी की गारंटी।' हमारे कार्यकर्ता दिल्ली के हर बाजार, हर कूचे और हर घर तक जाने का प्रयास करेंगे और विकसित भारत में उनके क्या सुझाव हैं उसे हासिल करेंगे। इन सुझावों को कैंपेन के नाम से बनाई गई एक पेटी में डाला जाएगा और फिर इसे देखने के बाद इसपर काम किया जाएगा। 'वीरेंद्र सचदेवा ने आगे कहा, 'यह काम हम पहली बार नहीं कर रहे हैं। साल 2014 में भी इस तरह के सुझाव लिए गए थे। उस समय जब हमारा मेनिफेस्टो आया तब उसमें से 99.1 फीसदी काम हमने पूरा कर दिया है। यह वो काम थे जिसके बारे में जनता ने बताया था।'

इस कैंपेन को लॉन्च करते वक्त वीरेंद्र सचदेवा और भाजपा नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने अपनी-अपनी तरफ से कुछ सुझाव लिख कर मीडिया के सामने इस पेटी में भी डाला। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में यह अभियान 15 मार्च तक चलेगा। उन्होंने कहा, 'इस दौरान दिल्ली के बाजार में, व्यापारिक संस्थानों में और सड़कों पर जाकर हमारे कार्यकर्ता यह पूछेंगे कि दिल्ली के लिए आपके क्या सुझाव हैं और दिल्ली के लिए आप प्रधानमंत्री से क्या चाहते हैं? इसमें समाज के कई वर्गों के लोगों को शामिल किया गया है। सुझाव देने वाले अपना नाम भी दे सकते हैं। इसके साथ-साथ लोग 9090902024 पर मिस्ड कॉल कर भी अपने सुझाव दे सकते हैं। इसपर लोग अपने वॉयस मैसेज देकर अपना सुझाव दे सकते हैं। इसके अलावा नमो ऐप डाउनलोड कर भी सीधे पीएम मोदी को सुझाव भेजा जा सकता है।'

## सार संक्षेप

### दवाईयों की खरीद फरोख्त को लेकर एसीबी को शिकायत

**नई दिल्ली।** जीबी पंत अस्पताल में दवाईयों की खरीद फरोख्त को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) को शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता गिरिराज सिंह ने दवाई खरीद से जुड़े अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वर्ष 2013 से अभी तक दो कम्पनियों ने कई कर्मचारियों को विशेष रूप से फायदा पहुंचाकर टेंडर डिस्काउंट के नाम पर दवाईयों की खरीद-फरोख्त के लिए नियमों को ताम पर रखकर सरकार को नुकसान पहुंचाया है। जिससे अस्पताल में आने वाले आम लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। शिकायतकर्ता गिरिराज सिंह ने एलजी, सीएम और स्वास्थ्य मंत्री को भी पत्र लिखकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

### आगामी लोकसभा चुनावों पर आधारित कार्यक्रम की शुरुआत

**नई दिल्ली।** आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर एक तेज़ तर्रार राजनीतिक समाचार डिबेट शो की शुरुआत हुई है। इस खास डिबेट शो का नाम न्यूज़18 इंडिया गूंज है । यह शो 21 फरवरी को शुरू हुआ है। यह सप्ताह में रोजाना शाम 5 बजे से 6 बजे तक प्रसारित होगा। यह एक तेज तर्रार राजनीतिक समाचार डिबेट शो है। जो हर शाम लाखों समाचार दर्शकों के घरों में गूंजने लगा है। आगामी आम चुनावों की पृष्ठभूमि में लांच किया गया यह शो राजनीतिक स्पेक्ट्रम के जाने पहचाने प्रमुख चेहरों की भागीदारी के साथ बड़ी राजनीतिक खबरों को कवर कर रहा है। न्यूज18 इंडिया और हिंदी डिजिटल की संपादक, ज्योति कमल ने बताया कि आम चुनावों से पहले, यह शो दर्शकों को प्रमुख चुनावी मुद्दों और महत्वपूर्ण खबरों के बारे में विविधतापूर्ण नजरिए से व्यापक समझ प्रदान करने की दिशा में हमारा एक प्रयास है।

### आप पार्षद पर नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने का आरोप, पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी के एक के बाद एक नेता कानूनी शिकंजे में फंसते नजर आ रहे हैं। अब आप पार्षद अंकुश नारंग पर मध्य जिला के रंजीत नगर थाने में पॉक्सो एक्ट सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इससे पहले, बुधवार को कोर्ट ने आप के ही विधायक प्रकाश जारवाल को डॉक्टर की आत्महत्या मामले में दोषी ठहराया था।

## निगम के शिक्षकों और ग्रेड बी और ए कर्मचारियों को जनवरी का वेतन नहीं मिला है : प्रवीण शंकर कपूर

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि सीएम अरविंद केजरीवाल ने उन हजारों एमसीडी कर्मचारियों को धोखा दिया है, जिन्हें उन्होंने समय पर वेतन भुगतान का सपना दिखाया था। एमसीडी में सत्ता में आने के तुरंत बाद सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने आश्वासन दिया था कि अब सभी एमसीडी कर्मचारियों को महीने की पहली तारीख को वेतन मिलेगा और जुलाई 2023 में दिल्ली की महापौर ने कर्मचारियों को समय पर वेतन देने के लिए सीएम को सम्मानित करने के लिए एक विशेष समारोह आयोजित करने के लिए भी मजबूर किया था। केवल जून का वेतन समय पर दिया गया लेकिन उसके बाद कर्मचारियों के वेतन में लगातार देरी हो रही है।

पिछले कई महीनों से एमसीडी के लगभग 28000 श्रेणी बी और ए कर्मचारियों में से अधिकांश, जिनमें शिक्षक, इंजीनियर, डॉक्टर, नर्स, उच्च श्रेणी के प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, को विलंब से वेतन मिल रहा है। उदाहरण के लिए उनमें से अधिकांश को दिसंबर 2023 का वेतन जनवरी 2024 के अंतिम सप्ताह में मिला। हर महीने की पहली तारीख को भुगतान के वादा अब महापौर एवं नगर निगम भूल चुके हैं।

श्री कपूर ने कहा है कि आज 29 फरवरी इस महीने का आखिरी दिन है, शिक्षकों सहित 28000 से अधिक नागरिक कर्मचारियों को अभी तक अपना जनवरी का वेतन नहीं मिला है। आज फरवरी खत्म हो रही है, अब उनकी 2 महीने का वेतन बकाया जमा हो गया है। दिल्ली सरकार के 351 सर्व शिक्षा अभियान शिक्षकों को जुलाई 2023 में दिल्ली सरकार से एमसीडी में स्थानांतरित कर दिया गया था, लेकिन 8 महीने बाद भी उन्हें एमसीडी से कोई वेतन नहीं मिला है। इसी तरह माली, चौकीदार, डेटा एंट्री ऑपरेटर, डीबीसी वर्कर्स समेत एमसीडी के हजारों कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को दिसंबर 2023 का वेतन अभी तक नहीं मिला है।

## देश की अर्थव्यवस्था मजबूत करने में सहायक होगी गेमिंग इंडस्ट्री : अनुराग ठाकुर

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। केंद्रीय खेल, युवा कार्य और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने स्किल्ड गेमिंग इंडस्ट्री की चिंताओं को दूर करने पर जोर देते हुए भारत में स्किल्ड गेमिंग उद्योग के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करने के लिए स्किल हब ऑनलाइन गेम्स फेडरेशन (एसओजी) को आमंत्रित भी किया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऑनलाइन गेमिंस उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक सिद्ध हो सकता है। केंद्रीय मंत्री ने यह बातें दिल्ली के एक होटल में पॉवर कॉरिडोर और इंटरएक्टिव फोरम ऑन इंडियन इकोनॉमी (आईएफईई) द्वारा मोदी की दृष्टि विकसित भारत, चुनौतियां और अवसर विषय पर आयोजित एक सम्मेलन के

दौरान दिए अपने संबोधन में कहीं। इस मौके पर अनुराग ठाकुर ने भारत को एक विकसित राष्ट्र और विश्व स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। साथ ही विकसित भारत के महत्व को एक परिवर्तनात्मक कार्यक्रम के रूप में बताया। इस लक्ष्य की प्राप्ति में गेमिंग इंडस्ट्री को सक्रिय भागीदार बनाने की अपील भी की। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ ऑनलाइन दक्षता गेमिंग उद्योग से संबंधित प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। वहीं कार्यक्रम के आयोजक ने इस सम्मेलन का उद्देश्य सरकार और गेमिंग उद्योग के प्रतिनिधियों के बीच आपसी संबंध और सहयोग को बढ़ावा देने है जिससे कि इस इंडस्ट्री की विभिन्न चुनौतियों का समाधान किया जा सके और प्रभावी समाधान मिल सके।


**उत्तर रेलवे**

आज़ादी का अमृत महोत्सव

**इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

| क्र. सं. | निविदा सं0 | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 82242095 | टेबलेट. ओलापैरिब 150 मि.ग्रा | 4752 Nos | 20.03.2024 |
| 2. | 82248836 | इंसुलिन बाइफैसिक एस्पार्ट इंज (इंसुलिन एस्पार्ट और इंसुलिन एस्पार्ट प्रोटामाइन 30/70) कैट्रिज 100IU प्रति एमएल 3 एमएल प्रत्येक (इंटरमीडिएट एक्टिंग) 15 कार्ट्रिज के साथ एक पेन डिवाइस | 7638 Nos | 25.03.2024 |

निविदा शर्तें –1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस सं दिनांक 28.02.2024 648/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


## दिल्ली नगर निगम के 221 कर्मचारी हुए सेवानिवृत

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम के 221 कर्मचारी सेवानिवृत हुए। दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, पी पी ओ शीट, लीव एनकैशमेंट के चेक दिये गए। सभी जोन में भी सेवानिवृत कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत कर्मचारियों को दीर्घायु व स्वस्थ रहने की कामना की गई। सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाओं के साथ-साथ सुखमय जीवन की कामना करते हुए पौधे भी भेंट किये। इस अवसर पर निगम के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहें।

## आम चुनाव के लिए जय महाभारत पार्टी ने तय किया अपना एजेंडा

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली में स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में गुरुवार को जय महाभारत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया।

**पार्टी जल्द करेगी उम्मीदवारों के नामों का एलानः प्रभु**

बैठक के बाद पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवान श्री अनंतविष्णु (प्रभु) ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हमने आम चुनाव के लिए अपना एजेंडा तय किया है। हम भारत में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएंगे और भुलक्ष्मी योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को 100 वर्ग गज का प्लॉट प्रदान करेंगे, साथ ही धनलक्ष्मी योजना के माध्यम से प्रत्येक महिला को केवल 0.25 पैसे ब्याज पर एक लाख रुपए

तक की त्वरित ऋण सुविधा प्रदान करेंगे। इसके अलावा उनकी पार्टी भारत में महिलाओं को संवैधानिक चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण देगी और बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करके, सभी प्रकार के भ्रष्टाचार, अन्याय, बलात्कार और अपराधों आदि पर अंकुश लगाकर पूरे भारत में एक शांतिपूर्ण सुरक्षित और कुशल सरकार बनाए रखने आदि पर काम करेगी। वहीं, एक सवाल के जवाब में प्रभु ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए हम जल्द ही एक प्रेस वार्ता कर अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान करेंगे। इस बैठक में प्रभु के अलावा संसदीय समिति में प्रणामी देवी,सुनमाया गरमाया, राजीव जौली खोसला, आध्यात्मिक गुरु वंदना साईं गुरु मां, गणेश दत्त जोशी, श्री श्री 1008 अनन्त गिरी महाराज के साथ साथ कई साधु-संतों के अलावा पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।


**दैनिक देशबन्धु दिल्ली**

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर्स ( सेंट्रल रूल्स 1956 के अंतर्गत )
दैनिक देशबन्धु पत्र के संबंध में स्वामित्व

**घोषणा पत्र फार्म–4**

तथा अन्य विवरण विषय–जानकारी

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रकाशन स्थल | – 506, आइएनएस बिडिंग, 9, रफी मार्ग नई दिल्ली |
| 2. | प्रकाशन अवधि | – दैनिक |
| 3. | मुद्रक का नाम | – **राजीव रंजन श्रीवास्तव** |
| | नागरिकता | – भारतीय |
| | पता | – 506, आइएनएस बिडिंग, 9, रफी मार्ग नई दिल्ली |
| 4. | प्रकाशक का नाम | – **राजीव रंजन श्रीवास्तव** |
| | नागरिकता | – भारतीय |
| | पता | – 506, आइएनएस बिडिंग, 9, रफी मार्ग नई दिल्ली |
| 5. | संपादक का नाम | – **राजीव रंजन श्रीवास्तव** |
| | नागरिकता | – भारतीय |
| | पता | – 506, आइएनएस बिडिंग, 9, रफी मार्ग नई दिल्ली |
| 6. | उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी है। | – **मे. पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.** देशबन्धु काम्प्लेक्स रायपुर |

मैं राजीव रंजन श्रीवास्तव एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सही है।

**राजीव रंजन श्रीवास्तव**
प्रकाशक का हस्ताक्षर

**दिनांक 1 मार्च 2024**


**मामला** *2020 दिल्ली दंगा मामला*

## हाई कोर्ट ने शाहरुख पठान की जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया

**नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को शाहरुख पठान की जमानत याचिका पर राज्य पुलिस को नोटिस जारी किया, जिसने 2020 के दंगों के दौरान कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी पर पिस्तौल तान दी थी। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने अभियोजन पक्ष से स्थिति रिपोर्ट मांगी है और आदेश दिया है कि सुनवाई की अगली तारीख (16 अप्रैल) से पहले पठान का नॉमिनल रोल मांगा जाए।**

पठान के वकील ने तर्क दिया कि दंगों के दौरान उसके अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने पर उसे अधिकतम 10 साल की सजा हो सकती है, और वह पहले ही हिरासत में चार साल की सजा काट चुका है।

दिल्ली की एक अदालत ने 14 दिसंबर 2023 को पठान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने न्यायिक हिरासत के दौरान पठान के आचरण, अदालती कार्यवाही और प्रत्यक्षदर्शियों तथा वीडियो फुटेज द्वारा समर्थित उसके खिलाफ गंभीर आरोपों को ध्यान में रखते हुए, उसे जमानत देने से इनकार कर दिया था। यह मामला 24 फरवरी 2020 को जाफराबाद में सांप्रदायिक दंगों के दौरान पठान द्वारा दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल पर पिस्तौल

■ हिरासत में चार साल की सजा काट चुका शाहरुख पठान

लहराने और गोलीबारी करने पर आधारित है। ट्रायल कोर्ट ने जेल में पठान के पास से एक मोबाइल फोन की बरामदगी पर गौर किया था और उसके आचरण पर असंतोष व्यक्त किया था। इसके अतिरिक्त, 24 नवंबर 2021 को कार्यवाही के दौरान पठान के व्यवहार को जमानत से इनकार करने के एक कारक के रूप में नोट किया गया था। उसने एक सह-अभियुक्त को एक फोन नंबर का उल्लेख करते हुए एक लिखित पर्ची दी थी। अदालत विशेष लोक अभियोजक की इस दलील से सहमत थी कि प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और सीसीटीवी फुटेज से संकेत मिलता है कि पठान उस दंगाई भीड़ में शामिल था जिसने हेड कांस्टेबल और अन्य आम लोगों पर गोलीबारी की थी।

## प्रगति मैदान में 2 मार्च को होगा भारतीय उद्यमिता उत्सव 2024 का आयोजन

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। समाधान समूह और स्वावलंबी भारत अभियान के सहयोग से स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में 2 मार्च को दिल्ली के प्रगति मैदान में भारतीय उद्यमिता उत्सव 2024 का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी स्वावलंबी भारत अभियान के अखिल भारतीय सह समन्वयक जितेंद्र गुप्त व समाधान ग्रुप के अध्यक्ष सीए मुकेश शुक्ला ने दी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि लोग उद्यमिता को पहचानें और उसका जश्न मनाएं। गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए मुकेश शुक्ला ने बताया कि प्रगति मैदान के भारत मंडपम में होने वाले इस कार्यक्रम में दो सत्र रखे गए हैं। पहले सत्र उद्यमिता की नींव में उद्यम की स्थापना पर फोकस होगा, जिसमें कृषि, फूड प्रोसेसिंग, सर्विसेस, रियल स्टेट व अन्य क्षेत्रों पर चर्चा होगी। दूसरे सत्र उद्यमिता का भविष्य में स्टार्टअप, मैन्युफैक्चरिंग, महिला उद्यमी, सामाजिक उद्यम और शिक्षा पर चर्चा होगी। इस दौरान जाने माने मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा समेत औद्योगिक क्षेत्र की कई बड़ी हस्तियां चर्चा में शामिल होंगी। इसके साथ ही विभिन्न व्यवसायों से जुड़े उत्कृष्ट उद्यमियों को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि होंगे। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक आर सुंदरम और स्वावलंबी भारत अभियान के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेडर प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा भी उपस्थित रहेंगे। मुकेश शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय उद्यमियों की प्रेरक यात्राओं को सामने लाना और स्टार्टअप की सत्य कथाओं से युवाओं को प्रोत्साहित करना है।

# कैपिटल ज़ोन

**उवाच**

अमृत 2.0 योजना के तहत स्वयं सहायता समूह की 55 महिलाओं की टीम बनाई गई है जो द्वारा घर-घर जाकर वॉटर टेस्टिंग का कार्य करेंगी। महिलाओं को मानदेय भी दिया जाएगा। महिलाओं पर वॉटर टेस्टिंग के लिए ओटी किट होगी जिसके माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता की जांच की जाएगी कहीं भी समस्या पाए जाने पर संबंधित अधिकारी कार्रवाई भी करेंगे।

**के पी आनंद, महाप्रबंधक जल**

## अमृत मित्र के रूप में वॉटर टेस्टिंग का कार्य करेंगी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

**गाजियाबाद,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। नगर निगम सीमा अंतर्गत अमृत 2.0 योजना के क्रम में, पेयजल गुणवत्ता की जांच करने के लिए 55 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की टीम बनाई गई है। अमृत योजना में कार्य करने वाली महिलाओं को अमृत मित्र का नाम दिया गया है।

### ■ पांचों जोन में 55 महिलाओं की टीम चेक करेगी पानी की गुणवत्ता

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले पांचों जोन में पांच पांच वार्डों में कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। जिसकी शुरुआत 5 मार्च को राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी। महाप्रबंधक जल के पी आनंद ने बताया कि अमृत 2.0 योजना के तहत स्वयं सहायता समूह की 55 महिलाओं की टीम बनाई गई है जो द्वारा घर-घर जाकर वॉटर टेस्टिंग का कार्य करेंगी। महिलाओं को मानदेय भी दिया जाएगा। महिलाओं पर वॉटर टेस्टिंग के लिए ओटी किट होगी जिसके माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता की जांच की जाएगी कहीं भी समस्या पाए जाने पर संबंधित अधिकारी कार्रवाई भी करेंगे। कार्य को सफलतापूर्वक करने के लिए 77 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से साक्षात्कार के उपरांत 55 महिलाओं को चुना गया है। जिनको विशेष रूप से ट्रेनिंग भी दी गई है, ट्रेनिंग के दौरान किस प्रकार कार्य किट के माध्यम से किया जाना है विस्तार से बताया गया, नोडल प्रभारी के रूप में संजय पथरिया परियोजना अधिकारी डुडा भी उपस्थित रहे जिनके द्वारा समन्वय की कार्रवाई की जा रही है।

शासनादेश पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार वृद्ध स्तर पर कार्रवाई करते हुए महिलाओं को बढ़ावा देते हुए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 'कवि नगर जोन' अंतर्गत वार्ड संख्या 91 कवि नगर वार्ड संख्या 84 राजनगर वार्ड संख्या 71 संजय नगर वार्ड संख्या 67 संजय नगर टू वार्ड संख्या 18 जयपुर 'मोहन नगर जोन' के अंतर्गत वार्ड संख्या 10 डीएलएफ कॉलोनी वार्ड संख्या 73 शालीमार गार्डन वार्ड संख्या 86 राजेंद्र नगर सेक्टर 5 वार्ड संख्या 85 लाजपत नगर वार्ड संख्या 80 राजेंद्र नगर 'वसुंधरा जोन' के अंतर्गत वार्ड संख्या 54 वसुंधरा सेक्टर 1 वार्ड संख्या 77 वैशाली 2 वार्ड संख्या 61 वसुंधरा 2 वार्ड संख्या 74 वसुंधरा तीन वार्ड संख्या 89 वैशाली 3 'विजयनगर जोन' के अंतर्गत वार्ड संख्या 51 सेक्टर 11 प्रताप विहार, वार्ड संख्या 14 सर्वोदय नगर, वार्ड संख्या 55 प्रताप विहार सेक्टर 11, वार्ड संख्या 58 शिवपुरी, वार्ड संख्या 25 अंबेडकर नगर मे तथा 'सिटी जोन' के अंतर्गतवार्ड संख्या 96 नेहरू नगर, वार्ड संख्या 9 पटेल नगर 2, वार्ड संख्या 19 पटेल नगर 1, वार्ड संख्या 88 गांधीनगर, वार्ड संख्या 59 चंद्रपुरी में वाटर ट्रीटमेंट का कार्य किया जाएगा।

## राकेश मार्ग की मुख्य सड़क का कार्य हुआ पूर्ण

**गाजियाबाद,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। नगर आयुक्त के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा शहर में लगातार कार्रवाई करते हुए सड़कों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। सड़कों पर आवागमन सुखद और सरल रहे इसके लिए सड़कों को गड्ढा मुक्त करते हुए पेचवर्क का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में सिटी जोंन अंतर्गत, राकेश मार्ग की मुख्य सड़क का निर्माण तेजी से कराया गया। ढ

मार्ग शहर के पांचो वार्ड को जोड़ता है लगभग लाखों की संख्या में प्रतिदिन आगंतुक इसी मार्ग से होते हुए गुजरते हैं, वार्ड संख्या 22 दौलतपुरा, वार्ड संख्या 39 नसीरपुर फटक, वार्ड संख्या 52 कोटगांव पंचवटी, वार्ड संख्या 8 मालीवाडा की ओर का क्षेत्र, वार्ड संख्या 96 नेहरू नगर अशोक नगर, की क्षेत्रीय निवासियों को इस मार्ग का लाभ प्राप्त हो रहा है, इसके अलावा शास्त्री नगर तथा गोविंदपुरम के आने वाले इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं जिनके लिए सड़क बनाने के उपरांत आवागमन सरल और सुखद बन गया है। मुख्य अभियंता निर्माण ने बताया कि राकेश मार्ग की सड़क जिसकी लंबाई लगभग 700 मीटर है 15वें वित से बनाई गई है उक्त सड़क के

### ■ सिटी के पांच वार्डों को मिला लाभ

निर्माण में लगभग 98 लाख लागत आई है गुणवत्ता तथा मानक के अनुरूप बनी यह सड़क क्षेत्र वासियों के लिए काफी लाभदायक है नगर आयुक्त महोदय के नेतृत्व में लगातार कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है अन्य शहर की सड़कों पर भी तेजी से कार्य हो रहा है, क्षेत्रीय पार्षद उदित मोहन गर्ग व अन्य क्षेत्रीय निवासियों द्वारा बेहतर चल रहे कार्य पर निगम की टीम को मोटिवेट किया गया।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कुशल नेतृत्व में माननीय महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार समस्त विभाग कार्य कर रहे हैं शहर के विकास को लेकर निर्माण विभाग की रफ्तार बढ़ रही है राकेश मार्ग के साथ-साथ अन्य सड़क भी शहर की आवागमन को सरल और सुखद बना रही है जीटी रोड से शनि मंदिर नसीरपुर फटक तक सड़क का निर्माण किया गया है क्षेत्र वासियों द्वारा गाजियाबाद नगर निगम द्वारा तेजी से कराया जाए रहे कार्यों को देखते हुए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का धन्यवाद जताया तथा कार्यों की मॉनीटरिंग भी अधिकारियों द्वारा की गई।

इसके लिए भी गाजियाबाद नगर निगम का धन्यवाद किया गया सहायक अभियंता अनूप शर्मा, अधिशासी अभियंता फरीद ज़ैदी, अवर अभियंता निर्माण नागेंद्र शर्मा की देखरेख, में सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है, नगर आयुक्त द्वारा कार्य पूर्ण होने के उपरांत सड़क पर मार्किंग तथा साइड रोड को व्यवस्थित करने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं।

## सार संक्षेप

### महाशिव रात्रि के लिए चलेगी स्पेशल बस

**नोएडा।** मोरना स्थित नोएडा डिपो से शुक्रवार मार्च से महाशिवरात्रि स्पेशल बसें चलेंगी। बसें डिपो से हरिद्वार तक के लिए चलेंगी। रात नौ बजे तक डिपो से लगातार महाशिवरात्रि स्पेशल बस मिलेगी। डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि आठ मार्च को महाशिवरात्रि है। इसलिए डिपो से शुक्रवार से हरिद्वार के लिए हर समय बस उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि बसों की संख्या निर्धारित नहीं की गई है। एक बस हर समय सूचना केंद्र के पास लगी रहेगी। बस के हरिद्वार रवाना होते ही दूसरी बस वहां पर लगा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हर साल महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार के लिए रवाना होते हैं। यही कारण है कि इस सुविधा को इस बार भी शुरू किया जाएगा।

### सड़क हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

**नोएडा।** फेज दो क्षेत्र में दो दिन पहले हुए एक सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि एनएसईजेड के पास तेज गति में आ रहे बाइक सवार ने सड़क पार कर रही महिला रेणु देवी को टक्कर मार दी। दुर्घटना में रेणु देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। इस दौरान मौका पाकर आरोपी बाइक सवार मौके से फरार हो गया। घायल महिला को गंभीर हालत में उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल लेकर गए। यहां पर रेणु देवी की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उनको दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सफदरजंग में महिला का दो दिन से उपचार चल रहा था। इस दौरान उनकी गुरुवार को मौत हो गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में महिला के पति सियाराम पासवान ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज आरोपी बाइक चालक की तलाशी शुरु कर दी है।

### पूर्व ब्लॉक प्रमुख राकेश यादव ने रालोद का दामन थामा

**गाजियाबाद।** रजापुर ब्लॉक के पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश यादव ने आज राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम लिया। उन्होंने रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह समक्ष अपने शामिल होने की घोषणा की। दिल्ली राष्ट्रीय लोक दल कार्यालय पर राष्ट्रीय लोकदल के चौधरी जयंत सिंह उनका स्वागत किया। इसके अलावा जयंत ने गाजियाबाद के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और सभी से 2024 के चुनाव में तैयारी करने के लिए कहा। इस अवसर पर इस पर चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने भी पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश यादव का राष्ट्रीय लोक दल पार्टी में आने पर स्वागत किया और बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राकेश प्रमुख के साथ लोकेंद्र त्यागी, प्रवीण लाल, नवीन चौधरी, शाहिद प्रधान कुशलिया, जितेंद्र यादव, परवेज प्रधान, फरमान चौधरी, रुकमकेश यादव, आजाद यादव मौजूद रहे।

## मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना : 21 जोड़ों का विवाह सम्पन्न

**गाजियाबाद,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत गुरुवार को विकास खण्ड परिसर, भोजपुर में 21 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया गया। जिसमें अनुसूचित जाति के 12, पिछड़ी जाति के 05, सामान्य वर्ग के 01 एवं अल्पसंख्यक वर्ग के 03 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। साथ ही 35 हजार की धनराशि कन्या के बैंक खाते में एवं रू0 10 हजार की विवाह सामग्री 6 हजार रुपए, खान-पान, टेन्ट आदि पर व्यय करते हुए कुल धनराशि 51 हजार रुपए प्रति जोड़ा की दर से प्रदान की गई।

कार्यक्रम में मोदीनगर की विधायक डॉ. मंजू शिवाच, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता बसंत त्यागी ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमर जीत सिंह समेत पियूष चन्द्र राय खण्ड विकास अधिकारी भोजपुर गाजियाबाद द्वारा नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद दिया।

## एनसीआरटीसी ने साहिबाबाद व गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशनों से फीडर सेवा के लिए रैपिडो के साथ की साझेदारी

**गाजियाबाद,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। एनसीआरटीसी ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के 17 किमी प्राथमिकता खंड के साहिबाबाद और गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशनों से फीडर सेवाएं प्रदान करने के लिए रैपिडो के साथ साझेदारी की है। रैपिडो सेवाएं यात्रियों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी, जिससे उनकी यात्रा की शुरुआत और गंतव्य तक निर्बाध रूप से पहुंचने में सुविधा होगी।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि यात्रियों के लिए उपलब्ध रैपिडो सेवाओं में ऑटो रिक्शा, दोपहिया टैक्सी और चार पहिया टैक्सी सेवाएं शामिल हैं जो अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी की जरूरतों को पूरा करती हैं। नमो भारत ट्रेन के यात्री मोबाइल ऐप की मदद से रैपिडो टैक्सी को बुक कर सकते हैं।

नमो भारत रेल के यात्रियों को रैपिडो बुकिंग की प्रक्रिया समझाने और इसकी जानकारी देने के लिए रैपिडो ने साहिबाबाद और गाजियाबाद स्टेशनों पर 'कैप्टन' नियुक्त किए हैं। ये 'कैप्टन' उपलब्ध सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर रहे हैं और यात्रियों को विभिन्न

सुविधाओं से लेकर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। नमो भारत रेल के यात्रियों को आरआरटीएस स्टेशनों के निर्दिष्ट क्षेत्रों के भीतर आसानी से आवश्यक सहायता मिल सकती है।

उन्होंने बताया कि ये फीडर सेवा अलग-अलग किराया श्रेणियों पर उपलब्ध हैं। कोई भी यात्री अपनी पसंद के अनुसार इसे चुन सकता है। ये लास्ट-माइल कनेक्टिविटी ऑप्शन यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए कनेक्टेड, तीव्र और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन विकल्प प्रदान करते हैं। इस पहल से यात्री उपयुक्त विकल्प चुनकर अपनी छोटी या लंबी यात्रा कर सकेंगे।

## पेमाइश करने गई प्राधिकरण की टीम से किसानों की नोंकझोक

**नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। सेक्टर-79 स्थित सोरखा गांव में गुरुवार को पेमाइश के लिए पहुंची प्राधिकरण की टीम के साथ किसान नेताओं की नोंकझोंक हुई। किसानों के विरोध के चलते प्राधिकरण की टीम को बिना नपाई के लौटना पड़ा। यहां हुए हंगामे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल गया। किसान मूलचंद का आरोप है कि गुरुवार को एक बिल्डर के दबाव में प्राधिकरण की टीम उनके खेत में नपाई के लिए पहुंच गई। बिल्डर की जमीन खेत में बताने लगे। इस जमीन का न तो मुआवजा उठाया है और न ही बेची है। उन्होंने प्राधिकरण की टीम का विरोध किया और इसकी सूचना भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखवीर खलीफा को दे दी। सुखवीर खलीफा समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए। यहां पर उनकी प्राधिकरण की टीम के अधिकारियों के साथ तीखी नोंक-झोंक भी हुई। उन्होंने प्राधिकरण की टीम पर गंभीर आरोप लगाए। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। किसानों के विरोध के चलते प्राधिकरण की टीम बैरंग लौट गई। किसान नेता सुखवीर खलीफा का कहना है कि प्राधिकरण के कुछ कर्मियों के द्वारा किसानों का शोषण किया जा रहा है। वह किसानों की जमीन की नपाई के नाम पर भयभीत करते हैं। उन्होंने इसकी शिकायत प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों से कर कार्रवाई की मांग की है। जबकि प्राधिकरण का कहना है कि वह एक बिल्डर की जमीन की नपाई करने के लिए गये थे, किसानों ने गलत तरीके से उनका विरोध करते हुए अभद्रता की है। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दे दी गई है।

### ■ बैरंग वापस लौटी टीम

## आज 100 खरीदार को मिलेगा मालिकाना हक

**नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। अमिताभ कांत की सिफारिश लागू होने के बाद पहली बार 1 मार्च को 100 बायर्स को मालिकाना हक मिलेगा। कार्यक्रम एक्सप्रेस बिल्डर एंड प्रमोटर्स सेक्टर-77 में किया जाएगा। यहां प्राधिकरण, बायर्स और निबंधन विभाग के अधिकारी मौजूद रहेंगे कैंप लगाकर रजिस्ट्री होगी। सिफारिश के तहत कुल 35 बिल्डरों ने सहमति दी है। ये सभी बिल्डर 2209 करोड़ रुपए प्राधिकरण में जमा कर देते है तो 13 हजार 639 होम बायर्स को उनको मालिकाना हक मिल जाएगा। सिफारिश के तहत अभी इसी बकाया का 25 प्रतिशत जमा किया जा रहा है। ये कुल बकाया के 552.51 करोड़ है। इसके जमा होने पर 3412 रजिस्ट्री हो जाएगी। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने बताया कि अभी 29.86 करोड़ रुपए प्राधिकरण में जमा हुए है। इसमें करीब 600 बायर्स को मालिकाना हक मिलेगा। एक मार्च को हम 100 बायर्स की रजिस्ट्री करेंगे। इसके लिए कैंप लगाया जाएगा। बाकी रजिस्ट्री के लिए भी बिल्डर सोसाइटी में कैंप लगाए जाएंगे। अमिताभ कांत समिति के प्रस्तावों को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद शासनादेश की शर्तों का पालन कर सहमति देने के लिए नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी बकाएदार बिल्डरों के साथ लगातार बैठक कर रहे हैं। इस शासनादेश में मुख्य रूप से एक अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2022 तक के काल को कोविड काल मानते हुए जीरो पीरियड का लाभ दिया जाना है।

### इन बिल्डरों ने जमा कराया पैसा, इनकी होगी रजिस्ट्री

- डिवाइन इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड सेक्टर-108
- कैपिटल इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड सेक्टर-168
- एम्स आरजी एंड प्रमोटर प्राइवेट लिमिटेड / गोल्फ एवेन्यू सेक्टर-75
- एचआर ओरेकल डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड / इलाइट होम्स सेक्टर-77
- गुलशन होम्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड
- एक्सप्रेस बिल्डर एंड प्रमोटर्स सेक्टर- 77

## नोएडा के स्ट्रीट डॉग्स का किया जाएगा टीकाकरण

**नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। एपीएल अपोलो ग्रुप की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी शाखा ने अपने ही फाउंडेशन के जरिए प्रोजेक्ट करुणा लॉन्च किया है। इसका उद्घाटन प्राधिकरण के डीजीएम एसपी सिंह, परियोजना अभियंता आरके शर्मा और हेल्थ इंस्पेक्टर वाईके हरीश ने किया। इस प्रोजेक्ट के तहत नोएडा के स्ट्रीट डॉग्स का टीकाकरण किया जाएगा। एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन संजय गुप्ता ने पहल की शुरुआत करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में तकरीबन 1200 स्ट्रीट डॉग्स हैं। इन सभी को प्रोजेक्ट करुणा के तहत एंटी रेबीज टीकाकरण किया जा रहा है। इसकी शुरुआत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट में नोएडा प्राधिकरण उनका साथ दे रही है। उनकी बतौर हमारे साथ मिलकर काम कर रही है। इस प्रोजेक्ट में उनका सहयोग प्रतिष्ठित एनिमल वेलफेयर वर्कर शिल्पी जैन ने किया और वेजिटेरियन डॉ सत्येंद्र कुमार नोएडा से ऑन ग्राउंड पार्टनर रहे।

संजय गुप्ता ने बताया कि शहरों में स्ट्रीट डॉग्स काफी खतरनाक होते हैं और अक्सर इनका टीकाकरण नहीं हुआ होता है। इस पहल के साथ प्रोजेक्ट करुणा जानवरों में संक्रमण के जोखिम को कम करने, मनुष्यों में बीमारी को फैलने से रोकने और सभी के लिए एक स्वस्थ वातावरण बनाने का प्रयास करता है।

## शहीदों के म्यूरल्स पर लगेंगी थीम लाइटिंग

**नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा में सेक्टर-15ए के पास डीएनडी फ्लाईओवर की लूप पर स्कल्पचर लगवाए जाए और इन पर लाइटिंग की जाए। इसके अलावा महामाया फ्लाईओर के पास रानी लक्ष्मी बाई, भगत सिंह, आदि के म्यूरल्स पर थीम लाइटिंग की जाए। बनारस घाट लूप के पास सदरअली ग्रेनाइट में बने बैलगाड़ी लगवाया जाए। ये निर्देश गुरुवार को नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक

### ■ वेस्ट ऑफ वंडर पार्क बनाने वाली कंपनी को शो कास नोटिस
### ■ सदरअली ग्रेनाइड से बनाए जाए स्कल्पचर

अधिकारी लोकेश एम ने निरीक्षण के समय दिए। उनके साथ अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी मौजूद रही। सीईओ ने कहा कि सारनाथ स्तूप पार्क में लॉन एरिया में स्तंभ लगवाकर लाइटिंग लगवाई जाए। साथ ही यहां बनी वॉटर बाडी की दीवार में लोटस टाइल्स लगवाई जाए। कमांड कंट्रोल एरिया के पास बीओटी एजेंसी के पड़े कबाड़ को हटाकर यहां परगोला लैंप लगाए जाए। वेस्ट ऑफ वंडर के नोएडा में जंगल ट्रैल के कार्य की प्रगति काफी कम मिली। ये पार्क सेक्टर-94 में बनाया जा रहा है। इसे वेस्ट से बनाया जा रहा है। कंपनी को कारण बताओं नोटिस जारी किया जाए। इसके अलावा जिन लोगों या कंपनियों ने रखरखाव के लिए एडॉप्शन पर कार्य लिया और ठीक ढंग से काम नहीं कर रहे। उन सभी को नोटिस जारी किया जाए। इसके अलावा एक्सप्रेस वे पर लगे म्यूरल्स का भी निरीक्षण किया गया।

## 30 सीबीआई उप-निरीक्षकों के 27 वें बैच का अलंकरण समारोह आयोजित

**गाजियाबाद,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के 30 उप-निरीक्षकों के (27 वें बैच) का अलंकरण समारोह गुरुवार को यहां कमला नेहरूनगर स्थित सीबीआई अकादमी में आयोजित किया गया। सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूदसमारोह के मुख्य अतिथि रहे। सूद ने यह भी बताया कि युवा अधिकारियों को लीक से हटकर सोच अपनाकर अपना काम करने का प्रयास करना चाहिए एवं अपने कार्यों को अलग तरीके से करके बेहतर परिणाम प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नीरस कार्य समाप्त की जगह स्मार्ट कार्य से बेहतर परिणाम मिलेंगे। निदेशक, सीबीआई ने युवा अधिकारियों को आश्वासन दिया कि सीबीआई में उन्हें एक ऐसा कार्यस्थल मिलेगा जो बेहद सहायक है क्योंकि वहां अच्छी तरह से निर्धारित प्रक्रियाएं, मार्गदर्शन

### ■ लीक से हटकर सोच अपनाकर अपना काम करने का प्रयास करना चाहिए सीबीआई अधिकारियों को : सूद

हेतु पर्यवेक्षी अधिकारियों उपलब्धत हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारी अपने पूरे करियर के दौरान सीबीआई के आदर्श वाक्य, 'उद्यमिता, निष्पक्षता एवं सत्यनिष्ठा' को प्रेरणा तथा मार्गदर्शन के सच्चे स्रोत के रूप में देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से पूरी सेवा के दौरान अच्छा आचरण बनाए रखने का आह्वान करते हुए, निदेशक सीबीआई ने इस बात पर जोर दिया कि सीबीआई एक ऐसा स्थान है, जहां बाहरी प्लेटफार्मों के माध्यम से मान्यता प्राप्त करने से दूर रहते हुए, चुपचाप तरीके से कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि सीबीआई अधिकारियों के रूप में आप संगठन के ब्रांड एंबेसडर बनने जा रहे हैं क्योंकि आपका आचरण एवं कार्य हमेशा अदालत व जनता की जांच के दायरे में रहेगा जिसका असर सीबीआई पर पड़ेगा। सूद ने पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो के सदस्य के रूप में अधिकारी प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए अपने कौशल का सीबीआई के उच्च मानकों के अनुरूप पूर्ण उपयोग करेंगे। अलंकरण समारोह के दौरान प्रवीण सूद ने प्रशिक्षुओं को पदक एवं ट्राफियां प्रदान कीं। जुमरानी प्रिंस ओमप्रकाश को 'सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड एसआई प्रशिक्षु के लिए डीपी कोहली पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। समारोह में सीबीआई की अपर निदेशक संपत मीना, मनोज शशिधर, अभियोजन निदेशक डॉ. पद्मिनी सिंह, निदेशक सहित अन्य विभागों व स्थानीय प्रशासन के अधिकारी समारोह में उपस्थित रहे।

## नोएडा पुलिस ने परिजनों की इच्छा की पूरी

**नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आया। यहां पुलिस ने एक बच्ची को नाले से निकला। उसे नए कपड़े लाकर दिए और आज उसका चौकी में केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। बच्ची बेहद खुश है उसके पिता ने बताया कि बच्ची को जीवन दान दिया और अब उसका जन्म दिन मनाया गया। मैं ये खुशी शब्दो में बया नहीं कर सकता। ये पूरा मामला नोएडा के फेस-2 का है। दरअसल, 28 फरवरी की शाम करीब सात बजकर 15 मिनट पर राजा शर्मा ने सेक्टर-110 चौकी पर जानकारी दी कि एक बच्ची नाले में गिर गई हैं। सूचना पर की चौकी इंचार्ज सेक्टर-110 प्रीति पवार ने राजा शर्मा की मदद से बच्ची को नाले से निकलवाया गया। इसके बाद वो बच्ची को चौकी लेकर आ गई। बच्ची ठंड से कांप रही थी बच्ची कीचड़ में सनी थी। बच्ची गर्म पानी से साफ किया गया। इसके बाद नए दूसरे कपड़े खरीद कर पहनाए गए। उसके परिवार जनों को सूचना दी गई। सूचना पर उसके माता-पिता चौकी पर पहुंचे। बच्ची के पिता का नाम मिथिलेश और मां का नाम कविता है। वे सुदामा पुरी थाना विजयनगर गाजियाबाद के रहने वाले हैं। यहां sk2 बीडीएस मार्केट में झूला लगते हैं। बच्ची उनके सुपुर्द की गई। उनके द्वारा बताया गया कि हमारी बच्ची का 29 फरवरी को जन्मदिन है और वह 4 साल की हो जाएगा। परिजनों ने इच्छा जताई कि वे अपनी बच्ची के साथ चौकी में केक काटकर जन्मदिन मनाएंगे।

### ■ चौकी में केक काटकर मनाया बच्ची का जन्मदिन, कल पुलिस ने नाले से किया था रेस्क्यू

# कैपिटल ज़ोन

**उवाच**

आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। हर घर तक सरकार की उपलब्धि योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना है, ताकि एक बार फिर मोदी सरकार 400 पार के साथ बने उसके लिए काम करेंगे।
**कपिल देव अग्रवाल, प्रदेश कैबिनेट मंत्री कलेस्टर प्रभारी**

## नोएडा एयरपोर्ट पर मार्च में ट्रायल के तौर पर विमान उतारने की तैयारी

**ग्रेटर नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आगामी सितम्बर माह में विमानों के उड़ान भरने की तैयारी की जा रही है। नोएडा एयरपोर्ट पर ट्रायल

**■ प्रदेश सरकार नग बोइंग विमान उतारने की तैयारी**

के तौर पर फरवरी में उतारने की तैयारी थी। ट्रायल को लेकर औपचारिकता पूरी न होने के कारण अब मार्च में विमान उतारने की तैयारी प्रदेश स्तर पर नागरिग उड्डयन और नियाल के बीच वार्ता चल रही है। एयरपोर्ट पर रनवे करीब-करीब तैयार हो गया है। विमान उतार कर रनवे का ट्रायल किया जा सके। इसके लिए विकासकर्ता के साथ सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा हैं। करीब-करीब इस पर सहमति भी बन गई। मार्च में एयरपोर्ट पर ट्रायल के तौर पर विमान उतारने को लेकर तेजी से काम चल रहा है। विमान उतारने में सबसे बड़ी उड़चन ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर को लेकर आ रहा है। बिना ट्रैफिक कंट्रोल संचलित हुए विमान उतारने में दिक्कत आ रहा है। नागरिक उड्डयन और नियाल की तरफ से इसका रास्ता निकाला जा रहा है। सूत्रों को कहना है कि बिना एटीसी बिल्डिंग तैयार हुए विमान उतारने के लिए विकल्प भी तलाश कर लिया गया है। अब माना

जा रहा हैं कि जेवर और आसपास के लोग जल्द एयरपोर्ट पर विमान लैंड करते हुए उसका दीदार कर सकेंगे।

एमओयू के हिसाब से नोएडा एयरपोर्ट से विमानों का उड़ान एक अक्टूबर 2024 से किया जाना है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड इस दिशा में तेजी निर्माण कार्य को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। बताया है कि पिछले मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की अध्यक्षता में उप्र नागरिक उड्डयन विभाग, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड विकासकता यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी। जिसमें मुख्यमंत्री ने तय किया था कि मार्च में ट्रायल के तौर पर एयरपोर्ट पर कोई विमान की लैंडिंग की जाए। नागरिक उड्डयन विमान ने कोई छोटा यात्री विमान उतारने पर सहमति जाहिर कर दी थी। बाद में मुख्यमंत्री ने छोटे विमान पैसेंजर के बजाय बोइंग विभाग उतारने की शर्त रख दी। अधिकारियों के सामने दिक्कत आए कि विमान उतारने से पहले डीजीसीए से सशर्त के साथ अनुमति ली जाए। दूसरी समस्या आई विमान उतारने के लिए एटीसी का संचालन होना चाहिए। नोएडा एयरपोर्ट के एटीसी में अभी उपकरण नहीं लग पाए है, जिससे विमान उतारने के लिए काम कर सके। अगर विमान उतारना है तो कोई विकल्प तलाशा जाए। बताया जाता है कि इसका भी विकल्प तलाश कर लिया गया। डीजीसीए से सशर्त अनुमति पहले ले लिया। इसके लिए केंद्रीय नागरिक मंत्रालय से अधिकारी संपर्क करने में जुट गए। विमान उतारने के लिए दिल्ली इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के एटीसी से लिंक कर लिया। बताया जाता है कि जानकारों का कहना है कि दिल्ली एयरपोर्ट के एटीसी से लिंक कर एयरपोर्ट पर विमान उतारा जा सकता है। इसकी रिपोर्ट भी प्रदेश सरकार को भेज दिया गया। अब माना जा रहा है कि मार्च में कभी नोएडा एयरपोर्ट पर विमान उतारा जा सकता है। इसके लिए अभी कोई तिथि निर्धारित नहीं हो पाया है। मुख्यमंत्री की तरफ से तिथि निर्धारित होने के बाद नोएडा एयरपोर्ट पर जल्द विमान उतारा जा सकता है।

### यात्री टर्मिनल बिल्डिंग पर छत लगाने का काम शुरु

नोएडा एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग पर छत लगाने का काम करीब पूरा हो चुका है। नोएडा एयरपोर्ट को संचालन की दिशा में एक कार्य और पूरा होने के कगार पर पहुंच गया है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तरफ से दावा किया गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग पर एक में छत लगाकर दिन, एक और मील का पत्थर किया है। यात्री टर्मिनल छत का काम मजबूती के साथ किया जा रहा है। घाट की छत के ट्रस को मजबूती से स्थापित किया जा रहा है। जिस तेजी के साथ छत लगाने का काम चल रहा है उस हिसाब से कुछ ही दिन में यह काम पूरा हो जाएगा।

## नोएडा एयरपोर्ट के पास 45 दिन में तैयारी होगी फिनटेक सिटी की डिजाइन

**ग्रेटर नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे सिटी के सेक्टर-13 में बसाई जाने वाली फिनटेक सिटी की स्टडी और डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) कुशमैन एंड वेकफील्ड इंडिया तैयार करेगी। सलाहकार कंपनी के लिए आगे आई पांच कंपनियों की आर्थिक बिड खोली गई। चयनित कंपनी को 45 दिनों में डीपीआर सौंपनी होगी। इस पर 1 करोड़ 12 लाख रुपए खर्च होंगे। इसके बाद विकासकर्ता कंपनी का चयन किया जाएगा। फिनटेक सिटी को सिंगापुर और दुबई की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

यीडा सिटी के सेक्टर-13 में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास 250 एकड़ में फिनटेक सिटी बसाए जाने की तैयारी चल रही है। प्रथम चरण में 100 एकड़ में विकसित की जाएगी। इसके लिए सलाहकार कंपनी का चयन करने के लिए निकाली गई आरएफपी (रिक्यूक्व फॉर प्रपोजल) में सीबीआरई साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड, ट्रैक्टेवल इंजीनियरिंग प्राइवेट, जोन्स लैंग लासले प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कुशमैन एंड वेकफील्ड इंडिया, वायंट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड आगे आई थीं। तकनीकी बिड के बाद बुधवार को आर्थिक बिड खोली गई। सबसे कम बोली लगाकर कुशमैन एंड वेकफील्ड इंडिया ने बाजी मार ली है। कंपनी 45 दिन में स्टडी रिपोर्ट और डिटेल प्राजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगी। फिनटेक सिटी को किस मॉडल पर विकसित किया जाना सही होगा, क्या-क्या सुविधाएं होंगी, इस तरह की कंपनियां होंगी, इसका पूरा खाका तैयार कियाा जाएगा। डीपीआर तैयार होने के बाद प्राधिकरण आगे की कार्रवाई शुरू करेगा।

**फिनटेक सिटी की सलाहकार कंपनी के लिए कुशमैन एंड वेकफील्ड इंडिया का चयन कर लिया गया है। कंपनी 45 दिन में डीपीआर तैयार करेगी। उसके बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यीडा की फिनटेक सिटी को दुबई और सिंगापुर की फिनटेक सिटी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।**
**डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण।**

- **प्राधिकरण ने किया फिनटेक सिटी की सलाहकार कंपनी का चयन**
- **कुशमैन एंड वेकफील्ड कंपनी तैयार करेगी डीपीआर**
- **डीपीआर व स्टडी रिपोर्ट पर खर्च होंगे 1. 12 करोड़ रुपए**
- **प्रथम चरण में 100 एकड़ में विकसित की जाएगी फिनटेक सिटी**

### अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को लाने का किया जाएगा प्रयास

यीडा सिटी में विकसित होने वाली नार्थ इंडिया की प्रथम फिनटेक सिटी में अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों को लाने का प्रयास किया जाएगा। वित्तीय कारोबार से जुड़ी कंपनियों को भूखंड आवंटित किए जाएंगे। इसे सिंगापुर और दुबई की फिनटेक सिटी की तरह विकसित करने की योजना है। यीडा सिटी के सेक्टर-13 में 250 एकड़ जमीन आरक्षित कर दी है, हालांकि प्रथम चरण में 100 एकड़ जमीन विकसित की जाएगी। फिनटेक सिटी में ऑनलाइन बैंकिंग, निवेश, रिसर्च, क्रॉउड फंडिंग, डिजिटल मनी, स्टॉक एक्सचेंज, बीमा कंपनियां, शॉपिंग सेंटर, ई-पेमेंट गेटवे प्लेटफॉर्म जैसी निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं को भूखंड आवंटित किए जाएंगे।

## यूपी इण्टरनेशनल ट्रेड शो पिछले संस्करण की तुलना में अधिक आकर्षक होगा : राकेश सचान

**ग्रेटर नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। बहुप्रतीक्षित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 का एक रोड शो निकाला गया, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार ने इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट के सहयोग से आयोजित किया। अधिक से अधिक लोगों को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का एक रोड से जोड़ने के लिए आयोजकों द्वारा

**■ यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में अधिक लोगों को जोड़ने को लेकर रोड शो का हुआ आयोजन**

यह रोड शो गुरुवार को भारत मंडपम, प्रगति मैदान में भारत टैक्स 2024 के कार्यक्रम के दौरान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 25-29 सितम्बर तक होने वाले यूपीआईटीएस की अगुवाई में एक आयोजन महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान मुख्य अतिथि के रूप में रोड शो में शामिल हुए। साथ ही उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन के अतिरिक्त मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद सहित कई लोग शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री राकेश सचान ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व विकास किया है और यह सभी को दिखाई दे रहा है। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने एमएसएमई के विकास के प्रयासों के लिए उत्तर प्रदेश की सराहना की है, जिसने अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण स्थापित किया है। उन्होंने राज्य में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां होने पर गर्व व्यक्त किया। साथ ही कहा कि राज्य में हाईवे, एयरपोर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सुविधाओं के साथ व्यापार-व्यवसाय की अपार संभावनाएं हैं। जल्द ही, पीएम मित्र पार्क सभी औद्योगिक इकाइयों के लिए खुलेगा और उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान देगा। सभी को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे संस्करण में भाग लेना चाहिए, जो व्यवसाय की दृष्टि से पिछले संस्करण की तुलना में अधिक आकर्षक होगा। एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन के अतिरिक्त मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने अपने संबोधन में सभी से इस शो में भाग लेने की अपील की, जो उत्तर प्रदेश के निर्माताओं को न केवल पूरे देश बल्कि पूरे विश्व के विशाल बाजारों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. राकेश कुमार, चौयरमैन, आईईएमएल ने कहा कि इस बार हम उन श्रेणियों और क्षेत्रों को शामिल करेंगे जो जगह की कमी के कारण पिछले संस्करण में शामिल नहीं थे।

## परियोजनाओं से संबंधित अभिलेखों को रेरा मुख्यालय लखनऊ भेंजे : उप्र रेरा

**ग्रेटर नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। उ.प्र.रेरा ने परियोजनाओं के पंजीकरण, पंजीकरण विस्तार, एडिटिंग तथा एजेंट्स के पंजीकरण सहित अन्य प्रकार के आवेदन के सम्बन्ध में लोगों की सुविधा को लेकर एक ज्ञापन जारी किया है। एनसीआर के प्रोमोटर्स अपनी परियोजनाओं के पंजीकरण, पंजीकरण विस्तार, एडिटिंग तथा अन्य मामलों में व्यक्तिगत या डाक से प्रेषित किए जाने वाले डॉक्युमेंट्स उ.प्र. रेरा मुख्यालय, लखनऊ में उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसी प्रकार रियल एस्टेट एजेंट के पंजीकरण तथा विस्तार हेतु आने

**■ एनसीआर के आवंटी शिकायत के पत्र क्षेत्रीय कार्यालय, ग्रेटर नोएडा और अन्य जनपद संबंधित डॉक्युमेंट्स लखनऊ मुख्यालय भेंजे**

वाले आवेदन भी व्यक्तिगत या डाक से सीधा उ.प्र. रेरा मुख्यालय, लखनऊ भेजने के लिए कहा गया है। प्रोमोटर तथा एजेंट द्वारा व्यक्तिगत या डाक से भेजने वाले पत्र अब लखनऊ मुख्यालय के पते पर भेजे जाएंगे। रियल एस्टेट परियोजनाओं के पंजीकरण, पंजीकरण विस्तार, एडिटिंग तथा एजेंट्स के पंजीकरण एवं विस्तार से संबंधित अन्य प्रकार के कार्यों का निष्पादन उ.प्र. रेरा मुख्यालय से ही सम्पन्न होता है। कई प्रकरणों में यह पाया गया है कि व्यक्तिगत या डाक से मुख्यालय के संबंधित डॉक्युमेंट्स क्षेत्रीय कार्यालय में पहुंच दिये जाते है और वहां से मुख्यालय तक आने में विलम्ब हो जाता है। उ.प्र. रेरा अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने कहा कि विभागीय स्तर पर आवेदनों का निस्तारण करने के लिए अभिलेखों का सही कार्यालय पर समय से पहुचना अतिआवश्यक है। इसी कारण यह कार्यालय आदेश जारी किया गया है जिससे हितधारकों के प्रकरण को समयबद्व तरीके से निष्पादित किया जा सके। रियल एस्टेट सेक्टर के हितधारकों की भौगोलिक स्थिति के अनुसार उन्हें सेवाएं प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, शामली, बुलंदशहर, मुज्जफ्फरनगर तथा हापुड़ सहित आठ जनपदों को एनसीआर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से संबंधित किया गया है। जबकि प्रदेश के शेष जनपदों को मुख्यालय से संबंधित किया गया है।

## जिला कारागार में बंदियों के लिए लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

**ग्रेटर नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा व जेपी हॉस्पिटल नोएडा के संयुक्त तत्वाधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन जिला कारागार ग्रेटर नोएडा में लगाया गया। जिसमें जे.पी. हॉस्पिटल के डॉ. फिजीसियन,

महिला रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट के द्वारा लोगो की जांच की गई। कैम्प में ईसीजी, ब्लड प्रेशर, शुगर व अन्य कई प्रकार की नि:शुल्क जांच का भी 135 लोगो ने लाभ उठाया। शिविर में कपिल शर्मा, मुकुल गोयल, उदित गोयल व जिला कारागार से जेलर जे. पी. तिवारी, विवेक शर्मा ओर अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

## स्प्रिएस्टा वार्षिकोत्सव में शामिल प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

**गेटर नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। एचआईएमटी ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स में तीन दिवसीय स्प्रिएस्टा वार्षिक उत्सव के अंतिम दिन सांस्कृतिक प्रतियोगिताओ एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं शाम को मशहूर पंजाबी सिंगर जस्सी गिल एवं बब्बल रायटीम ने लाइव प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के चेयरमैन हेमसिंह बंसल, सचिव अनिल बंसल, अनमोल बंसल एवं समूह निर्देशक डॉ. सुधीर कुमार ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रजवलित करके किया। कार्यक्रम के तीसरे दिन स्किट, डांस, गायन (सिंगिंग) एवं फैशन शो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिता की समाप्ति के बाद तीनो दिनों के सभी कार्यक्रम में विजेता टीम एवं प्रतिभागियों को संस्थान के चेयरमैन हेम सिंह बंसल, संयुक्त सचिव अनमोल बंसल, समूह निर्देशक डॉ. सुधीर कुमार, कार्यकारी

निर्देशक डॉ. विक्रांत, सभी विभागों के निर्देशक एवं प्रधानाचार्य द्वारा ट्रॉफी, मेडल्स एवं कैश पुरुस्कारो से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कविता चौधरी, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, फैकल्टी एवं स्टाफ मौजद रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य संचालक डॉ.सीमा ने सभी समन्वयकों के साथ मिलकर सभी प्रतियोगिताओं का भली भांति संचालन कराया।

## होम लोन दिलाने के बहाने दुकानदार से ठगे पन्द्रह हजार रुपए

**दनकौर,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र के मंडी श्याम नगर निवासी एक दुकानदार से होम लोन दिलाने के बहाने अज्ञात आरोपी ने पन्द्रह हजार रुपए ठग लिए। पीड़ित को जब ठगी की जानकारी हुई तो उसने इस संबंध में गुरुवार को कोतवाली की साइबर सेल में पहुंचकर मामले की शिकायत की है। पीड़ित विशाल ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि वह दुकानदार है। उसने बताया कि दो दिन पहले उनके फोन पर एक अज्ञात आरोपी ने काल कर होम लोन दिलाने का झांसा दिया था। आरोपी की बातों में आकर उसके खाते 15 हजार रुपए पीड़ित ने ट्रांसफर कर दिए गए। पीड़ित का कहना है कि उसके बाद से अज्ञात आरोपी उसका फोन रिसीव नहीं कर रहा है। ठगी की जानकारी होने के बाद गुरुवार को पुलिस से शिकायत की गई। साइबर सेल निरीक्षक सुरेंद्र सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

## हर्ष फायरिंग में युवक को लगी गोली, रिपोर्ट दर्ज

**रबूपुरा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत शादी समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान युवक के सिर में गोली लगने से वह घायल हो गया। परिजनों ने घायल को ग्रेनो के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। उधर पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अनुसार क्षेत्र के गांव खेरली भाव निवासी रफीक की की बेटी की बुधवार को बारात आई थी। बारात के खाने से पहले रिश्तेदार और गांव के लोग खाना खा रहे थे। आरोप है इसी दौरान दुल्हन का चचेरा भाई दानिश तमंचे से फायरिंग करने लगा। शादी पंडाल में भीड़ अधिक होने के कारण बैलेंस बिगड़ने पर तमंचे से निकली गोली पंडाल में खाना खा रहे अट्टा फतेहपुर निवासी युवक जीशान (17) के सिर में जा लगी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना से लोगों में हड़कंप मच गया और आनन फानन में घायल युवक को ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत पर सम्बंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आरोपी दानिश निवासी खेरली भाव को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

## भारत तीसरी अर्थव्यस्था की ओर अग्रसर, देश में हो रहे हैं बड़ बदलाव : धनखड़

**■ भाजपा लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति एवं कोर कमेटी की हुई बैठक**

**ग्रेटर नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। भाजपा लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति एवं कोर कमेटी बैठक का आयोजन जीएनआईओटी कॉलेज नॉलेज में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा राष्ट्रीय सचिव कलेस्टर ओमप्रकाश धनखड़, प्रदेश कैबिनेट मंत्री कपिल देव अग्रवाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिसोदिया रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बैठक का संचालन लोकसभा प्रभारी अनिल शिसोदिया लोकसभा संयोजक प्रणीत भाटी ने किया। प्रेस वार्ता में धनखड़ ने कहा कि आज स्टार्टअप का युग है, भारत तीसरी

अर्थ व्यस्था की ओर बढ़ रहा है, देश में आज बड़े बदलाव हो रहे हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबके विश्वास के साथ लोकसभा चुनाव में उतर रहे हैं, पिछली बार की अपेक्षा अधिक मतों से जीत दर्ज होगी। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि आज भारत में बदलाव आया है। आज भारत का विश्व पटल पर सम्मान बढ़ा है। आज आम जन मानस के अंतिम पंक्ति के वियक्ति तक योजनाओं से विकास हो रहा है, हम सबको फिर एक बार मोदी सरकार बनानी है, उसके लिये बूथ समिति पन्ना प्रमुख तक बैठकों का निरन्तर आयोजन लोकसभा चुनावों का प्रचार प्रसार करेंगे। प्रदेश कैबिनेट मंत्री कलेस्टर प्रभारी कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। हर घर तक सरकार की उपलब्धि योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना है, ताकि एक बार फिर मोदी सरकार 400 पार के साथ बने उसके लिए काम करेंगे। सतेंद्र शिसोदिया ने कहा कि गौतमबुधनगर लोकसभा सीट पहले भी अच्छे वोटों से जीते थे और अबकी बार ऐतिहासिक वोटो के साथ उत्तर प्रदेश के शो विंडों कहे जाने वाले गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा वोटों से जीते उसके लिए कार्यकर्ता लगे बैठक में मुख्यरूप से क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर, दादरी विधायक तेजपाल नागर, सिकंदराबाद विधायक, लक्ष्मीराज सिंह, खुर्जा विधायक मीनाक्षी सिंह, पूर्व विधायक खुर्जा बिजेंद्र सिंह, पूर्व एमएलसी सतीश शर्मा, आशीष वत्स, राकेश राणा, नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, दीपक भारद्वाज, धर्मेन्द्र कोरी, सेवानन्द शर्मा, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, रवि जिन्दल, पवन रावल, पवन नागर, गुरुदेव भाटी, सचिन शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-सैनी की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-एस.ए.आई.0191, भूखण्ड संख्या-47, क्षेत्रफल-640 वर्ग मीटर श्री केशराम पुत्र श्री मलखान निवासी-ग्राम-सैनी, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री केशराम पुत्र श्री मलखान की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान श्री संजय कुमार पुत्र स्व0 श्री केशराम, श्रीमती राजवती पत्नी स्व0 श्री केशराम, श्रीमती बबली (विवाहित), श्रीमती पप्पी (विवाहित), श्रीमती मधुवती (विवाहित), श्रीमती लाली (विवाहित), पुत्रीगण स्व0 श्री केशराम, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नौएडा, जिला गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में से श्री संजय कुमार पुत्र स्व0 श्री केशराम, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर उ0प्र0 के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके श्री संजय कुमार पुत्र स्व0 श्री केशराम, निवासी-ग्राम-सैनी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।
प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा-201310
जिला गौतमबुद्ध नगर।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-पाली की प्रस्तापित आबादी में आवंटित आवटन संख्या-पी.ए.एल. 496, भूखण्ड संख्या-127, पाकेट-बी, क्षेत्रफल-240 वर्ग मीटर सर्वश्री करमवीर, उदयवीर, बलेश्वर, राजवीर, सुन्दर पुत्रगण श्री ओमी, श्री किन्टी निवासी ग्राम पाली, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में आवंटित किया गया था। सह आवंटी सर्वश्री सुन्दर, बलेश्वर, राजवीर पुत्रगण श्री किन्टी की मृत्यु के उपरात इनके वारिसान श्री प्रमोद भाटी पुत्र स्व0 श्री सुन्तर व श्री विनोद पुत्र स्व0 श्री बलेश्वर, श्रीमती रमेशरी पत्नी स्व0 श्री सुन्तर, श्रीमती रिंकी (विवाहित), श्रीमती पिंकी भाटी (विवाहित) पुत्रीगण स्व0 श्री सुन्तर व श्री राहुल पुत्री स्व0 श्री बलेश्वर, श्रीमती रामकली पत्नी स्व0 श्री बलेश्वर, श्रीमती सविता (विवाहित), श्रीमती ललिता (विवाहित), श्रीमती सोनम (विवाहित) पुत्रीगण स्व0 श्री बलेश्वर, निवासी-ग्राम-पाली, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 व श्री शीशपाल भाटी पुत्र स्व0 श्री राजवीर, सर्वश्री दीपक शर्मा, सिम्मी भाटी पुत्रगण स्व0 श्री राजवीर, श्रीमती शीला देवी पत्नी स्व0 श्री राजवीर, श्रीमती उषा रानी पुत्री स्व0 श्री राजवीर, निवासी-मकान नं0-38, बडा चौक, मंडावली फजलपुर, दिल्ली में से श्री प्रमोद भाटी पुत्र स्व0 श्री सुन्तर व श्री विनोद पुत्र स्व0 श्री बलेश्वर, निवासी-ग्राम-पाली, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 व श्री शीशपाल भाटी पुत्र स्व0 श्री राजवीर निवासी मकान नं0-36, बडा चौक, मंडावली फजलपुर, दिल्ली के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अत इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करे, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो मे इनके श्री प्रमोद भाटी पुत्र स्व0 श्री सुन्तर व श्री विनोद पुत्र स्व0 श्री बलेश्वर, निवासी-ग्राम-पाली, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 व श्री शीशपाल भाटी पुत्र स्व0 श्री राजवीर निवासी मकान नं0-36, बडा चौक, मंडावली फजलपुर, दिल्ली के पक्ष में सह आवटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।
प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 1 मार्च 2024

*संस्थापक-सम्पादक* : स्व. मायाराम सुरजन

# जान बचाने वाले को बुलडोजर का इनाम

गरीबों पर अन्याय का चाबुक और न्याय के नाम पर बुलडोजर भाजपा के शासनकाल की खासियत बन चुकी है। इसकी ताजा मिसाल दिल्ली से सामने आई है, जहां दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी डीडीए ने अतिक्रमण हटाने के लिए कुछ गरीबों के घरों को बुलडोजर से रौंद दिया है। इन घरों में एक घर वकील हसन का भी है, जो चार महीने पहले सिलक्यारा सुरंग में मजदूरों को बचाने के कारण स्टार बन चुके थे, लेकिन फिलहाल वे सड़कों पर फाकाकशी को मजबूर कर दिए गए हैं। याद दिला दें कि 12 नवंबर को उत्तराखंड के सिलक्यारा में बन रही सुरंग का एक हिस्सा धंस गया था, जिसमें 41 मजदूर फंस गए थे। इन मजदूरों को निकालने के लिए विदेशों से मशीन मंगाने से लेकर सुरंग के मुंह पर मंदिर बनाने तक सारे जतन किए गए थे, लेकिन आखिरकार मजदूरों को बचाने का काम रैट माइनर्स ने किया था। चूहों की तरह जमीन खोदने की तकनीक पर रैट माइनर्स ने 21 घंटों तक बिना रुके 10-12 मीटर गहराई तक जमीन को हाथों से खोदा, मलबे को निकाला और तब जाकर 17 दिनों बाद 41 मजदूरों की जान बच सकी। अगर रैट माइनर्स अपनी जान जोखिम में डालकर अथक परिश्रम नहीं करते तो कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी। देश पर औद्योगिक हादसे का एक और कलंक लग सकता था। लेकिन रैट माइनर्स ने इन सबसे भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बचा लिया। इन रैट माइनर्स को 41 मजदूरों की जान बचाने के एवज में 50-50 हजार रुपए दिए गए, मजदूरों के बाहर आते ही प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से उनसे बात की, रैट माइनर्स को कुछ दिनों तक मीडिया के जरिए नायक बनाया गया, कुछ नेताओं ने उनके साथ तस्वीरें उतरवाईं ताकि चुनाव में उसका लाभ मिल सके और महीने भर के भीतर न किसी को सिलक्यारा परियोजना में हुई गलतियों की याद रही न उस गलती में जिंदगियों को बचाने वालों की। शायद इसलिए नियमों और कानूनों का हवाला देते हुए गरीबों के घर पर बुलडोजर चलाने वाले डीडीए ने वकील हसन के घर पर बुलडोजर चलाने में झिझक नहीं दिखाई।

डीडीए का अतिक्रमण विरोधी ताजा अभियान खजूरीखास इलाके में चला है। प्राधिकरण का कहना है कि वहां घर अवैध तरीके से बने हुए थे और इनमें अनियमितताएं थीं। यह सही है कि प्राधिकरण को शहर की संरचनात्मक व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध निर्माण की समस्या से अक्सर जूझना पड़ता है। कहीं राजनैतिक दखल, कहीं धार्मिक मुद्दा बनाकर मनमाने निर्माण कार्य होते हैं। जनसंख्या के बढ़ते दबाव और शहर नियोजन में कमियों के कारण भी व्यवस्था बिगड़ती है। इसमें सख्ती से निपटने से ही खामियों को दुरुस्त किया जा सकता है। लेकिन क्या बरसों की खामियां महज बुलडोजर चलाने से दूर हो सकती है, यह विचारणीय है। गरीब अगर किसी अनाधिकृत जगह पर अपनी झुग्गी बसाते हैं, तो वह मजबूरी में ऐसा करते हैं, क्योंकि सरकार उनके लिए मकान जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने में असफल रहती है, जबकि अमीर अक्सर अपनी संपत्ति और संपर्कों का रौब दिखाकर जरूरत से ज्यादा जगह घेर लेते हैं। उनके अवैध निर्माण को अगर गिरा भी दिया जाए, तो उनके सामने बेघर होने का संकट नहीं होता। लेकिन गरीब की झुग्गी अगर तोड़ी जाए, तो उसके पास छत के नाम पर आसमान ही रह जाता है, जो सरासर जीने के संविधान प्रदत्त अधिकार का उल्लंघन है। इसलिए एक अहम सवाल यह भी है कि क्या सरकार की गलती की सजा गरीबों को दी जानी चाहिए। उनके अवैध निर्माण को तोड़ने से पहले उनके लिए घर का इंतजाम नहीं होना चाहिए।

चूंकि इस बार बुलडोजर का शिकार वकील हसन हुए हैं, इसलिए यह मामला सुर्खियों में आया और भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने यह आश्वासन दिया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान दिया जाएगा। लेकिन क्या भाजपा इस सवाल का जवाब देगी कि वकील हसन के घर बुलडोजर चलाने के अलावा उनके परिवार को थाने ले जाकर किस जुर्म की सजा दी गई। वकील हसन ने बताया है कि उनकी पत्नी और बच्चों को थाने ले जाया गया, उनके बेटे को पुलिस ने मारा भी। वकील हसन की पत्नी ने भी कहा कि उन्हें घर का सामान हटाने नहीं दिया गया, बच्चों के परीक्षा परिणाम जैसे जरूरी कागजात तक साथ ले जाने की मोहलत नहीं दी गई। उन्होंने मोदी सरकार के सबका साथ, सबका विकास नारे का जिक्र करते हुए कहा कि मेरे पति तो हीरो थे उत्तरकाशी के, 41 लोगों की जान बचाई थी उन्होंने, सब उन्हें सम्मान दे रहे थे। आज उस सम्मान के बदले मेरा मकान ले लिया!

मोदी सरकार वकील हसन और उनके परिवार पर हुए इस अत्याचार को कानून की आड़ में किस तरह जायज ठहराती है, यह देखना होगा। वैसे पिछले कुछ बरसों से कानूनन बुलडोजर चलाने के अनेक प्रसंग घट चुके हैं। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड ऐसे कई राज्यों में बुलडोजर से ही अब सरकारी हिसाब-किताब बराबर किया जाने लगा है। बुलडोजर अक्सर उन्हीं लोगों के ठिकानों पर चलते हैं, जो या तो अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं, या फिर जो सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की हिमाकत करते हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने कहा था कि कुछ राज्यों में बुलडोजर एक्शन एक फैशन की तरह बन गया है और इस पर कोई दिशा-निर्देश तय होने चाहिए। दो साल पहले जमीयत-उलमा-ए-हिंद ने भी अदालत में बुलडोजर एक्शन को लेकर याचिका दायर की थी। तब जमीयत का पक्ष रखते हुए दुष्यंत दवे ने ही दिल्ली में सैनिक फार्म का जिक्र करते हुए कहा था कि यह पूरा अवैध निर्माण है, लेकिन पिछले 50 सालों में इसे किसी ने छुआ भी नहीं है।

हालांकि ऐसी दलीलों और याचिकाओं का कोई सुफल देखने नहीं मिल रहा है। बुलडोजर को पीले पंजे के तौर पर मीडिया का एक धड़ा प्रचारित कर रहा है और इस पीले पंजे को शासन की शक्ति और इंसाफ का पर्याय बना दिया गया है। नयी संसद में राजदंड रखने और रामलला को घर देने का श्रेय लेने वाले प्रधानमंत्री मोदी क्या वकील हसन जैसे नायकों के बेघर होने पर कोई प्रतिक्रिया देंगे, यह देखना होगा।

# फिनटेक क्रांति में बाधा बनती केंद्र सरकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में फिनटेक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक में सुझाव दिया कि रिजर्व बैंक फिनटेक कंपनियों और स्टार्टअप की चिंताओं को दूर करने के लिए उनके साथ मासिक बैठक करे। फिनटेक कंपनियां ऐसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं, जहां नियमन स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं है। भारत में मौजूदा वित्तीय प्रणाली के कमजोरी को देखते हुए फिनटेक महत्वपूर्ण हो सकते हैं,परंतु केंद्र सरकार की एकाधिकारी प्रवृत्ति से फिनटेक को काफी नुकसान हो रहा है।

इस संपूर्ण मामले को समझने के लिए आवश्यक है कि यह जानें कि आखिर 'फिनटेक' किसे कहते हैं? फिनटेक 'फाइनेंशियल टेक्नालॉजी' का संक्षिप्त रूप है। वित्तीय कार्यों में प्रोद्योगिकी के उपयोग को फिनटेक कहा जा सकता है। दूसरे शब्दों में, यह पारंपरिक वित्तीय सेवाओं और विभिन्न कंपनियों तथा व्यापार में वित्तीय पहलुओं के प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का क्रियान्वयन है। फिनटेक शब्द का प्रयोग उन नई तकनीकों के संदर्भ में किया जाता है,जिनके माध्यम से वित्तीय सेवाओं में सुधार और स्वायत्तता लाने का प्रयास किया जाता है। डिजिटल पेमेंट, डिजिटल ऋण,बैंक टेक, इंश्योर टेक, क्रिप्टोकरेंसी आदि फिनटेक के कुछ प्रमुख घटक हैं। हालांकि वर्तमान में फिनटेक के तहत कई अलग-अलग क्षेत्र और उद्योग जैसे -शिक्षा, खुदरा बैंकिंग, निधि जुटाना और गैर लाभकारी कार्य, निवेश प्रबंधन आदि भी शामिल किये जाते हैं।

'वित्त' का काम जोखिम और समय से बेहतर तरीके से निपटने के लिए वास्तविक अर्थव्यवस्था की मदद करना है। भारत में वित्त सही रहे,इसके लिए आवश्यकता इस बात की है कि भौगोलिक और वर्ग की विविधता के साथ रहने वाले लोगों के जीवन को सही बनाने के लिए उत्पादों और प्रक्रियाओं पर जोखिम उठाया जाए और नवाचार किया जाए। यह उस वित्तीय आर्थिक नीति को खारिज करता है, जहां सरकार और उसकी एजेंसियां उत्पादों और प्रक्रियाओं पर विस्तृत नियंत्रण के साथ एक केंद्रीय नियोजन प्रणाली चलाती हैं। फिनटेक क्षेत्र में नियामकों को एक बारीक संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता होती है और कोशिश होनी चाहिए कि बिना वित्तीय स्थिरता के लक्ष्य से समझौता किए नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके। करीब 140 करोड़ की आबादी वाले देश में फिनटेक क्रांति वित्तीय समावेशन का महत्वपूर्ण अंग बन सकती है, लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि इस क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहन मिले। नवाचार के माध्यम से ही अत्यंत विविधता वाले अपने देश में वित्तीय प्रणाली को टेक्नालॉजी से जोड़कर आम जन तक पहुंचाया जा सकता है। मौजूदा वित्तीय प्रणाली इसकी विविधता के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है। वित्तीय आर्थिक नीति एक केंद्रीय नियोजन प्रणाली के रूप में तैयार की जाती है। उत्पादों, प्रक्रियाओं और सरकार नियंत्रित एकाधिकार ऊपर से थोपा जाता है। इसके बाद विशिष्ट भारतीय शैली के केवाईसी और मनी लॉन्ड्रिंग कानूनों से भी फिनटेक क्षेत्र में नवाचार की गुंजाइश घटती जा रही है। यह सही है कि नियामक भी फिनटेक कारोबार तथा उनसे उत्पन्न होने वाले खतरों को समझने की प्रक्रिया में हैं। हालांकि नियामक अभी फिनटेक अंशधारकों के साथ नियमित संवाद करता है, लेकिन एक औपचारिक व्यवस्था बन जाने से दोनों पक्षों को लाभ होगा। वित्त मंत्री ने वित्तीय सेवा विभाग से कहा है कि वे फिनटेक और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ एक दिन की कार्यशाला का आयोजन करे, जहां वे अपनी चिंताएं सामने रख सकती हैं। परंतु सरकार के ये प्रयत्न मूलत: खानापूरी वाली बात है। वास्तव में नियामक और सरकार दोनों अगर फिनटेक की चिंताओं को सुनकर नवाचार को बढ़ाने देने के लिए आवश्यक जरूरी समायोजन करें,तो बेहतर होगा। परंतु वर्तमान में इस संदर्भ में भी सरकार के कथनी और करनी में अंतर को देखा जा सकता है। सरकार ने केंद्रीय वित्त सचिव टी वी सोमनाथन के अधीन एक विशेषज्ञ समिति गठित की है, ताकि 'अपने ग्राहकों को जाने (केवाईसी)' मानकों को एकरूप बनाया जा सके। लेकिन सवाल उठता है कि आखिर केवाईसी मानक एक क्यों हों? विविधता और नवाचार के लिए इसमें भी अलग-अलग स्वरूपों को क्यों नहीं स्वीकार किया जा सकता? क्या इस कमिटी में सरकार ने फिनटेक व नवाचार वाले अन्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों को स्थान दिया? सरकार अगर विभिन्न क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देती और समाधान का प्रयास करती, तो रास्ता निकलता, लेकिन कमिटी के उद्देश्य से ही स्पष्ट है कि नीति निर्माता केंद्रीयकृत व्यवस्था की सोच से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। ग्राहकों को जानने के मानकों में सुधार जरूर होना चाहिए,जिससे वित्तीय सेवा कंपनियों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। परंतु इसके लिए इसके मानकों को ऐसा होना चाहिए, जो विविधताओं से सामंजस्य स्थापित कर सके।



राहुल लाल

> 'वित्त' का काम जोखिम और समय से बेहतर तरीके से निपटने के लिए वास्तविक अर्थव्यवस्था की मदद करना है। भारत में वित्त सही रहे,इसके लिए आवश्यकता इस बात की है कि भौगोलिक और वर्ग की विविधता के साथ रहने वाले लोगों के जीवन को सही बनाने के लिए उत्पादों और प्रक्रियाओं पर जोखिम उठाया जाए और नवाचार किया जाए।

जब केंद्रीय प्रसंस्करण ईकाइयां सस्ती हो गई और इंटरनेट कनेक्टिविटी का प्रसार हुआ तो 'फिनटेक क्रांति' को लेकर काफी उम्मीदें कायम हो गई। ऐसी सोच थी कि बैंकों का काफी कामकाज नए तरह की टेक्नालॉजी आधारित फर्मों से किया जा सकता है। इन नए फर्मों से उनका कामकाज बेहतर तरीके से हो पाएगा और देश में बैंकिंग का दायरा थोड़ा सिकुड़ता जाएगा। उदाहरण के लिए गूगल जैसी टेक्नालॉजी दिग्गज आसानी से भुगतान कार्य कर सकते हैं, एक ऐसा कारोबार जो कभी बैंकों का आधार था।

भारत के संदर्भ में फिनटेक क्रांति दो दृष्टिकोण से काफी बेहतर है। प्रथम- बैंकिंग भारत में प्रणालीगत जोखिम का स्रोत रहा है और छोटी बैंकिंग प्रणाली स्थिरता को बढ़ाती है। दूसरा—मौजूदा बैंक नवाचार और ग्राहक सेवा के मामलों में कमजोर हैं। ऐसे में फिनटेक टेक्नालॉजी और नवाचार के माध्यम से हमारे अर्थव्यवस्था के आधार बन सकते हैं। हमारे नीति निर्माताओं ने पिछले 10 वर्षों में केंद्रीय नियोजन प्रणाली का चयन कर फिनटेक को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में भाग नहीं लेने दिया। नीति नियंता चाहते हैं कि 'फिनटेक कंपनियां' बैंकों की सेवा प्रदाता बनकर ही रहें। भारतीय बैंकिंग के अफसरशाही चरित्र और बैंकिंग में उत्पादों एवं प्रक्रियाओं पर सरकारी नियंत्रण की वजह से भारत में बैंक संरचनात्मक रूप से खोज की प्रक्रिया में जुड़ने में अक्षम ही हैं। भारतीय गैर बैंकिंग कंपनियां समय और जोखिम की ऐसी समस्याओं को समाधान करने में बेहतर तरीके से उभरी हैं। यहां नए फिनटेक कंपनियों की भूमिका हो सकती थी। परंतु एनबीएफसी के फंडिंग समस्याओं से फिनटेक भी प्रभावित हुआ। भारतीय बॉन्ड बाजार की सीमाएं एनबीएफसी के वित्त पोषण के रास्ते में अड़चन हैं। आमतौर पर नीति नियंताओं ने एनबीएफसी की कीमत पर बैंकों को प्रोत्साहन दिया है।

वर्तमान में देश में सक्रिय 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों' के अस्तित्व के लिए पूंजी का अभाव सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। ऐसे में एमएसएमई क्षेत्र में फिनटेक की भूमिका क्रांतिकारी हो सकती थी,जो उनके पूंजी की कमी को दूर कर सकती थी। कई फिनटेक स्टार्टअप द्वारा आसान और त्वरित ऋण उपलब्ध कराए जाने पर लघु उद्योगों को बैंकिंग जटिलताओं से मुक्ति मिल सकती है। परंतु वर्तमान में फिनटेक ही पूंजी की समस्या से ग्रस्त है।

क्या फिनटेक कंपनियों ने रिजर्व बैंक के समक्ष चुनौती उत्पन्न की है? यह चुनौती मूलत: बदलते टेक्नालॉजी के साथ स्वाभाविक है। कुछ फिनटेक कंपनियों ने यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस की मदद से भुगतान को सुगम बनाया है। वहीं बड़ी संख्या में ऐसी कंपनियां बैकों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से ऋण को सुगम बना रही है। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता ऋण बहुत बढ़ गया। इस संदर्भ में रिजर्व बैंक ने गत नवंबर में उपभोक्ता ऋण का जोखिम भार बढ़ा दिया। इसके पीछे विचार था असुरक्षित ऋण वृद्धि की गति को धीमा करना। अब समय आ गया है कि नियामक भी अपने कार्यशैली में समयानुसार परिवतर्न लाएं। उनके नियंत्रण शैली में केंद्रीयकरण न हो तथा नवाचार का प्रयोग उन्हें भी करने की जरूरत है।

रिजर्व बैंक ने एल्गोरिदम आधारित ऋण में इजाफे को लेकर भी चिंता जताई है। अगर बिना समुचित जांच-परख के उपभोक्ता ऋण बढ़ाता है, तो इससे बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों दोनों को दिक्कत हो सकती है। यह देखा गया है कि कुछ उपभोक्ता एक से अधिक प्लेटफार्म से ऋण लेने में सक्षम हैं। हालांकि यह संभव है कि फिनटेक उन उपभोक्ताओं तक पहुंच रही हों, जो औपचारिक ऋण बाजार से बाहर हैं, लेकिन फिर भी तब तक सावधानी बरतना आवश्यक है जब तक कि इस पूरी प्रणाली और संभावित निष्कर्षों को अच्छी तरह समझ नहीं लिया जाता है। नवाचार और वृद्धि अनुमानों में संतुलन होना चाहिए, जिससे वित्तीय स्थिरता को मजबूती मिल सके। वित्त सभी उद्यमों में सबसे अहम है। यह अर्थव्यवस्था का मस्तिष्क है। फिनटेक क्रांति भारत के लिए काफी कुछ कर सकती है। लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि वित्तीय आर्थिक नीति की मौजूदा केंद्रीकृत व्यवस्था में बदलाव किया जाए।

**( लेखक वरिष्ठ पत्रकार व आर्थिक मामलों के जानकार हैं )**

# भारत में गरीबी के 5 प्रतिशत से नीचे चले जाने का दावा गलत

■ डॉ. ज्ञान पाठक

नेशन सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) द्वारा घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस- 2022-23) के प्रकाशन के ठीक बाद, पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लोकसभा चुनाव 2024 की पूर्व संध्या पर गरीबी पर राजनीति शुरू कर दी गई है। सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी. वी. आर सुब्रमण्यम ने दावा किया है कि देश में गरीबी 5 प्रतिशत से नीचे आ गई है, खुदरा मुद्रास्फीति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है, तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कमजोर होने और भारत का 'कुछ लोगों तक ही सीमित' होने की बात गलत है।

जो लोग एचसीईएस के विवरण के बारे में नहीं जानते, उन्हें कभी पता नहीं चलेगा कि बीवीआर सुब्रमण्यम आखिर कह क्या रहे हैं। वह कह रहे हैं कि गरीब लोग वे हैं जो प्रति दिन 32 रुपये से कम कमाते हैं, और ऐसे लोगों का प्रतिशत 5 से भी कम होने की उम्मीद है। गरीबी रेखा के इस बेतुकी स्तर आलोचना पहले ही 2011-12 में हो चुकी है, और उस समय अधिकांश लोगों ने इसे खारिज कर दिया था, जब तत्कालीन योजना आयोग 32 रुपये प्रति दिन की कमाई पर गरीबी रेखा का विचार लेकर आया था। अब एक दशक बाद एक शीर्ष सरकारी अधिकारी का 32 रुपये की गरीबी रेखा पर आधारित तर्क दोगुना बेतुका है। यह तर्क देने के लिए उन्होंने हाल के 2022-23 सर्वेक्षण को आधार बनाया।

इस दावे का उद्देश्य आगामी लोक सभा आम चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मदद करना है, जब वह और भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल के लिए प्रयास कर रहे होंगे, और वे मोदी राज में वृद्धि और विकास की कथा को आगे बढ़ा रहे होंगे। अधिकारी ने आगे कहा, 'अगर हम प्रतिदिन 32 रुपये पर जायें, जो कि 2011-12 की अंतिम स्वीकृत गरीबी रेखा थी, और तब से मुद्रास्फीति के रुझान को ध्यान में रखते हुए उस स्तर को दोगुना कर लगभग 60 रुपये प्रतिदिन कर दिया जाए, तो आप देखेंगे गरीबी 10 प्रतिशत से कम है।' इसका मतलब है कि शीर्ष अधिकारी अपने पहले के दावे का खंडन करते हैं कि गरीबी रेखा 5 प्रतिशत से नीचे चली गई है, जो 2011-12 की कीमतों पर थी, लेकिन मौजूदा कीमतों पर यह 10 प्रतिशत से नीचे होगी।

> कल्याणकारी योजनाओं के तहत आपूर्ति की गई मुफ्त राशि के आधार पर गरीबी के स्तर को नकारना महज कुतर्क होगा, क्योंकि यह सिर्फ गरीबी को थोड़ा सहनीय बनाता है, लेकिन कमाई के स्तर को बढ़ाकर गरीबी को खत्म नहीं करता है। यह सिर्फ मुफ्तखोरी और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उपभोग स्तर को बढ़ाने की राजनीति है, केवल यह दावा करने के लिए कि गरीबी कम हो गई है, जो वास्तव में बेकारी और कम कमाई के स्तर के कारण बदतर होती जा रही है।

अब आइए एचसीईएस के अनुसार 2022-23 में विभिन्न वर्गों में मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (एमपीसीई) औसत पर आते हैं। श्री सुब्रमण्यम ने स्वयं नोट किया कि निचले 5 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के लिए औसत उपभोग स्तर 1373 रुपये था, जबकि अगले 5 प्रतिशत के लिए यह 1782 रुपये था। कोई कल्पना ही कर सकता है कि यदि कोई व्यक्ति 1373 रुपये या 1782 रुपये प्रति माह पर भी जीवनयापन करता है तो वह गरीब कैसे नहीं है।

हाल ही में नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक ने 11 फीसदी लोगों को गरीबी रेखा के नीचे रखा था, पीएम मोदी ने दावा किया था कि उनके शासन में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि पीएमजीकेएवाई के तहत 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त अनाज दिया जाता है, जबकि सरकार को खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत अनुमानित 81.4 करोड़ गरीबों में से 1.4 करोड़ गरीबों की पहचान करना बाकी है। इसमें प्रवेश करने वाले और बाहर जाने वाले गरीबों की संख्या एक पहेली बनी हुई है।

अब हम एचसीईएस 2022-23 परिणाम पर आते हैं। सर्वेक्षण पद्धति में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया। एचसीईएस 2011-12 में 347 आइटम थे, जबकि 2022-23 में कई नए आइटम जोड़े और कई हटा दिए गये। वर्तमान सर्वेक्षण में कुल मिलाकर 405 आइटम थे। एक प्रश्नावली के स्थान पर तीन प्रश्नावली का प्रयोग किया गया - 1. खाद्य पदार्थों पर 2. उपभोग्य सामग्रियों एवं सेवाओं की वस्तुओं पर, और 3. टिकाऊ वस्तुओं पर। इसके अतिरिक्त, घरेलू विशेषताओं के साथ-साथ घरों के सदस्यों के जनसांख्यिकीय विवरण पर जानकारी एकत्र करने के लिए एक और प्रश्नावली थी। डेटा संग्रह का तरीका पेन-एंड-पेपर पर्सनल इंटरव्यू (पीएपीआई) से बदलकर कंप्यूटर-असिस्टेडपर्सनल इंटरव्यू (सीएपीआई) कर दिया गया। सर्वेक्षण स्वयं चेतावनी देता है कि पिछले सर्वेक्षणों के साथ एचसीईएस 2022-23 के परिणामों की तुलना करते समय इन परिवर्तनों पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

एमपीसीई के अनुमान, जिसके आधार पर श्री सुब्रमण्यम ने तर्क दिया है, में विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से परिवारों द्वारा मुफ्त में प्राप्त और उपभोग की जाने वाली कई वस्तुओं की खपत की मात्रा पर जानकारी एकत्र करने के लिए एक अलग अतिरिक्त प्रावधान भी है। नतीजतन, मुफ्त खाद्य पदार्थों और मुफ्त गैर-खाद्य वस्तुओं जैसे लैपटॉप, पीसी, टैबलेट, मोबाइल हैंडसेट, साइकिल, कपड़े, जूते (स्कूल जूते) आदि के मूल्य आंकड़े 'उचित विधि' का उपयोग करके जोड़ दिये गये हैं।

इसलिए यह स्पष्ट है कि एचसीईएस 2022-23 डेटा पहले के डेटा से अलग है जिसे स्पष्ट रूप से समझने की आवश्यकता है अन्यथा यह हमें लोगों की वास्तविक कमाई और उनकी गरीबी के बारे में गलत निष्कर्ष पर पहुंचा देगा।

2022-23 में औसत अनुमानित एमपीसीई ग्रामीण भारत में 3,773 रुपए शहरी भारत में 6,459 रुपये है। ग्रामीण लोग भोजन पर 46 प्रतिशत और गैर-खाद्य पर 54 प्रतिशत खर्च करते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह क्रमश: 39 प्रतिशत और 61 प्रतिशत है। एमपीसीई द्वारा रैंक किये गये भारत की ग्रामीण आबादी के निचले 5 प्रतिशत का औसत एमपीसीई 1,373 रुपयेहै, जबकि यह शहरी क्षेत्रों में समान श्रेणी की जनसंख्या के लिए 2,001 रुपये। एमपीसीई द्वारा रैंक किए गए भारत की ग्रामीण और शहरी आबादी के शीर्ष 5 प्रतिशत का औसत एमपीसीई क्रमश: 10,501 रुपए और 20,824 रुपये है। यह अंतर बहुत गहरा है जो मोदी शासन में असमानता को दर्शाता है।

2022-23 के आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की खपत का स्तर 3773 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6459 रुपये है। यह स्तर दर्शाता है कि औसत लोग अपनी कम कमाई के कारण बड़ी कठिनाई में हैं।

2022-23 में औसत एमपीसीई में ग्रामीण क्षेत्रों में अनाज की हिस्सेदारी 4.91 प्रतिशत और खाद्य पदार्थों की 46.38 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में ये क्रमश: 3.64 और 39.17 प्रतिशत हैं। यह जानकर निराशा हो सकती है कि लगभग 50प्रतिशत ग्रामीण आबादी का औसत एमपीसीई 3,094 रुपये से कम है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 4,963 रुपये है। ग्रामीण क्षेत्रों में शीर्ष तीन फ्रैक्टाइल 80-90 प्रतिशत, 90-95 प्रतिशत और 95-100 प्रतिशत का औसत एमपीसीई क्रमश: 5356 रुपये, 6638 रुपये और 10,501 रुपये था, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 9,582 रुपये, 12,399 रुपये और 20,824 रुपये था।

सबसे कम उपभोग व्यय में फिर से असमानता देखी गई है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में 0-5 प्रतिशत सबसे कम फ्रैक्टाइल में 1373 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 95-100 प्रतिशत उच्चतम फ्रैक्टाइल में 20,824 रुपये प्रति माह है। ऐसी असमानता स्वीकार्य नहीं है, भले ही हम ग्रामीण और शहरी उच्चतम और निम्नतम फ्रैक्टाइल की अलग-अलग तुलना करें।

अनुसूचित जनजाति (एसटी) का औसत एमपीसीई ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे कम 3,016 रुपये है, जबकि एससी के लिए यह 3,474 रुपये, ओबीसी के लिए 3,848 रुपये और अन्य के लिए 4,392 रुपये है। शहरी क्षेत्रों में सबसे कम एमपीसीईएससी के लिए 5,307 रुपये है, जबकि एसटी के लिए 5,414 रुपये, ओबीसी के लिए 6,177 रुपये और अन्य के लिए 7,333 रुपये है।

एमपीसीई के अनुमान के अनुसार, 2022-23 में मुफ्त वस्तुओं के अनुमानित मूल्यों के साथ औसत अनुमानित एमपीसीई3,860रुपए ग्रामीण भारत में और शहरी भारत में 6,521 रुपये था। एमपीसीई द्वारा रैंक किए गये भारत की ग्रामीण आबादी के निचले 5 प्रतिशत का औसत एमपीसीई1,441 रुपये तथा शहरी क्षेत्रों में 2,087 रुपये था। एमपीसीई द्वारा रैंक किए गए भारत की ग्रामीण और शहरी आबादी के शीर्ष 5 प्रतिशत का औसत एमपीसीई क्रमश: 10,581 और 20,846 रुपये था।

कल्याणकारी योजनाओं के तहत आपूर्ति की गई मुफ्त राशि के आधार पर गरीबी के स्तर को नकारना महज कुतर्क होगा, क्योंकि यह सिर्फ गरीबी को थोड़ा सहनीय बनाता है, लेकिन कमाई के स्तर को बढ़ाकर गरीबी को खत्म नहीं करता है। यह सिर्फ मुफ्तखोरी और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उपभोग स्तर को बढ़ाने की राजनीति है, केवल यह दावा करने के लिए कि गरीबी कम हो गई है, जो वास्तव में बेकारी और कम कमाई के स्तर के कारण बदतर होती जा रही है। बढ़ती कीमतों ने पहले से ही जीवनयापन की लागत का संकट पैदा कर दिया है।

## पावन प्रसंग

### श्रेष्ठतम आध्यात्मिक मार्ग है- योग साधना

योग आध्यात्म जगत का सर्वोत्कृष्ट विज्ञान है। यह स्वयं साध्य और साधन दोनों है। इसे मनुष्य जीवन का चरम लक्ष्य भी कहा गया है व इस लक्ष्य प्राप्ति का श्रेष्ठतम सरलतम मार्ग भी। इस प्राचीनतम विधा के मर्मज्ञों विशेषज्ञों की दृष्टि में योग से श्रेष्ठतम अन्य कोई दूसरा मार्ग नहीं है। ऋषिप्रणीत विज्ञान के रूप में योग और इसकी विभिन्न प्रणालियों, परंपराओं का मुख्य ध्येय यही है कि इसके माध्यम से मानवीय संभवानाओं को जाग्रत कर मनुष्यमात्र के जीवन को समग्रता और सार्थकता प्रदान की जा सके।

योगविद्या भारतभूमि की अणूल्य विरासत है। प्राचीनकाल से लेकर अब तक इस देवभूमि पर तपस्वियों, ऋषियों, योगियों, साधकों ने अपने साधना तप पुरुषार्थ से योग की पुनीत परंपराओं को जाग्रत व पुष्ट बनाए रखा है। इसी धरा ने समूचे विश्व के समक्ष आत्मानुसंधान की प्रणाली के रूप में इस जीवन विज्ञान का अनावरण किया है। भारतीय जीवन सिद्धांतों में योग का मार्ग शाश्वत और सनातन है। इस पर चलने वालों के लिए यह साधना पथ सदैव ही परम कल्याणकारी रहा है। जिन्होंने इसके मर्म एवं महत्व को जाना समझा है, उन्होंने इस मार्ग पर चलकर तपकर साधक सिद्ध और योगी के रूप में विश्व मानवता के जीवन पथ को आदिकाल से प्रकाशित एवं गतिमान बनाए रखने का कार्य किया है। विगत कुछ दशकों में योग को लेकर भारत ही नहीं अपितु समूचे विश्व में एक नई क्रांति और जाग्रति का वातावरण बना है। शिक्षा, चिकित्सा और समाज कल्याण से जुड़े संस्था-संस्थानों में प्राथमिकता से योग के शिक्षण और प्रशिक्षण प्रचार प्रसार, शोध-साधना आदि के कार्य संचालित किए जा रहे हैं। योग को लेकर अनेक स्वतंत्र संस्थान व संस्थाएं भी स्थापित हो चुके हैं जो राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग के विस्तार को गति दे रहे हैं।

इक्कसवीं सदी में योग के प्रति उत्तरोत्तर बढ़ते आकर्षण और रुचि को देखते हुए यदि इसे योगक्रांति की सदी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। अब योग केवल साधना मार्ग वालों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि चिकित्सा, कैरियर, व्यवसाय प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सौंदर्य आदि अनेक क्षेत्रों में इसका विस्तार स्पष्टता से देखा जा सकता है। जीवन विद्या की सर्वोत्कृष्ट प्रणाली के रूप में प्राचीनकाल से चली आ रही योगविद्या का आधुनिक युग में इतना बहुआयामी विस्तार और विकास अत्यन्त गर्व की अनुभूति कराने वाला है, लेकिन योग के ऐसे आधुनिक विस्तार के साथ इस पुनीत प्राचीन परंपरा में कुछ विसंगतियां भी दिखाई जेने लगी है, जो हम सभी के लिए चिंता का विषय है। यह सर्वप्रत्यक्ष है कि हमारी आधुनिक सभ्यता पर किस तरह भोगवाद की प्रवृत्ति हावी है। व्यक्ति स्वयं को केंद्र में रखकर संसार की हरेक चीज को सुख-संसाधन और उपभोग की वस्तु बनाने पर आतुर है। ऐसी प्रवृत्ति ग्रस्त समाज में एक बहुत बड़ा वर्ग है, जो योग को भी व्यावसायिकता का एक नया क्षेत्र समझता है। यह साधना मार्ग कदापि नहीं है, सिर्फ लौकिक जीवन के लिए सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य का एक किफायती साधन मात्र है। अन्य सामानों की तरह योग की भी दुकानें सजने लगी हैं। देश-दुनिया के शहर, कस्बों, गांवों तक में योगाभ्यास करते देखे जा सकते हैं। योग की इस आधुनिक शिक्षा-प्रक्रिया में इस चैतन्य सिद्ध होती है, लेकिन वर्तमान में योग शिक्षा की यही सच्चाई पहचान बनते जा रही है।

योग विज्ञान की व्यापकता में इसके भौतिक व लौकिक लाभों को नकारा नहीं जा सकता है, परंतु यहीं तक इसको सीमित कर जीवन निर्माण, परिष्कार व आत्मोत्कर्ष जैसे उच्चस्तरीय प्रयोजन में इसका उपयोग न करना सर्वथा अनुचित और दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाना चाहिए। आज व्यक्ति और समाज का जीवन मूल्यहीनता और चारित्रिक दोषों, संकीर्णताओं से त्रस्त है व समाधान पाने को व्याकुल भी। इस समाधान हेतु एकमात्र योगमार्ग ही सार्थक उपाय है, लेकिन इसे भी हम व्यावसायिक पूर्ति और भौतिक लाभों में ही आबद्ध कर देंगे तो फिर जीवन के आंतरिक और मूल्यात्मक क्षेत्र में फैली समस्याओं और चुनौतियों के समाधान का उपाय कहां खोजने जाएंगे? अत: योगशिक्षा के किसी भी स्तर के पाठ्यक्रम अथवा प्रकल्प का सरोकार व्यक्ति के अतिरिक्त परिष्कार और आत्मविकास में अवश्य होना चाहिए।

**अखंड ज्योति**

## आपके पत्र

### शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तनकारी दौर

सदियों से यह माना गया है कि शिक्षा के बिना मनुष्य पशु के समान है. मानव सभ्यता का अस्तित्व शिक्षा से ही जुड़ा हुआ है। हमारी सभ्यता व संस्कृति का विकास भी मानव की जिज्ञासा, ज्ञान की चाह तथा विभिन्न नवीन कौशलों को जानने की ललक के कारण ही नित्य नवीन खोज, आविष्कार और अनुसंधान आदि का विकास संभव हुआ है। सभी के केंद्र में शिक्षा ही रहा है। आज भारत के नौनिहालों को अच्छी शिक्षा देने-दिलाने की होड़ लगी है। ऐसे में सामान्य शिक्षा भी महंगी होती जा रही है। वर्तमान में नयी शिक्षा नीति के आने से कोई खास असर नहीं दिखाई देता है। दरअसल देश में ही विभिन्न राज्यों के बीच शिक्षा की स्थिति अलग-अलग रही है। केरल में जहां राष्ट्रीय औसत 77.70 प्रतिशत की तुलना में कहीं अधिक 96.2 प्रतिशत साक्षरता की दर है, वहीं बिहार इस मामले में देश का सबसे पिछड़ा 63.8 प्रतिशत की साक्षरता वाला राज्य है।

नीति आयोग की 2020-21 की रिपोर्ट के अनुसार भी बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य है। रिपोर्ट के मुताबिक 115 क्षेत्रों में बिहार को 100 में से मात्र 52 अंक मिले जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे कम है। जिसमें गरीबी, खराब शिक्षा तथा इंटरनेट तक कम पहुंच विकास में बाधक माना जाता है। इस कमी को दूर करने के लिए बिहार सरकार ने बहुआयामी व सर्वांगीण शैक्षिक विकास के लिए कौशल आधारित शिक्षा की ओर अधिक जोड़ दे रही है। जिससे गरीबी के साथ-साथ शैक्षिक विकास में भी बिहार अग्रणी बन सके।

इस संबंध में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के धरफरी उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि बिहार सरकार शिक्षा के सुधार के लिए 22 प्रकार की योजनाएं चला रही है। जिससे सभी वर्गों के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल रहा है। साथ ही शिक्षकों की खोई हुई प्रतिष्ठा भी वापस आ रही है। इस मामले में अभिभावकों की भूमिका भी अहम है। राज्य को शिक्षा के मामले में अव्वल व उत्कृष्ट बनाने के लिए अभिभावकों को चाहिए कि वह अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजें। इस संबंध में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धरफरी की 9वीं की छात्रा गीतांजलि कहती है कि विद्यालय में बहुत बढ़िया पढाई हो रही है। सभी विषयों के शिक्षक समयानुसार आ रहे हैं और विषय भी समय पर पूरी हो रही है। वहीं अभिभावक राकेश कुमार बताते हैं कि पहले हमारे बच्चे सिर्फ हाजिरी लगाने के लिए विद्यालय जाते थे। हम लोगों को उन्हें शिक्षित बनाने के लिए बाहर से कोचिंग देना पड़ता था। लेकिन अब बहुत ही अच्छी पढ़ाई हो रही है।

, शिक्षा की उन्नति के लिए केवल सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि योजनाओं का लाभ लेने के साथ-साथ गरीब, पिछड़े-अगड़े, दलित व महादलित परिवार के लोगों को अपने बच्चों को स्कूल भेजना भी उतना ही आवश्यक है। सुरक्षित शनिवार के दिन यदि शिक्षक अभिभावक संवाद में अभिभावकों की सहभागिता भी सुनिश्चित हो जाए तो शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है। सरकारी अधिकारियों के लिए निरीक्षण-परीक्षण और जांच जितना आवश्यक है, उतना ही ग्रामीण क्षेत्र के समाजसेवी, बुद्धिजीवियों और सजग नागरिकों का विद्यालय भ्रमण भी आवश्यक है। यानि शिक्षित समाज के निर्माण में सभी की समान भागीदारी आवश्यक है।

**फूलदेव पटेल, मुजफ्फरपुर, बिहार**

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव,
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

# देश विदेश

## भूस्खलन में लापता हुए नौ लोग सुरक्षित बचे

**जकार्ता।** इंडोनेशिया के प्रांत दक्षिण सुलावेसी में हाल ही में हुए भीषण भूस्खलन के बाद से लापता नौ लोग गुरुवार को सुरक्षित बचा लिया गया है। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रांतीय राजधानी मकासर से लगभग 340 किलोमीटर दूर लुवु रीजेंसी में सोमवार सुबह हुई भारी बारिश के बाद भूस्खलन हुआ। राहत एवं बचावकर्मियों ने मलबे में से अभी तक पांच शवों को बाहर निकाला है साथ ही 10 लोगों को सुरक्षित निकालने में भी कामयाबी हासिल की है। भूस्खलन के कारण कई वाहन भी मलबे में दब गए।

# प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस में हवाई पट्टी का किया उद्घाटन

### मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े

**नई दिल्ली/पोर्ट लुइस** 29 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मॉरीशस के अगालेगा द्वीप में छह सामुदायिक विकास परियोजनाओं के साथ-साथ नई हवाई पट्टी और सेंट जेम्स जेट्टी का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया और इस बात पर खुशी जाहिर कि कि इन परियोजनाओं से मुख्य भूमि मॉरीशस और अगालेगा के बीच बेहतर कनेक्टिविटी की स्थापित होगी जिससे समुद्री सुरक्षा और मजबूत करेगा और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। श्री मोदी ने वीडियो लिंक से आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर विदेश मंत्री एस जयशंकर, मॉरीशस के मंत्रिमंडल के सदस्य, अगलेगा द्वीप के गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए याद किया कि बीते छह माह में दोनों नेताओं की यह पाँचवीं मुलाकात थी। उन्होंने कहा, भारत और मॉरीशस के बीच जीवंत, मजबूत और अनूठी साझीदारी का प्रमाण है। मॉरीशस हमारी पड़ोसी प्रथम नीति का अहम भागीदार है। हमारे विजन 'सागर' के अंतर्गत मॉरीशस हमारा विशिष्ट सहयोगी है। ग्लोबल साउथ का सदस्य होने के नाते हमारी समान प्राथमिकताएं हैं। पिछले 10 वर्षों में हमारे संबंधों में अभूतपूर्व गति आई है। हमने आपसी सहयोग में नई ऊंचाइयों को हासिल किया है। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को नया स्वरूप दिया है। हमारे लोग पहले से, भाषा और संस्कृति के सुनहरे धागों से जुड़े हैं।

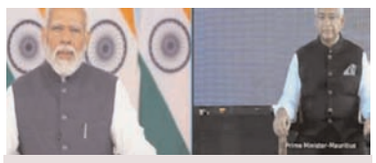

■ विदेश मंत्री एस जयशंकर, मॉरीशस के मंत्रिमंडल के सदस्य, अगलेगा द्वीप के गणमान्य नागरिक भी रहे मौजूद

### भारत-मॉरीशस संबंध 'सागर' सद्भावना का उदाहरण : एस जयशंकर

**नई दिल्ली।** भारत तथा मॉरिशस के लगातार मजबूत होते आपसी रिश्तों के एक और प्रमाण के रूप में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने गुरुवार को संयुक्त रूप से अगालेगा द्वीप पर एक नई हवाई पट्टी और एक जेट्टी का उद्घाटन किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे भारत की सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) सद्भावना का उदाहरण बताया। मॉरीशस को भारत का मूल्यवान मित्र कहते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके समकक्ष प्रविंद जुगनौथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अगालेगा हवाई पट्टी, सेंट जेम्स जेट्टी और द्वीप पर छह अन्य सामुदायिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। यह मुख्य भूमि मॉरीशस और अगालेगा के बीच बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा और आर्थिक-सामाजिक विकास को बढ़ावा देगा।

# होंडुरास में बस टक्कर में 17 लोगों की मौत

**तेगुसीगाल्पा,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी होंडुरास के कोपन विभाग के सैन जुआन डी ओपोआ नगर पालिका में बुधवार को दो बसों की टक्कर में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सशस्त्र बलों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, सैनिक और अग्निशामक इस आपात स्थिति से निपटने और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एक बस अमेरिका की यात्रा करने वाले प्रवासियों को छोड़ने के बाद ओकोटेपेक विभाग के अगुआ कैलिएंटे शहर से लौट रही थी, जबकि दूसरी लेम्पिरा-सांता रोजा मार्ग को कवर कर रही थी। प्रवासियों को उतारने वाली बस के ड्राइवर ने कहा, मैं बस नहीं चला रहा था, मैंने इसे सहायक को सौंप दिया था। उसने ब्रेक मारा और टायर खुल गए। कुछ यात्रियों की गवाही के अनुसार, एक बस इतनी तेज़ थी कि सवारियों में डर था।

### इराक में पांच ड्रग तस्करों को मौत की सजा

**बगदाद।** इराक की एक अदालत ने बुधवार को तीन विदेशियों सहित पांच ड्रग तस्करों को मौत की सजा सुनाई। सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल के मीडिया कार्यालय की ओर से जारी बयान में तीन विदेशियों की राष्ट्रीयता निर्दिष्ट किए बिना कहा गया, केंद्रीय आपराधिक न्यायालय ने पांच ड्रग तस्करों को फांसी देने का आदेश जारी किया, जिन्हें मादक पदार्थ कैप्टागन गोलियों की तस्करी का दोषी ठहराया गया था। बयान में कहा गया है कि दोषी नशीले पदार्थों को पड़ोसी देशों में तस्करी करने से पहले मध्य प्रांत नजफ़ से दक्षिणी प्रांत मुथन्ना तक ले जा रहे थे।

## सुडोकू 6482

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 1 | | 2 | 9 | 5 |
| 7 | | | | 6 | | 4 | | |
| | | | | | 8 | | 6 | |
| | | | | | | 5 | 2 | |
| 1 | | 5 | | | | 6 | | 9 |
| | 4 | 7 | | | | | | |
| | 6 | | 9 | | | | | |
| | | 2 | | 5 | | | | 1 |
| 3 | 9 | 1 | | 8 | | | | |

**: नियम :**

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

**हल आज ही के अंक में**

## वर्ग पहेली 6482

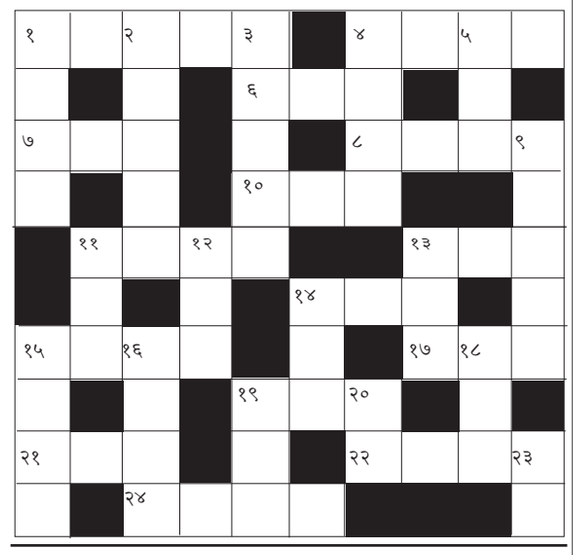

**बायें से दायें:-**

१. खुशामद पसंद
४. छाती, सीनी
६. दूध देने या बोझ ढोने के काम आने वाले पालतू पशु (उर्दू)
७. कर्मचारी, नौकर (उर्दू)
८. इंद्र के बगीचे का एक वृक्ष जो भी मांगो वह देता है
१०. वह जिसे फैसले के लिए हाकिम के पास पेश किया गया हो (उर्दू)
११. परिमाण, मात्रा, मापतौल (उर्दू)
१३. अच्छा, श्रेष्ठ, उत्तम
१४. बगावत
१५. दुर्दशाग्रस्त (उर्दू)
१७. अकस्मात
१९. व्यर्थ, बेकार (उर्दू)
२१. एक प्रकार का वाद्य यंत्र
२२. मसाले और दवा के काम आने वाला एक सुगंधित फल (उर्दू)
२४. मुस्तैदी

**ऊपर से नीचे:-**

१. चमड़े का काम करने वाला, मोची
२. फायदेमंद
३. बुद्धिमान (उर्दू)
४. वश में करने वाला
५. रोका हुआ, कुछ समय के लिए आगे बढ़ाया हुआ, ढाक या छिपा हुआ
९. धन-दौलत
११. भौंरा, भ्रमर
१२. प्रविष्ट (उर्दू)
१३. विवाद, हुज्जत
१४. शादी
१५. वर्षा
१६. वह गाना जो हास्यप्रधान हो
१८. शपथ (उर्दू)
१९. वह जख्म जो कभी न भरे (उर्दू)
२०. मृत्यु, नियति, भाग्य (उर्दू)
२३. शर्म, हया

## दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 1 मार्च, 2024 फाल्गुन कृष्ण पक्ष 6

### राशिफल

मेष - आज आप पर भाग्य मेहरबान रहेगा। दिन भर मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। साथ में प्रवास का और सुरुचिपूर्ण भोजन का भी योग है। कोई खोई हुई वस्तु आज मिलने की संभावना अधिक है।

वृषभ - आज दिनभर आप आनंदित रहेंगे। अपने काम में व्यवस्थित रूप से आप आगे बढ़ पाएंगे और योजना के अनुसार काम भी कर सकेंगे। अधूरे कामों सफलतापूर्वक पूरा कर पाएंगे। कार्यालय में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन - आज आपको संतान और जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद या चर्चा में न पड़ें। मित्रों के कारण खर्च हो सकता है। नुकसान की भी आशंका बनी रहेगी। आपकी प्रतिष्ठा को कलंक लग सकता है।

कर्क - आज आप संभलकर चलें। शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक प्रसन्नता बनाए रखने में आज कष्ट का अनुभव होगा। छाती में पीड़ा अथवा अन्य विकार से भी कष्ट की अनुभूति होगी।

सिंह - आज तन-मन से स्वस्थ और खुश रहेंगे। पड़ोसी और भाई-बंधुओं के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। निर्धारित काम समय पर पूरे होंगे। छोटी यात्रा होगी। भाग्यवृद्धि का अवसर मिलेगा। विरोधियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे।

कन्या - किसी बात को लेकर मन उलझन में रहेगा। नकारात्मक विचारों से मानसिक अस्वस्थता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ गलतफहमी या मनमुटाव होगा। अनावश्यक खर्च होगा। विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।

तुला - अभी आप आर्थिक आयोजन बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगे। आज आपकी कलात्मक और सृजनात्मक शक्ति श्रेष्ठ रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। दृढ़ विचार और आत्मविश्वास से काम पूरे कर सकेंगे।

वृश्चिक - आज आमोद-प्रमोद तथा मनोरंजन के पीछे पैसे खर्च होंगे। मानसिक चिंता और शारीरिक तकलीफ से परेशानी होगी। असंयमित वाणी या व्यवहार झगड़े का कारण बन सकता है। परिजनों और स्नेहियों के साथ अनबन रहेगी।

धनु - प्रेम का सुखद अनुभव प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आर्थिक, सामाजिक और कुटुंबजनों के साथ बातचीत के लिए आज का दिन लाभदायी है। गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा। मित्रों, विशेष रूप से स्त्री मित्रों से लाभ होगा।

मकर - व्यवसाय के क्षेत्र में धन, मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में भी आपका परिश्रम रंग लाएगा। घर, परिवार और संतान के मामले में आनंद और संतोष की भावना का अनुभव होगा। व्यावसायिक कार्य के संबंध में दौड़धूप बढ़ेगी।

कुंभ - आज आप अपने आपको अस्वस्थ महसूस करेंगे, परंतु मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। काम करने में उत्साह का अभाव रहेगा। ऑफिस में उच्च अधिकारियों से बचकर रहें। विरोधियों के साथ दलीलों में उतरना उचित नहीं है।

मीन - आज का दिन ईश्वरभक्ति और आध्यात्मिकता में गुजरेगा। आज के दिन आपको थोड़ी बहुत प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य के विषय में विशेष ध्यान रखना पडेगा। बीमारी के कारण अधिक खर्च होने की भी संभावना है।

**नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।**

## पाकिस्तान में सुरक्षा बलों के साथ संघर्ष में छह आतंकवादी ढेर

**इस्लामाबाद,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों के अभियान में छह आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बुधवार देर रात एक बयान में यह जानकारी दी। आईएसपीआर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना के आधार पर प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक अभियान चलाया। आईएसपीआर ने कहा, अभियान के दौरान सैनिकों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई जिसमें छह आतंकवादी मारे गये। उसने बताया कि अभियान के दौरान एक सैनिक भी घायल हुआ है। सेना ने अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

## वैश्विक जीडीपी हिस्सेदारी मामले में ब्रिक्स ने जी-7 को पीछे छोड़ा : पुतिन

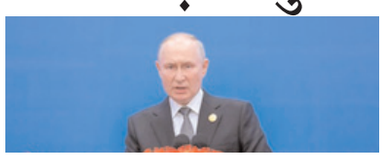

**मॉस्को,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को फेडरल असेंबली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश पर्चेजिंग पावर पैरिटी (पीपीपी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी में हिस्सेदारी में जी-7 से आगे निकल रहे हैं। आरटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रपति पुतिन के अनुमान के अनुसार, ब्रिक्स की हिस्सेदारी 2028 तक बढ़कर 36.6 प्रतिशत हो जाएगी, जबकि जी7 की हिस्सेदारी घटकर 27.8 प्रतिशत रह जाएगी। पुतिन ने कहा, लेकिन 10 साल पहले स्थिति अलग थी। 2022 में ब्रिक्स देशों ने पीपीपी टर्म में जीडीपी के मामले में 31.5 प्रतिशत के साथ जी7 (30.3 प्रतिशत) को पीछे छोड़ दिया। वर्ष 1992 में ब्रिक्स की हिस्सेदारी केवल 16.5 प्रतिशत के आसपास थी। पीपीपी कई अर्थशास्त्रियों के बीच एक लोकप्रिय मानक है, जो वस्तुओं और सेवाओं की लागत में अंतर को समायोजित करके देशों के बीच आर्थिक उत्पादकता और जीवन स्तर की तुलना करता है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के ब्रिक्स समूह में पहले ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे।

### स्वीडन की नाटो सदस्यता के खिलाफ जवाबी उपाय करेगा रूस

**मॉस्को।** रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस नाटो में शामिल होने के बाद स्वीडन की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखेगा और उसके अनुसार जरूरी कार्रवाई करेगा। जखारोवा बुधवार को कहा, हम इस बात की निगरानी करेंगे कि स्वीडन नाटो में शामिल होकर क्या करेगा, इसके आधार पर हम आगे की तैयारी करेंगे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ज़खारोवा ने कहा कि रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न हर खतरे को रोकने के लिए मास्को आवश्यक उपाय करेगा। उन्होंने कहा कि स्वीडन की अब तक की गुटनिरपेक्षता की नीति उत्तरी यूरोप में स्थिरता बनाए रखने में सहायक हुआ करती थी।

## गाजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 30 हजार के करीब : मंत्रालय

**गाजा,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 29,954 हो गया है। इजरायली सेना ने पिछले 24 घंटों में 76 लोगों की जान ले ली। यह जानकारी हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी।

मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस बीच, 110 लोग घायल हो गए। पिछले साल अक्टूबर के प्रारंभ में शुरू इजरायल-हमास युद्ध में अब तक घायलों की कुल संख्या 70,325 हो गई है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार भारी बमबारी और नागरिक सुरक्षा व एम्बुलेंस कर्मचारियों की कमी के बीच कुछ मृतक मलबे में दबे हुए हैं। बुधवार को, इजरायली मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि गाजा पट्टी में लड़ाई के दौरान आईडीएफ के दो अधिकारी मारे गए और सात सैनिक घायल हो गए। इससे मरने वाले सैनिकों की संख्या 582 हो गई। आईडीएफ सूत्रों का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल का जमीनी अभियान पूरे गाजा पट्टी में जारी रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायली सेना ने सुरंगों और हमास के अन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। इज़रायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि गाजा में युद्ध का लक्ष्य, यह सुनिश्चित करना है कि अब 7 अक्टूबर 2023 जैसे हमला फिर कभी न हो। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायल में हमास के हमले में लगभग 1,200 इजरायली मारे गए थे और 200 से अधिक को बंधक बना लिया गया था।

■ अब तक घायलों की कुल संख्या 70,325 हुई

## नॉर्वे में बचाव हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत

**वाशिंगटन,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। नार्वे में अमेरिका के सिविल हेलीकॉप्टर ऑपरेटर ब्रिस्टो ग्रुप का एक खोज और बचाव हेलीकॉप्टर बुधवार को प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान बर्गेन से 15 समुद्री मील पश्चिम में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है, जिसमें चालक दल के पांच सदस्य घायल हो गए हैं और एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

सिविल हेलीकॉप्टर ऑपरेटर ब्रिस्टो ग्रुप ने यह जानकारी दी। ब्रिस्टो ग्रुप के अनुसार प्रशिक्षण अभ्यास करते समय हेलीकॉप्टर स्थानीय समयानुसार लगभग 18:40 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

दुर्घटना के बाद, दो पायलटों सहित हेलीकॉप्टर में सवार सभी छह लोगों को समुद्र से बचा लिया गया और बर्गेन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। ब्रिस्टो ग्रुप इंक ने गुरूवार को पुष्टि की कि उसका एक खोज और बचाव हेलीकॉप्टर, पंजीकरण एलएन-ओआईजे, जिसमें छह चालक दल के सदस्य सवार थे, बर्गेन, नॉर्वे से लगभग 15 समुद्री मील पश्चिम में एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। कंपनी ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, बड़े दुख के साथ हमें बताना पड़ रहा है कि एक खोज और बचाव हेलीकॉप्टर, पंजीकरण एलएन-ओआईजे, जिसमें छह चालक दल के सदस्य सवार थे।

## वर्ग पहेली-6481

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ ति | जा | २ र | त | ■ | ■ | ३ क | र्ण | ४ क | ठु |
| थि | ■ | ह | ■ | ५ प्र | वि | ष्ट | ■ | र्क | ■ |
| ६ प | रा | म | र्श | क | ■ | ७ क | र्म | शा | ८ ला |
| त्र | ■ | दि | ■ | ९ र | फ्ता | र | ■ | ■ | भ |
| ■ | १० वि | ल | ११ क्ष | ण | ■ | ■ | १२ झ | ट | का |
| ■ | क्रे | ■ | मि | ■ | १३ ब | ग | ल | ■ | र |
| १४ ह | ता | १५ ह | त | ■ | वा | ■ | १६ क | १७ न | क |
| थ | ■ | म | ■ | १८ ति | ल | १९ स्म | ■ | र्त | ■ |
| २० कं | गा | ल | ■ | ल | ■ | २१ र | वि | क | २२ र |
| डा | ■ | २३ आ | क | र्ष | क | ■ | ■ | ■ | ब |

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

## आज का इतिहास

1996 - विद्युत उत्पादन हेतु थर्मो न्यूस्लियर रिएक्टर स्थापित करने के उद्देश्य से भारत, रूस, चीन और ईरान एशियन फ़ाउंडेशन फ़ॉर थर्मोन्यूक्लियर स्टडीज नामक संस्थान स्थापित करने पर सहमत।

1999 - मानव संहारक बारूदी सुरंगों (एंटी पर्सेनिबल माइन्स) के उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय संधि (ओटावा संधि) लागू हुआ।

2000 - मोहम्मद अहमद अल गयूम के स्थान पर मुबारक अल शामेख लीबिया के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।

2001 - उत्तर-पश्चिमी अमेरिका में भूकम्प, फिजी की अंतरिम सरकार अवैध घोषित, लश्कर-ए-तोइबा सहित 21 आतंकवादी संगठनों पर ब्रिटेन में प्रतिबंध।

2002 - यूरो क्षेत्र के 10 देशों की मुद्रा समाप्त, %यूरो% अब 30 करोड़ लोगों की वैध मुद्रा बना।

2004 - रूस के राष्ट्रपति ने मिखाइल फ़्रैदकोव को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। हैती के राष्ट्रपति ज्यों बर्तरा एसिस्तदे देश छोड़कर दक्षिण अफ़्रीका भागे।

2005 - सोयूज-यू राकेट कजाकिस्तान के बैकानूर अंतरिक्ष केन्द्र से प्रक्षेपित।

2006 - अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश राजकीय यात्रा पर भारत पहुँचे।

2007 - अमूल्य नाथ शर्मा नेपाल के प्रथम बिशप बने।

2008- उत्तर प्रदेश के केबिनेट सचिव शशांक शेखर ने सचिवालय के शासकीय प्रधान का दायित्व तथा कैबिनेट मंत्री का दर्जा छोड़ा।

**जानकारी** यूएन प्रवक्ता ने सूडानी अधिकारियों के पूर्ण सहयोग की उम्मीद जताई

## सूडान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन की हुई वापसी

**संयुक्त राष्ट्र,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा, सूडान में संयुक्त राष्ट्र एकीकृत संक्रमण सहायता मिशन ने स्थानीय समयानुसार गुरुवार को सूडान से अपनी वापसी पूरी कर ली। सूडान में संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने बताया कि देश में चल रहे संघर्ष में सहायता प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से चलाए गए मिशन को पूरा कर लिया गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में गुरुवार को कहा कि सूडान में संयुक्त यूनीटैम्स को पूरा कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि श्री गुटेरेस ने मिशन के दौरान सूडान के लोगों के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए सभी अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय यूनिटैम्स कर्मियों की सराहना की है। प्रवक्ता ने कहा कि महासचिव को एक मार्च को मिशन की परिसमापन प्रक्रिया यथासंभव सुचारू और तेजी से पूरी करने के लिए सूडानी अधिकारियों के पूर्ण सहयोग की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सूडान में जारी संघर्ष कानून के शासन तथा नागरिकों की सुरक्षा को और भी कमजोर कर रहा है, साथ ही पूरे देश और क्षेत्र को खतरे में डाल रहा है। श्री गुटेरेस ने संघर्षरत पक्षों से अपने हथियार डालने और व्यापक-आधारित शांति वार्ता के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया, जिससे नागरिक नेतृत्व वाले लोकतांत्रिक परिवर्तन की बहाली हो सके। सूडान के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के निजी दूत रामताने लामामरा ने मध्यस्थता प्रयासों के समर्थन में अपना काम शुरू कर दिया है। इस संबंध में निरंतर अंतरराष्ट्रीय समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रवक्ता ने कहा, श्री गुटेरेस ने सूडानी अधिकारियों से इस अत्यंत आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए अपना सहयोग जारी रखने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सूडानी अधिकारियों के अनुरोध पर यूनीटैम्स के जनादेश को समाप्त करने के लिए एक दिसंबर, 2023 को एक प्रस्ताव अपनाया।

### अफगानिस्तान में सार्वजनिक फांसी से संयुक्त राष्ट्र 'स्तब्ध'

**काबुल।** संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा की ओर से हस्ताक्षरित मौत के वारंट पर पिछले सप्ताह तीन दोषी हत्यारों को सार्वजनिक रूप से फांसी देने की घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। 'डॉन न्यूज' के मुताबिक तीनों लोगों को बड़ी भीड़ के सामने कई बार गोली मारी गई जिसमें उनके पीड़ितों के परिवार भी शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चयुक्त कार्यालय के प्रवक्ता जेरेमी लारेंस ने एक बयान में कहा, पिछले सप्ताह अफगानिस्तान के खेल स्टेडियमों में तीन लोगों की सार्वजनिक फांसी से हम स्तब्ध हैं। सार्वजनिक फांसी क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक व्यवहार या सजा का एक रूप है।

## दुनिया को जानें

### एआई तकनीक से यीवू व्यापारियों को मिली सुविधा

**बीजिंग,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। चीन के चच्यांग प्रांत स्थित यीवू अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शहर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इंटरनेट के तेज विकास के चलते यीवू के व्यापारी भी बिग डेटा और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे डिजिटल प्रौद्योगिकी के सहारे व्यापार करने लगे हैं। इससे बाजार में नई उम्मीद जगी है। हाल में यीवू की एक महिला मालिक इंटरनेट सेलिब्रिटी बनी। वीडियो में वे कई भाषाओं में अपने व्यापार का परिचय देती हैं। मालिक छन मेईच्चुन सिर्फ कुछ अंग्रेजी शब्द बोल सकती हैं, लेकिन एआई तकनीक के प्रयोग से कई भाषाओं में वीडियो बना सकती हैं। एआई तकनीक के सहारे केवल एक चीनी वीडियो रिकॉर्ड करने के बाद इसे प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर कुछ ही समय में स्वचालित रूप से 36 विदेशी भाषा संस्करणों में वीडियो बनाए जाएंगे। इसके साथ उच्चारण के अनुसार स्क्रीन में मुंह का आकार भी समायोजित किया जाएगा।

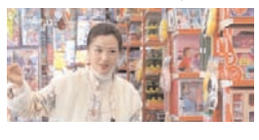

# प्रादेशिकी

## डंपर ने स्कूटी को मारी टक्कर,पत्नी की मौत,पति गंभीर

**रुद्रप्रयाग।** बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सम्राट होटल के निकट एक डंपर ने ओवरटेक करते समय स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। मृतक महिला के शव का पंचनामा भरकर पीएम की कार्यवाही की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय के पुनाड़ गांव निवासी संदीप सेमवाल स्कूटी से अपनी पत्नी के साथ श्रीनगर जा रहे थे। इस दौरान सम्राट होटल के निकट एक डंपर ने स्कूटी को ओवरटेक करने का प्रयास किया। जिसके चलते डंपर अनियंत्रित होकर स्कूटी से टकरा गया। तेज टक्कर लगने के कारण स्कूटी हाईवे पर पलट गई।

# सुक्खू सरकार को गिरने से कोई नहीं बचा सकता : जयराम ठाकुर

शिमला, 29 फरवरी (देशबन्धु)। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि कांग्रेस जितनी मर्जी कोशिश कर ले, हिमाचल की सुक्खू सरकार को गिरने से अब कोई नहीं बचा सकता। उन्होंने वीरवार को शिमला में भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद पत्रकारों बात करते हुए कहा कि वास्तव में कांग्रेस के लोग ही सरकार गिराने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग ही उसे छोड़कर जा रहे हैं और इसमें भाजपा का कोई हाथ नहीं है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बहुमत को चुकी है। ऐसे में कांग्रेस को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह गया है। जयराम ठाकुर ने कांग्रेस के छह विधायकों को सदस्यता अयोग्य करार देने के विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर दुख जताया और कहा कि भाजपा विधानसभा अध्यक्ष के फैसले की प्रति का इंतजार कर रही है तथा इसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह की अपनी ही पार्टी से नाराजगी के सवाल पर कहा कि उन्हें कांग्रेस सरकार में बार-बार जलील किया गया। यही नहीं, कांग्रेस के कई विधायकों और विक्रमादित्य सिंह ने सार्वजनिक मंचों से अपनी नाराजगी भी जाहिर की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बजट सत्र से भाजपा के 15 विधायकों को एक षड्यंत्र के तहत निलंबित किया गया ताकि सरकार बजट पारित करवा सके। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के अयोग्य करार दिए गए सभी छह विधायक भाजपा के साथ हैं और संपर्क में हैं।

इस बीच, पता चला है कि भाजपा ने प्रदेश के मौजूदा हालातों को देखते हुए अपने सभी विधायकों को शिमला में ही रहने के निर्देश दिए हैं।

### विधानसभा ने जारी की छह विधायकों को अयोग्य करने की अधिसूचना

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने कांग्रेस के छह विधायकों को दल बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य करने की अधिसूचना जारी कर दी है। विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इन विधायकों को संविधान की धारा 191 (2) और हिमाचल प्रदेश विधानसभा नियम 1986 के तहत विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के बाद अयोग्य करार दिया गया है। जिन छह विधायकों को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया है, उनमें सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, राजेंद्र राणा, इंद्रदत्त लखनपाल, चैतन्य शर्मा और देवेंद्र कुमार भुट्टो शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस अधिसूचना के बाद प्रदेश के छह विधानसभा सीटें खाली हो गई हैं। विधानसभा ने इस फैसले की प्रतियां सभी अयोग्य घोषित विधायकों, भारतीय निर्वाचन आयोग, हिमाचल प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और अन्य संबंधित कार्यालयों तथा लोगों को भी भेजी हैं।

# अनुपयोगी जमीनों में मंडआ, झंगोरा एवं चैलाई की खेता का बढ़ाया जाए उत्पादनः मुख्य सचिव

■ अमरनाथ तिवारी

**देहरादून,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मंडुआ, झंगोरा व चैलाई का उत्पादन बढ़ाने तथा सप्लाई चेन को बेहतर करने के सम्बन्ध में गुरूवार को विधानसभा भवन में हाउस ऑफ हिमालया तथा मिलेट मिशन की बैठक में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किये हैं। सीएस ने कृषि एवं उद्यान विभाग को प्रदेश में अनुपयोगी घाटियां एवं जमीनों को चिह्नित कर उनमें मंडुआ, झंगोरा एवं चैलाई के बड़े स्तर पर उत्पादन को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र विस्तार की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि यह कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाना है। इसका संचालन महिला स्वयं सहायता समूहों को प्राथमिकता से दिया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा है कि मंडुआ, झंगोरा, चैलाई तथा अन्य स्थानीय उत्पादों के उत्पादन तथा प्रोक्यूरमेंट को बढ़ाने के लिए कृषि एवं उद्यान विभाग के साथ ही सहकारिता विभाग को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

इस दिशा में मुख्य सचिव ने यूसीएफ (उत्तराखण्ड स्टेट कॉपरेटिव फेडरेशन) तथा हाउस ऑफ हिमालया के मध्य एमओयू किये जाने हेतु निर्देश दिए हैं। सीएस ने झंगोरा तथा चैलाई की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) के सम्बन्ध में प्रस्ताव बनाने के सम्बन्ध में इनपुट कॉस्ट (लागत मूल्य ) का अध्ययन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने विधानसभा, सचिवालय, सहित जीएमवीएन, केएमवीएन आदि सभी सरकारी भवनों एवं संस्थानों में परोसे जाने वाले खाद्य उत्पादों में मिलेट्स मंडुआ, झंगोरा आदि का उपयोग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

सीएस ने विशेषरूप से महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग को महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य विकास हेतु मंडुआ, झंगौरा, चैलाई जैसे स्थानीय मिलेट्स को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य में एएनएम, आशा वर्कर्स तथा आंगनबाड़ी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उत्तराखण्ड के अम्ब्रेला ब्राण्ड हाउस ऑफ हिमालया की मजबूती के लिए तथा स्थानीय उत्पादों की बेहतरीन मार्केटिंग के लिए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के बड़े स्थापित ब्राण्ड्स की कार्यप्रणाली का अध्ययन करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए हैं।

■ राधा रतूड़ी ने ली हाउस ऑफ हिमालया तथा मिलेट मिशन की बैठक

सीएस ने निर्देश दिए हैं कि उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों हेतु प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करने वाले हाउस ऑफ हिमालया के तहत उत्पादों की गुणवत्ता तथा प्रमाणीकरण का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, सचिव आर मीनाक्षी सुन्दरम, श्रीमती राधिका झा, वी बी आर सी पुरूषोत्तम, विनोद कुमार सुमन, चन्द्रेश कुमार, अरविन्द सिंह हयांकी, अपर सचिव मनुज गोयल तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

## सार संक्षेप

### आंगनबाड़ी वर्कर्स ने कलेक्टेउद्ध पर किया प्रदर्शन

**हरिद्वार।** उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के नेतृत्व पर आंगनबाड़ी वर्कर्स ने कलेक्ट्रेट भवन पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। अपने पूर्व निधारित कार्यक्रम के अनुसार काफी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्री रोशनाबाद स्थित कोर्ट क्षेत्र में एकत्रित हुईं और उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला खत्री के नेतृत्व में नारेबाजी कर एडीएम को ज्ञापन सौंपा। उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला खत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी वर्कर्स से सरकार बहुत काम लेती है, जबकि उन्हें सिर्फ मानदेय दिया जा रहा है। लंबे समय से राजकीय कर्मचारी घोषित करने की मांग आंगनबाड़ी वर्कर्स द्वारा उठाई जा रही है। जिसके लिए पिछले 20 फरवरी से आंगनबाड़ी वर्कर्स और सहायिकाओं ने कार्य बहिष्कार भी कर रखा है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक ऐसे ही कार्य बहिष्कार जारी रहेगा और आने वाले पोलियो मुक्त अभियान और लोकसभा चुनाव की ड्यूटी को भी आंगनबाड़ी वर्कर्स द्वारा नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक यह मांगें पूरी नहीं होती, तब तक आंगनबाड़ी वर्कर्स कार्य नहीं करेंगी।

### बनभूलपुरा हिंसा के मास्टरमाइंड का बेटा मोईद दिल्ली से गिरफ्तार

**हल्द्वानी।** बनभूलपुरा हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक के बेटे अब्दुल मोईद को उत्तराखंड पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। उसे उत्तराखण्ड लाया जा रहा है। गौर हो कि बीती आठ फरवरी को हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में मलिक के बगीचे में अवैध मदरसा और धर्मस्थल ढहाने गई पुलिस और प्रशासन की टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया था। पथराव में सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, रामनगर कोतवाल समेत 300 से अधिक पुलिसकर्मी और निगमकर्मी घायल हो गए। उपद्रवियों ने बनभूलपुरा थाना भी फूंक दिया। पुलिस की जीप, जेसीबी, दमकल की गाड़ी दोपहिया समेत 70 से अधिक वाहन फूंक दिए गए। आंसू गैस के गोले दागने और लाठी चार्ज के बाद भी जब हालात काबू में नहीं आए, तो सबसे पहले अधिकारी जान बचाने के लिए मौके से भागे। पुलिस व निगम टीम जैसे-तैसे वहां से निकली। प्रशासन ने उपद्रवियों को देखते ही पैर में गोली मारने के आदेश दिए हैं। पिता-पुत्र समेत छह लोगों की गोली लगने से मौत हो गई थी। हल्द्वानी हिंसा में करोड़ों की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। हिंसा के बाद से पुलिस लगातार उपद्रवियों की धरपकड़ के लिए कार्रवाई कर रही है। हिंसा के बाद से अब्दुल मोईद फरार चल रहा था, जिसके बाद अब अब्दुल मोईद को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

### सुडोकू 6482 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 8 | 6 | 7 | 1 | 3 | 2 | 9 | 5 |
| 7 | 5 | 3 | 2 | 6 | 9 | 4 | 1 | 8 |
| 2 | 1 | 9 | 5 | 4 | 8 | 3 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 8 | 1 | 9 | 7 | 5 | 2 | 4 |
| 1 | 2 | 5 | 8 | 3 | 4 | 6 | 7 | 9 |
| 9 | 4 | 7 | 6 | 2 | 5 | 1 | 8 | 3 |
| 5 | 6 | 4 | 9 | 7 | 1 | 8 | 3 | 2 |
| 8 | 7 | 2 | 3 | 5 | 6 | 9 | 4 | 1 |
| 3 | 9 | 1 | 4 | 8 | 2 | 7 | 5 | 6 |

# मोदी सरकार के साथ खड़ा है देश का सच्चा किसान : हिमालय लाडली

रुद्रप्रयाग, 29 फरवरी (देशबन्धु)। हिमालय लाडली एवं अखंड भारत शक्ति पीठ ट्रस्ट अध्यक्ष साध्वी विचित्र रचना ने कहा कि विदेशी ताकतें देश में बैठे गद्दारों को मोहरा बनाकर हानि पहुंचाने का षड्यंत्र रच रही हैं। उनकी मंशा है कि कोई न कोई ऐसा मुद्दा बनाया जाए, जिससे देश को हानि पहुंचाकर बर्बाद किया जा सके। अंग्रेजों की फूट डालो और शासन करो की नीति का प्रयोग जनता पर करने का प्रयास किया जा रहा है, जो सफल नहीं होगा।

यहां जारी बयान में हिमालय लाडली एवं अखंड भारत शक्ति पीठ ट्रस्ट अध्यक्ष साध्वी विचित्र रचना ने कहा कि आज देश प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। देश के वैज्ञानिक अंतरिक्ष में इतिहास रच रहे हैं। हर गरीब को सम्मान से जीने का हक मिल रहा है। किसानों की उन्नति के लिए नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। केन्द्र की मोदी सरकार हर वर्ग का ध्यान रखते हुए नई-नई योजनाएं और नये-नये कानून लाकर राष्ट्र का विकास कर रही है, लेकिन देश के भीतर कुछ ऐसे भी गद्दार हैं, जो विदेशी ताकतों का मोहरा बनकर देश को हानि पहुंचाने की तैयारी में हैं, उनकी इस मंशा को मोदी सरकार पूरा नहीं होने देगी। देश का विकास इन लोगों को रास नहीं आ रहा है। ये चाहते हैं कि विदेशी ताकतें देश को हानि पहुंचाकर देश की गरीब जनता का शोषण कर सकें और देश को बर्बादी की ओर धकेला जाए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों की एक नीति सब को याद होगी कि फूट डालो और शासन करो। आज वही नीति का प्रयोग किया जा रहा है। तथाकथित किसान आंदोलन के नाम पर एक बार फिर से देश को जलाने का प्रयास विदेशी फंडिंग से किया जा रहा है। हिमालय लाडली ने कहा कि देश के सच्चे किसान सड़कों पर उतरकर या फिर सोशल मीडिया की ताकत से इन विदेशी ताकतों को कमजोर कर सकते हैं। देश का किसान मोदी सरकार के साथ खड़ा है और इन विदेशी ताकतों की मंशाओं को कभी पूरा नहीं होने देगा।

■ देश में बैठे गद्दारों को मोहरा बना रहा विदेशी ताकतें,
■ अंग्रेजो की फूट डालो और शासन करो की नीति को नहीं होने दिया जायेगा सफल

# उत्तराखंड में खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी में मिलेगा 4 फीसदी क्षैतिज आरक्षण, विधानसभा में विधेयक पास

**देहरादून,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड विधानसभा बजट सत्र का आज चैथा दिन है। आज सदन में खिलाड़ियों के लिए एक विधेयक पेश किया गया, जिसमें प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में चार फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। ताकि, खिलाड़ियों का रोजगार के लिए पलायन रूके। आज विधानसभा के पटल पर खिलाड़ियों के हित में इस विधेयक को पास कर दिया गया। हरियाणा राज्य की तर्ज पर उत्तराखंड सरकार भी अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता को 5400 ग्रेड पे और अन्य ग्रेड पे पर सीधे नौकरी देगी। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को 5400 और अन्य ग्रेड पे पर सीधे नौकरी दिए जाने के विधेयक को विधानसभा के पटल पर हरी झंडी मिल गई है। अब अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाले खिलाड़ी को सीधे सरकारी नौकरी दी जाएगी। खेल मंत्री रेखा आर्य ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पदक विजेता खिलाड़ियों को सीधे नौकरी मिलने से उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे उत्तराखंड को खेल भूमि के नाम से भी जाना जाएगा। पदक विजेता खिलाड़ियों को सीधे नौकरी देने वाला उत्तराखंड देश का दूसरा राज्य बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में खेल एवं खिलाड़ियों के लिए केंद्र व राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। खिलाड़ियों ने भारत का मान और सम्मान दुनिया में बढ़ाया है। खिलाड़ियों के हित में राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने छात्रवृत्ति योजना, आउट ऑफ टर्न जॉब की व्यवस्था, खेल मैदानों को सुदृढ़ करने की व्यवस्था समेत कई अन्य व्यवस्थाएं की हैं।

■ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में चार फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान वाला विधेयक पेश
■ हरियाणा राज्य की तर्ज पर उत्तराखंड सरकार भी अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता को 5400 ग्रेड पे और अन्य ग्रेड पे पर सीधे नौकरी देगी

# फार्मा फैक्टरी में छापा, नकली दवाओं का शक, पूछताछ जारी

कोटद्वार। नकली दवाओं को बनाने और बेचने के मामले में कोटद्वार में बुधवार शाम को तेलंगाना के इंग इंस्पेक्टर की अगुवाई में एक टीम ने स्थानीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सिगड्डी सिडकुल में एक फार्मा फैक्टरी में छापा मारा। टीम गुरूवार को भी यहीं डटी है। नकली दवाइयां के आशंका में पूछताछ जारी है। बताया जा रहा है कि तेलंगाना में कुछ नकली दवाइयों की खेप पकड़ी गई है जिसके तार कोटद्वार के सिगड्डी सिडकुल की एक फैक्टरी से जुडे बताए जा रहे हैं। बीते वर्ष सितंबर माह में गाजियाबाद में भी कोटद्वार से नकली दवाइयों की खरीद फरोख्त की बात सामने आई थी। तब वहां की पुलिस ने चार सप्लायरों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में नकली दवा बरामद की थी। पूछताछ में आरोपियों ने कोटद्वार में ही नकली दवाओं के बनने की बात स्वीकारी थी।क फैक्टरी को खंगालती रही। हालांकि यहां से टीम के हाथ क्या लगा यह जानकारी अभी गुप्त रखी गई है।

# रेसकोर्स कालोनी में फंदे पर लटका मिला नाबालिग नौकरानी का शव

**देहरादून,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। पॉश कालोनी रेसकोर्स में एक 16 वर्षीय किशोरी का शव फंदे से लटका मिला। नाबालिग नौकरानी की मौत से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मामले में दुष्कर्म और हत्या की आशंका जताते हुए किशोरी के परिजन व आसपास के लोगों ने खूब हंगामा किया। सड़क जाम कर हंगामा कर रहे लोगों को पुलिस ने खदेड़ा और किशोरी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रेसकोर्स स्थित विधायक हास्टल के निकट एक घर में नाबालिग किशोरी का फंदे से झूलता शव मिलने से हड़कंप मच गया। जिस घर पर किशोरी का शव मिला वहां वह काम करती थी। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश है। उन्होंने घर के बाहर खूब हंगामा भी काटा। बताया जा रहा है कि किशोरी घर पर काम करने के बाद शाम को अपने घर वापस जाती थी, लेकिन बुधवार रात वह वापस नहीं आई। मृतक का पोस्टमार्टम कोरोनेशन अस्पताल में किया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद ही मृत्यु के कारणों का पता लग सकेगा। पुलिस मकान मालिक से पूछताछ कर रही है। मकान मालिक कार डीलर बताया जा रहा है और धर्मपुर क्षेत्र में कारोबार करता है।

■ जताई जा रही दुष्कर्म व हत्या की आशंका
■ परिजनों ने काटा हंगामा, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

विधानसभा में भी कांग्रेस ने मुद्दा उठाते हुए कानून और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विधायक यशपाल आर्य ने विधानसभा सत्र के दौरान सदन में आरोप लगाया कि नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई। भाजपा सरकार के संरक्षण में अपराधी बेखौफ काली करतूतों को अंजाम दे रहे हैं। परिजनों का कहना है की मकान मालिक ने बुधवार को दिन में उनकी बेटी को बेल्ट से मारा और गाली गलौज की। इसके बाद जब किशोरी मद्रासी कालोनी स्थित अपने घर गई तो शाम को मालिक ने अपने ड्राइवर को भेजकर किशोरी को अपने घर बुलाया। किशोरी के माता पिता को लगा कि काम कराने के लिए किशोरी को ले गए, लेकिन फिर उनकी बेटी घर नहीं लौटी।

### मोर्चो में भारी पोस्टमार्टम के दौरान भारी पुलिस बल तैनात

पॉश कालोनी रेसकोर्स में 16 वर्षीय किशोरी का शव फंदे पर मिले शव को लेकर हुए हंगामें के बाद उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय कोरोनेशन में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जहां हंगामें की आशंका के चलते भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मौके पर कई थानों की पुलिस व सीओं को तैनात किया गया। पोस्टमार्टम के लिए डाक्टरों को पैनल बनाया गया है। पैनल की युवती के शव का पोस्टमार्टम करेगा।

# विधानसभा में उठा टिहरी में प्रसूता की मौत का मामला

■ अमरनाथ तिवारी

**देहरादून,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत से प्रदेश में बदहाल होती स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल पूछे गए। इस दौरान प्रतापनगर विधायक ने चैड़ लमगांव पीएचसी में प्रसूता महिला की मौत का मामला उठाया। जिस पर जमकर हंगामा हुआ। जिसके बाद स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने प्रताप नगर पीएचसी के डॉक्टर को सस्पेंड कर दिया है। गुरुवार को विधानसभा में बजट सत्र के चैथे दिन की कार्यवाही के दौरान कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत के तमाम विभागों से संबंधित सवाल विधानसभा में पूछे गए। विधानसभा में दूसरे ही सवाल में हरिद्वार ग्रामीण से विधायक अनुपमा रावत ने धन सिंह रावत के सहकारिता विभाग द्वारा संचालित बैंक को सहकारी समितियां और दूसरे संगठनों में नियुक्तियों में हो रही अनियमितताओं का विषय उठाया। अनुपमा रावत ने सहकारी विभाग में कार्यरत तमाम एजेंसियों के नाम भी मंत्री से पूछे लेकिन मंत्री बताने में असमर्थ रहे।प्रताप नगर विधायक विक्रम नेगी ने हाल ही में टिहरी गढ़वाल की प्रताप नगर विधानसभा सीट में पड़ने वाले चैड़ लमगांव पीएचसी में प्रसूता को उचित उपचार नहीं मिलने के बाद जिला अस्पताल रेफर करने और रास्ते में ही प्रसूता (जच्चा बच्चा) के दम तोड़ने पर सदन में सवाल पूछा। इस मामले ने सदन में तूल पकड़ा। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने इस प्रकरण पर खेद प्रकट किया। उन्होंने कहा निश्चित तौर से इस प्रकरण के दौरान लापरवाही हुई है। उन्होंने बताया वहां पर तीन डॉक्टरों की नियुक्ति की गई थी, लेकिन उस दिन वहां पर कोई भी मौजूद नहीं था। जिसके कारण प्रसूता को सुविधा नहीं मिल पाई, जो कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा इस प्रकरण में डॉक्टर को सस्पेंड करने की कार्रवाई सदन के बाद की जाएगी।

■ प्रताप नगर विधायक ने उठाए सवाल, सस्पेंड हुआ डॉक्टर

### गोल्डन और आयुष्मान कार्ड का विषय उठा

भगवानपुर विधायक ममता राकेश ने प्रदेश में मौजूद सभी सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए चलाई जाने वाली गोल्डन कार्ड स्कीम पर सवाल किया। आयुष्मान कार्ड के तहत इलाज न कर रहे अस्पतालों पर भी सवाल किया गया। जिसमें देहरादून सहित शहर के तमाम बड़े अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से इलाज न होने का सवाल भी सदन में पूछा गया। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने जवाब दिया। उन्होंने बताया जल्द इन सब पर कार्रवाई चल रही है। सभी अस्पतालों में आयुष्मान से इलाज हो इसका प्रयास किया जा रहा है।

### प्रसूता ने एंबुलेंस में दिया नवजात को जन्म

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं समय-समय पर दम तोड़ती नजर आती है। राज्य गठन के 23 साल बाद भी पहाड़ के ज्यादातर अस्पताल रेफर सेंटर बने हुए हैं। कारण, अस्पतालों में न ही स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी मूलभूत सुविधाएं हैं और न ही डॉक्टर। नतीजा ये है कि कई बार मरीजों को अपनी जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। यही कारण है कि पहाड़ की स्वास्थ्य सेवा पर बदहाली का दाग लगा है। जिसे प्रदेश सरकार मंचों से अपने भाषण के जरिए धोने का अक्सर काम करती है। चलिए अब बात करते हैं पौड़ी में घटी घटना की। बुधवार सुबह 9 बजे पौड़ी जिले के तहसील चैबट्टाखाल के अंतर्गत नौगांवखाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नौगांवखाल निवासी प्रसूता प्रसव पीड़ा के बाद पहुंची। प्रसूता के अस्पताल पहुंचने के महज 15 मिनट बाद ही चिकित्सा अधिकारी ने प्रसूता के केस को गंभीर बताते हुए पौड़ी जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

### सदन में गूंजा आउटसोर्सिंग का मुद्दा

देहरादून, 29 फरवरी (देशबन्धु)। उत्तराखंड बजट सत्र के चैथे दिन विधानसभा सदन में कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत से जुड़े विभाग संबंधित सवाल जवाब किए गए। सदन में सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष के विधायकों ने शिक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर तमाम सवाल कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत से किए। मंत्री रावत से स्कूलों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से रखे गए बीआरसी और सीआरसी शिक्षकों से जुड़े भी सवाल किए गए।

हरिद्वार जिले की भगवानपुर विधानसभा से विधायक ममता राकेश ने विद्यालयी शिक्षा यानी बेसिक स्कूलों में सीआरसी (क्लस्टर रिसोर्स सेंटर) और बीआरसी (ब्लॉक रिसोर्स सेंटर) के पदों पर नियुक्ति में आरक्षण को लेकर सवाल पूछा। भर्ती में वरिष्ठता के आधार पर अभ्यर्थियों को दी जाने वाली वरीयता को लेकर के भी सवाल पूछे गए। इसी कड़ी में आगे उप-नेता प्रतिपक्ष भुवन चंद्र कापड़ी ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों और कार्यालय में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को लेकर सवाल पूछा तो इन्हीं सवालों के अतारांकित प्रश्नों में सत्ता पक्ष के ही विधायक विनोद चमोली ने सरकार की नीति पर बड़े सवाल किए।

भाजपा के धर्मपुर विधानसभा से विधायक विनोद चमोली ने सरकार से सवाल किया कि जिस तरह से आउटसोर्सिंग के माध्यम से या फिर अन्य माध्यमों से ग्रुप डी और ग्रुप सी के लिए पदों पर नियुक्ति की जाती है। उसमें छोटे स्तर पर नियुक्तियों की सुविधा अभ्यर्थियों को मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रुप डी के पदों पर ब्लॉक स्तर पर आवेदन करने और समूह सी के पदों पर जिला स्तर पर आवेदन करने की नीति सरकार को लानी चाहिए।

# प्रादेशिकी

## विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन

**मेरठ।** उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डी0डी0यू0-जी0के0वाई0) के अन्तर्गत आज आधारशिला कॉलेज ऑफ एजूकेशन, ग्राम लोहड्डा, मेरठ विकास खण्ड- जानी खुर्द, मेरठ में विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उक्त रोजगार मेले में 05 निजी क्षेत्र की कम्पनियों ने प्रतिभाग किया गया। इन कम्पनियों ने सेल्स एग्जीक्यूटीव, जीओ पॉइन्ट मैनेजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फिटर, हेल्थ सेक्टर, इंश्यूरेंस/बैंकिग सेक्टर, मशीन ऑपरेटर, डाटा इंट्री ऑपरेटर, ट्रेनी ऑपरेटर आदि सेक्टर के लिए रिक्तियां अधिसूचित की थीं। कंपनियों द्वारा न्यूनतम 8000 रू0 और अधिकतम 20000 रू0 मासिक वेतन ऑफर किया गया।

# टेक्सटाइल सेक्टर में दुनिया को है भारत का इंतजार : योगी

**नई दिल्ली/लखनऊ,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। टेक्सटाइल सेक्टर में हमारे हुनर, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी का इंतजार दुनिया का बाजार कर रहा है। भारत से 17 हजार करोड़ का कार्पेट एक्सपोर्ट होता है, जिसमें से 60 प्रतिशत कार्पेट यूपी के भदोही, मीरजापुर और वाराणसी से भेजा जाता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रगति मैदान में आयोजित 'भारत टेक्स 2024' के चौथे दिन मीडिया से बातचीत के दौरान कही। वहीं प्रगति मैदान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देखते ही लोगों ने भारत माता की जय और जय श्रीराम का नारा लगाकर उनका स्वागत किया।

### यूपी को पार्टनर स्टेट के रूप में मिला है भागीदार होने का अवसर

मुख्यमंत्री योगी ने 'भारत टेक्स 2024' के यूपी पॉवेलियन में आए सभी बायर्स और विजिटर्स का अभिनंदन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने महत्वपूर्ण इवेंट में यूपी को पार्टनर स्टेट के रूप में भागीदार होने का अवसर दिया गया है। सीएम ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में भारत मंडपम और यशोभूमि में इस इंटरनेशनल इवेंट के जरिए टेक्सटाइल के क्षेत्र में अतीत, भविष्य और वर्तमान की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रदर्शनी आयोजित की गई है। यह प्रधानमंत्री मोदी की सराहनीय पहल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पिछले 4 दिन से आयोजित इस प्रदर्शनी में देश और दुनिया से ढेर सारे लोगों ने सहभागिता की है। उन्होंने कहा कि भारत में एग्रीकल्चर के बाद रोजगार, डेवलपमेंट और टेक्नोजॉजी के क्षेत्र में टेक्साटाइल का क्षेत्र अनंत संभावनाओं वाला है।

सीएम योगी ने बताया कि 'भारत टेक्स 2024' में उत्तर प्रदेश के 20 एग्जिबिटर्स यशोभूमि में और 46 एग्जिबिटर्स भारत मंडप में अपने हुनर की प्रदर्शनी के साथ शामिल हुए हैं। यहां हस्तशिल्प, कालीन और अन्य हथकरघा उत्पादों को कारीगरों ने देश-दुनिया के बायर्स के सामने प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश में 7 स्थानों पर पीएम मित्रा पार्क योजना शुरू की गई है, इसके अंतर्गत यूपी के लखनऊ-हरदोई के बीच एक हजार एकड़ में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि लखनऊ की चिकनकारी, सीतापुर की दरी, बरेली की जरी जरदोजी और भदोही की कालीन को प्रमोट करने के लिए बीते सात साल में काफी कार्य हुआ है। ये सभी शिल्प रोजगार सृजन के बहुत महत्वपूर्ण माध्यम हैं। सीएम योगी ने बताया कि वैश्विक टेक्सटाइल इंडस्ट्री आज भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है।

- नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 'भारत टेक्स 2024' में शामिल हुए सीएम योगी
- प्रगति मैदान में जय श्रीराम के जयघोष से हुआ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत
- सीएम ने उत्तर प्रदेश के शिल्पकारों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का किया अवलोकन

### तहसील स्तर पर फायर स्टेशन वाला पहला राज्य होगा उत्तर प्रदेश : योगी

**लखनऊ।** संकट के समय अग्निशमन सेवाओं की भूमिका से सभी भलीभांति परिचित हैं। इसी को ध्यान में रखकर वर्ष 1944 में प्रदेश में विभाग का गठन किया गया। वर्ष 1944 से 2017 के बीच 73 वर्षों में केवल 288 फायर स्टेशन स्थापित किये गये जबकि पिछले 7 वर्षों में 71 नए फायर स्टेशन स्थापित किए गये। आज हम प्रदेश में तेजी के साथ तहसील स्तर पर एक-एक फायर स्टेशन स्थापित करने की दिशा में अग्रसर हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही उत्तर प्रदेश पूरे देश में ऐसा राज्य होगा, जहां तहसील स्तर पर फायर स्टेशन होंगे। हमने कानून व्यवस्था में व्यापक रिफॉर्म के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है। साथ ही उनके आधुनिकीकरण के लिए समयबद्ध तरीके से कार्यक्रम आगे बढ़ाए गए हैं। उसी का परिणाम है कि प्रदेश में आज अग्निशमन विभाग प्रदेश की इमरजेंसी सेवाओं में एक बेहतरीन सेवा प्रदान करने के लिए अपने आप को तैयार कर रहा है। हमने विभाग की सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए अब तक लगभग 1400 करोड़ रुपये दिये हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित अग्निशमन सुरक्षा कवच के सुदृढ़ीकरण के लिए 38 अग्निशमन केंद्रों का लोकार्पण/शिलान्यास एवं 35 अग्निशमन वाहनों के फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में कही।

# बार एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई

**मवाना,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। तहसील के मीटिंग हाल में गुरुवार दोपहर बाद बार एसोसिएशन मवाना के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता नरेन्द्र कुमार रस्तोगी ने की। वहां पर मुख्य अतिथि के रुप में मुंसिफ मजिस्ट्रेट मवाना शिवेंद्र शर्मा, सीओ पुलिस सौरभ सिंह, तहसीलदार मवाना कुमारी आकांक्षा जोशी मुख्य रूप से शामिल हुए। चुनाव अधिकारी केहर सिंह एडवोकेट, राजसिंह एडवोकेट, श्रीबल्लभ एडवोकेट, माहेमपाल एडवोकेट, मुकेश त्यागी एडवोकेट, समशुददीन एडवोकेट ने विचार रखे। रघुकुल तिलक एडवोकेट ने बीते वर्ष की प्रगति रिपोर्ट पेश की।

मुंसिफ मजिस्ट्रेट मवाना शिवेंद्र शर्मा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एंव सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई और नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजीव कंसल एडवोकेट ने सभी अतिथियों व अधिवक्ताओं का आभार जताया। इस अवसर पर शेख, समशुददीन एडवोकेट, सुमन रस्तोगी एडवोकेट, कुमारी शबनम एडवोकेट आदि मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह में राजीव कंसल एडवोकेट अध्यक्ष, मुकेश त्यागी एडवोकेट सचिव, सुरेश पाल एडवोकेट बहादरपुर उपाध्यक्ष, सुनील कुमार एडवोकेट संयुक्त सचिव, श्याम लाल एडवोकेट सामाजिक मंत्री, पीताम्बर सिंह एडवोकेट पुस्तकालय मंत्री के पद पर एवं वरिष्ठ कार्यकारणी के छह और कनिष्ठ कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई गई। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव कंसल एडवोकेट ने बार की ओर से मुंसिफ मजिस्ट्रेट मवाना शिवेंद्र शर्मा से मुम्बई में आयोजित कार्यक्रम के लिए एडवोकेट जमील शाद को बुके भेंटकर सम्मानित कराया।

## सार संक्षेप

### 2 मार्च को सरधना थाने में होगी 75 वाहनों की नीलामी

**सरधना।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे माल निस्तारण के अभियान के अनुक्रम मे थाना सरधना पुलिस के द्वारा 75 वाहन माल मुकदमाती/ एमवी एक्ट के वाहनो की नीलामी दिनाक 02.मार्च 2024 को थाना सरधना पर कमेटी द्वारा की जायेगी। यह जानकारी मालखाना इंचार्ज हिमेन्द्र सिंह ने दी।

### विद्यार्थियों ने वर्किंग व नॉन वर्किंग मॉडल बनाएं

**मवाना।** बाल भारती पब्लिक स्कूल मवाना के टेस्ट सीरीज चार के उपरांत गुरुवार को एक शिक्षक अभिभावक सभा का आयोजन किया गया। इसमें अभिभावकों ने अपने बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों के बारे में शिक्षक तथा शिक्षिकाओं से चर्चा की तथा टेस्ट में प्राप्तांक का अवलोकन किया। उधर कक्षा 6, 7 तथा 8 के विद्यार्थियों के द्वारा एक विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न वर्किंग तथा नॉन वर्किंग मॉडल बनाएं तथा अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। सौभाग्य भाटी ने हाइड्रोलिक ब्रिज, अनंत पाल ने राम मंदिर, शिफा ने म्यूजिकल फाउंटेन, शजा नाज ने चंद्रयान दक्ष, वर्मा ने इलेक्ट्रिक जनरेटर, अरिश ने ताजमहल, मिश्कत पलकिन ने चिड़िया घर, वंशिका ने हाइड्रोलिक ब्रिज, एकांशी ने एग्रीकल्चरल लैंड, अरीब ने वॉटर टैंक दिव्यांशी ने ईवीएम मशीन, रिदम चौहान ने पार्लियामेंट हाउस, कशिश ने ह्यूमन हार्ट, प्रशांत जैन ने डाइजेस्टिव सिस्टम, एब्यूजर ने कैंडी मशीन, अगम्य ने लेजर फायर अलार्म आदि बच्चों ने एक से बढ़कर एक मॉडल बनाए। आयोजन को सफल बनाने में मनीष खन्ना, रवि सहगल, वर्तिका धामा, प्रेरणा टोंक, आंचल नगर, सोनी, रुही आदि का सहयोग रहा।

### हाईस्कूल विज्ञान में 70 छात्र व 17 छात्राएं अनुपस्थित रही

**मवाना।** ए एस इंटर कॉलेज मवाना में गुरुवार को आयोजित प्रथम पाली में हाई स्कूल विज्ञान तथा इंटर लेखाशास्त्र तथा दूसरी पाली में इंटर जीव विज्ञान एवं इंटर गणित की परीक्षा में 116 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे, जिनमें 94 छात्र एवं 22 छात्राएं अनुपस्थित रहे। परीक्षार्थियों के अनुसार सभी विषय की परीक्षा में सरल प्रश्न पूछे गए थे। परीक्षा के उपरांत छात्राएं एक दूसरे से प्रश्न पत्र पर चर्चा कर कर खुश दिखाई दी। केंद्र व्यवस्थापक डॉक्टर मेघराज सिंह ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण सीसीटीवी की निगरानी में संचालित हो रही है। केंद्र पर प्रथम पाली में 761 छात्र-छात्राओं तथा दूसरी पाली में 531 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। हाई स्कूल में विज्ञान तथा इंटरमीडिएट में गणित एवं जीव विज्ञान की परीक्षा होने के कारण सघन तलाशी ली गई। केंद्र पर अधिक सतर्कता बरती गई। केंद्र के साथ-साथ जनपदीय, मंडलीय तथा प्रदेश स्तरीय कंट्रोल रूम से भी निगरानी की जा रही है।

### सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरी जन्मतिथि 1 जनवरी 1969 थी। जबकि मेरी सही जन्मतिथि 1 जनवरी 1973 है। शौकीन पुत्र वकील निवासी ग्राम पिठलोकर, सरधना (मेरठ) वर्तमान पता मौहल्ला आजादनगर, सरधना (मेरठ)।

# राज्यमंत्री ने किया नवनिर्मित सड़कों का किया उद्घाटन व लोकार्पण

**मेरठ,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक तथा उत्तर प्रदेश सरकार में ऊर्जा राज्यमंत्री डा0 सोमेन्द्र तोमर ने विधानसभा में विभिन्न स्थलों का गुरूवार को दौरा किया और विधानसभा मण्डल क्षेत्र विकास निधि अर्थात् विधायक निधि तथा अन्य मद से निर्मित की जाने वाले विभिन्न सड़कों व निर्मित हो चुकी सड़कों का उद्घाटन व लोकार्पण किया। सोमेन्द्र तोमर ने वाल्मीकि बस्ती (जयभीमनगर), हरवंश विहार, सरायकाजी, जुर्रानपुर, सरस्वती लोक, महरौली, भूड़बराल, उपलहेड़ा, अच्छरौण्डा, काशी, सूर्या पैलेस आदि स्थानों पर विधानसभा मण्डल क्षेत्र विकास निधि अन्तर्गत सड़कों का स्थानीय वासियों के साथ उद्घाटन व लोकार्पण किया। सोमेन्द्र तोमर ने क्षेत्रीय दौरे के दौरान ग्राम पंचायत जुर्रानपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय जुर्रानपुर का औचक निरीक्षण भी किया और शिक्षकों की उपस्थिति, पठन-पाठन, शैक्षणिक कार्य व साफ-सफाई की गुणवत्ता का जायजा लेते हुए विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों से उनके पाठ्यक्रम के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया। ग्राम पंचायत उपलेहड़ा में सचिवालय रेनोवेशन एवं लाईब्रेरी निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। जुर्रानपुर स्थित अमर शहीद धन सिंह कोतवाल सामुदायिक भवन में निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। सोमेन्द्र तोमर ने माधवपुरम स्थित शहीद मंगल पाण्डेय महिला डिग्री कॉलेज में विधानमण्डल क्षेत्र विकास निधि के अन्तर्गत निर्मित सस्कृति स्थल का भी लोकार्पण कर उपस्थित छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

**लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग की टीम मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार एवं निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल के साथ लखनऊ दौरे पर गुरुवार को पहुंची। यह टीम 1 व 2 मार्च को उत्तर प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों व अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेगी जिसमें चुनाव संबंधी तैयारियां तो परखेगी ही, आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी करेगी।** फोटो- देशबन्धु

# विनायक विद्यापीठ के छात्रों ने देखा लाइव स्क्रिप्चर डेमोंसट्रेशन

**मेरठ,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ के बीएफए विभाग द्वारा एक लाइव स्क्रिप्चर डेमोंसट्रेशन का आयोजन किया गया, जिसमे फ्रीलांस आर्टिस्ट राजकुमार प्रजापति उपस्थित हुवे जिनका स्वागत चंदन तिलक लगा कर किया तत्पश्चात कार्यक्रम की शुरुवात सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई, इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुप्रिता शर्मा, इंजि. विकास कुमार, डीन एकत सिंधु, टीपीओ प्रवीन शर्मा बीएफए विभागाध्यक्ष इंदू प्रजापति, सहायक प्रोफेसर गुलअफशा एवं सभी छात्र और छात्राएं मौजूद थे। कार्यक्रम में फ्रीलांस आर्टिस्ट राजकुमार प्रजापति ने छात्र-छात्राओं को लाइव स्क्रिप्चर डेमोंसट्रेशन कर दिखाया, छात्र-छात्राओं ने भी आर्टिस्ट से कई प्रकार के प्रश्न किए जिनका उन्होंने संतोषजनक उत्तर देकर उनको संतुष्ट किया । महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुप्रिता शर्मा ने इस आयोजन पर बीएफए विभाग अध्यक्ष की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन करने के लिए प्रेरित किया।

# ग्रामीण समाज विकास केंद्र के कर्मचारियों का किया ओरियंटेशन

**मेरठ,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। भारत को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त बनाने को लेकर केंद्र सरकार के संकल्प को साकार करने के लिए संस्था ग्रामीण समाज विकास केंद्र द्वारा ब्लॉक दौराला एवं मवाना मे 1 जनवरी 2024 से परियोजना एमफ्रूविंग टीबी प्रोवेशन एक्सेस टू ट्रीटमेंट एंड केयर क्षय रोग पर कार्य कर रही है इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को जिला क्षय रोग कार्यालय पीएल शर्मा हॉस्पिटल मे संस्था के स्टाफ कर्मचारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ गुलशन राय ने क्षय रोग समाप्ति हेतु न्यूनतम समर्थन एकीकृत प्रयास के लिए मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के स्टाफ को समस्त स्वास्थ्य कर्मचारियों ने क्षय रोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और टीबी मरीजों को खोज करने के लिए उनको प्रेरित किया गया इसके साथ ही क्षय रोग के लक्षण बचाव तथा उपचार के बारे में विस्तार से चर्चा की गई स जिला पीपीएम कोऑर्डिनेटर शबाना बेगम ने बताया कि प्रत्येक सरकारी अस्पताल में टीबी रोग की निशुल्क जांच एवं उपचार की व्यवस्था है आप सभी टीबी पेशेंट को ग्रामीण क्षेत्र से खोज कर सरकारी अस्पताल में भेज सकते हैं वहां उनका फ्री टेस्ट होगा फ्री इलाज होगा क्षय रोग प्रोग्राम को लेकर उन्होंने और भी अन्य जानकारी दी। इस अवसर पर जिला क्षय रोग कार्यालय से जिला एस टी.एस सक्सेना और जिला एसटीएलएस दीपक यादव जिला कोऑर्डिनेटर नेहा सक्सेना, जिला बीसीजी टीम लीडर अंजू गुप्ता और अन्य कर्मचारी ग्रामीण समाज विकास केंद्र संस्था की ओर से राहुल सिंह, नीरज, सुभाष तथा देवेंद्र धर्मेंद्र मौजूद रहे।

# कूड़ा निस्तारण प्लांट आबादी से बाहर लगाने की मांग

**मवाना,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। ग्राम मवाना खुर्द के ग्रामीण गुरवार को राष्ट्रीय लोक जन शक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय त्यागी के नेतृत्व में उप जिलाधिकरी अखिलेश यादव से मिले और उन्हें एक ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कूड़ा निस्तारण प्लांट आबादी से बाहर लगाने की मांग की। ज्ञापन में मवाना खुर्द के ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बंजर भूमि संबंधित गांव की भूमि प्रबंधक समिति की होती है उसके प्रस्ताव के बिना उक्त भूमि को सरकारी विभाग अपने प्रयोग में नहीं ला सकता 10000 की आबादी वाले इस गांव की जनता वभूमि प्रबंधक समिति के सदस्य प्रशासन व ग्राम प्रधान द्वारा नियम के अनुपालन बिना बंजर भूमि में कूड़ा निस्तारण प्लांट योजना का विरोध करते हैं क्योंकि उक्त स्थान आबादी से सटा हुआ है उक्त भूमि में होली का दहन होता है साथ ही 6 गांवों की सहकारी समिति व ब्लॉक स्तरीय कृषि रक्षा इकाई का कार्यालय भी यहां है यदि उक्त प्लांट यहां लगाया जाता है तो गरीब लोगों की बस्ती में प्रदूषण होगा इसलिए कूड़ा। निस्तारण प्लांट यह से हटा कर कही और लगाए जाएं उपजिलाधिकारी ने ग्रामीण से अलग जगह की मांग की और ग्रामीणों ने अलग जगह का खसरा भी दिखाया उपजिला अधिकारी ने ग्रामीण की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया ज्ञापन देने वालों में बब्लू त्यागी विकास त्यागी अमरीश कुमार भगत सिंह आकाश गौरव दीपक राहुल नागेंद्र अभिषेक, मुकेश, कुमार आदि शामिल थे।

**आयोजन** *युवाओं को राष्ट्र विकास की मुख्य धारा में जोड़ने की यह शानदार पहल*

# वेंक्टेश्वरा में स्मार्टफोन वितरित, छात्रों के चेहरे खिले

**मेरठ, 29 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली रुड़की बाईपास स्थित वेंकटेश्वरा संस्थान में उत्तर प्रदेश सरकार की युवाओं को स्वाबलम्बी एवं डिजीटली सशक्त बनाने वाली सबसे महत्वपूर्ण योजना 'स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना' के तहत संस्थान मे छात्र-छात्राओ के लिए 'स्मार्टफोन वितरण समारोह' का शानदार आयोजन किया गया।**

कार्यक्रम का शुभारम्भ वी0जी0आई समूह के चेयरमैन माननीय डॉ0 सुधीर गिरी, प्रति कुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, प्राचार्य डॉ0 संजय तिवारी, प्राचार्य डॉ0 नितिन राज वर्मा, विभागाध्यक्ष डॉ0 पंकज कुमार आदि ने मॉ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया।

अपने सम्बोधन में परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार की डिजीटल इण्डिया जैसी योजनाओं से देश आज दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर है। उन्होने आगे कहा कि संचार क्रान्ति के दौर में युवाओ को राष्ट्र विकास की मुख्य धारा में जोड़ने की यह शानदार पहल है। सरकार ने डिजीटल क्रान्ति लाकर भारत को दुनिया में वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित किया। आज भारतीय युवा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पटल पर अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज करा रहे है।

स्मार्टफोन वितरण समारोह' के सफलतापूर्वक समापन के लिए परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह ने शिक्षा विभाग के प्राचार्य डॉ0 संजय तिवारी, प्राचार्य डॉ0 नितिन राज वर्मा, विभागाध्यक्ष डॉ0 पंकज कुमार एवं अभिनव राणा, पूजा शर्मा, शर्मिला सोलंकी, प्रणव शर्मा, श्रीमति विदिषा चौधरी, अरूण शर्मा आदि का धन्यवाद ज्ञापित किया। जिनके योगदान से 'स्मार्टफोन वितरण समारोह' का सफल आयोजन किया जा सका।

# मोबाइल का सदुउपयोग पठन-पाठन कार्य के लिए करने की सलाह दी

**एएस व कृषक पीजी कॉलेज में बांटे गए मोबाइल फोन**

**मवाना,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। एएस (पीजी) कालेज मवाना के प्राचार्य प्रो. अरूण कुमार ने बताया कि महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत गुरुवार को महाविद्यालय सेमिनार हाल में सत्र 2023-24 के बीएससी व बीकाम द्वितीय व तृतीय वर्ष व सत्र 2022-23 के तृतीय वर्ष के मोबाइल फोन से वंचित छात्र/छात्राओं को स्मार्ट मोबाइल फोन वितरित किये गये। महाविद्यालय प्रबंध समिति सचिव दीपक कुमार, प्रबंध समिति संरक्षक सदस्य मुदित मित्तल, प्रबंध समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य आदित्य गोयल, कृष्ण मोहन पालीवाल, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार व शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को स्मार्ट मोबाइल वितरित किये। इसके पश्चात सभी छात्र/छात्राओं का सामूहिक फोटो लिया गया। छात्र/छात्रायें मोबाइल फोन प्राप्त कर काफी उत्साहित नजर आये। महाविद्यालय प्राचार्य ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 40 प्रतिशत कक्षायें आनलाइन लेने के लिए सभी छात्र/छात्राओं को मोबाइल का उपयोग करने के लिये निर्देशित किया गया व मोबाइल का सदुउपयोग पठन-पाठन कार्य के लिये करने की सलाह दी गई। यह जानकारी महाविद्यालय के प्रेस प्रवक्ता दुलीचन्द महला ने दी।

### न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' की दिखी प्रमोशनल वीडियो

**मुंबई।** रणदीप हुड्डा की अपकमिंग फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' की प्रमोशनल वीडियो हाल ही में न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन क्षेत्र के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर में देखने को मिली। यह रणदीप हुड्डा के निर्देशन में बनी पहली फिल्म भी है, इसमें एक्टर स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर का किरदार निभा रहे हैं। टाइम्स स्क्वायर पर फिल्म की डेट अनाउंसमेंट की एक वीडियो चलाई गई, जिसमें रणदीप हुड्डा नजर आए। स्वातंत्र्य वीर सावरकर 22 मार्च को रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म सावरकर की कहानी बताती है। इसमें रणदीप हुड्डा के साथ अंकिता लोखंडे और अमित सियाल भी हैं। हाल ही में एक्टर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कालापानी की यात्रा पर देखा गया था।

# कैंसर से बचने के लिए पेट का रखें ख्याल

## जीवनशैली व निजी अंगों में लक्षण को नजरअंदाज करना गर्भाशय कैंसर के अहम कारण

**लखनऊ/सहारनपुर,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। सुस्त जीवनशैली, मोटापा एवं निजी अंगों में किसी भी तरह के लक्षण को नजरअंदाज करना महिलाओं में गर्भाशय कैंसर एवं पुरूषों में ब्लैडर (मूत्राशय) कैंसर के मामले बढ़ने का सबसे अहम कारण बन रहा है। ऐसे में बढ़ती उम्र में महिलाओं एवं पुरुषों दोनों को अपने शरीर खासकर पेट का खास ख्याल रखना चाहिए। सहारनपुर पहुंचे जाने माने गाइनी कैंसर रोग माहिर डा. श्वेता तहलन, डा. जितेन्द्र रोहिला एवं यूरोलॉजिस्ट डा. रोहित डडवाल ने कही। फोर्टिस अस्पताल के गाइनी कैंसर सर्जरी विभाग की कंस्लटेंट डा. श्वेता तहलन ने कहा कि बढ़ती उम्र की महिलाओं में गर्भाशय कैंसर बढ़ रहा है, यदि समय रहते जांच न करवाई जाती तो मरीज की जान पर भी बन सकती है, इसलिए लक्षण दिखाई देते ही जांच करवाना लाजमी है। उन्होंने बताया कि उम्रदराज महिलाओं में कैंसर तेजी से फैलता है, लेकिन इसके शुरूआती लक्षणों से इसकी पहचान की जा सकती है। महिलाओं में अनियमित पीरियड रक्तस्राव और गंदे पानी का आना इसके शुरूआती लक्षण है, यह लक्षण जैसे ही दिखाई दे तो उसकी तुरंत जांच करवाएं।

फोर्टिस अस्पताल में यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी विभाग के कंसल्टेंट डॉ. रोहित डढवाल ने बताया कि अमेरिका में रहने वाले एक 70 वर्षीय व्यक्ति को बार-बार यूरिन करने में दर्द, यूरिन में खून (हेमट्यूरिया) के साथ-साथ तीव्र पेल्विक दर्द का अनुभव हो रहा था। जांच करने पर प्रोस्टेट कैंसर और बाएं रीनल ट्यूमर का पता चला। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दोहरी घातकता की घटना अत्यंत दुर्लभ है। रोगी अमेरिका व भारत में कई अस्पतालों में इलाज करवा चुका था। मरीज की गहनता से जांच कर रेडिकल प्रोस्टेटक्टोमी (प्रोस्टेट ग्रंथि को पूरी तरह से हटाने) के साथ-साथ रोबोट-अस्सिटिड रेडिकल नेफरेक्टोमी (किडनी को पूरी तरह से निकालना) सर्जरी से प्रोस्टेट कैंसर व किडनी ट्यूमर को हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रोस्टेट कैंसर एवं किडनी ट्यूमर का एक साथ मिलना दुर्लभ था, खासकर इस केस में अन्य अंगों तक इसका प्रभाव नहीं पहुंचा था। मरीज के दोनों ट्यूमर मूल अंग तक सीमित होने के कारण पैथोलॉजी को पूरी तरह से हटाने एव उसे कैंसर मुक्त करने का अवसर था। इस केस में ओपन या लेप्रोस्कोपिक सर्जरी करना चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि आप्रेटिव एरिया काफी छोटा होता है और इसमें ज्यादा एनेस्थीसिया समय लगता है, जिसमें अधिक रक्त हानि एवं अधिक जटिलताएं होती हैं। सर्जरी के अगले दिन ही मरीज चलने के काबिल था तथा जांच करने के बाद मरीज पूरी तरह से अब स्वस्थ जीवन जी रहा है।

डा. जितेन्द्र रोहिला ने बताया कि पाचन तंत्र में गड़बड़, पेट में सूजन, गैस व कब्ज होना आम बात है। उन्होंने बताया कि यदि ऐसे लक्षणों को अनदेखा किया जाता है, तो यह पेट के कैंसर का कारण बनता है।

# एथनिक लुक में श्वेता तिवारी ने ढाया कहर

**मुंबई,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। हाल ही में वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने एक फोटोशूट करवाया है। उन्होंने अपने फैंस के लिए अपने एथनिक लुक की एक झलक शेयर की।

'कसौटी जिंदगी की' फेम एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी प्रोफेशनल और निजी लाइफ के बारे में चीजें शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 52 लाख फॉलोअर्स हैं। नए फोटोशूट में श्वेता ने गुलाबी रंग का अनारकली सेट पहना हुआ है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। भारी सुनहरे कढ़ाई वाले सूट पर मैचिंग दुपट्टा और भी खिल रहा है।

मेकअप में वह पूरी तरह से आकर्षक लग रही हैं। ज्वैलरी के लिए उन्होंने भारी झुमके ही चुने। एक प्रशंसक ने पोस्ट पर कहा कि आपकी सुंदरता की कोई हद नहीं है। दूसरे ने कहा कि दिन-ब-दिन जवान होती जा रही हैं।

श्वेता को पंजाबी फिल्म मित्रां दा ना चलदा में देखा गया था। रोहित शेट्टी और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में वह विक्रम (विवेक ओबेरॉय) की पत्नी श्रुति बख्शी की भूमिका में हैं। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में हैं।

# शास्त्रीय गायक समर्थ को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से नवाजा जाएगा

**उदयपुर,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2022 के लिए उदयपुर के युवा शास्त्रीय गायक समर्थ जानवे को उस्ताद बिस्मिल्लह खान युवा पुरस्कार से नवाजा जाएगा। अकादमी ने वर्ष 2022 और 2023 के लिए संगीत, नाट्य, नृत्य, पुतली कला और अन्य लोक, जनजातीय प्रदर्शन कलाओं की 80 प्रतिभाओं का राष्ट्रीय स्तर पर चयन किया है।

संगीत नाटक अकादमी के सचिव राजू दास के मुताबिक इन प्रतिभाओं को अकादमी की अध्यक्ष डाक्टर संध्या पुरेचा विशेष समारोह में पुरस्कृत करेंगी। राजस्थान की युवा संगीत प्रतिभा उदयपुर के समर्थ जानवे का चयन शास्त्रीय गायन के क्षेत्र में किया गया है। समर्थ को विशेष समारोह में 25 हजार रुपए, ताम्र पत्र और अंगवस्त्रम

प्रदान किये जाएंगे।

समर्थ ने 10 वर्ष की आयु से राजस्थान के प्रसिद्ध संगीत गुरु पंडित चैथमल माखन से गुरु शिष्य परम्परा के तहत शास्त्रीय गायन की शिक्षा आरम्भ की बाद में संगीत मार्तण्ड पद्मभूषण पण्डित जसराज से मार्गदर्शन प्राप्त किया। समर्थ को राजस्थान संगीत नाटक अकादमी से और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से युवा प्रतिभा छात्रवृत्ति (2004-05) और जूनियर फेलोशिप (2014-15) मिली है।

अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय से संगीत अलंकार और राजस्थान लोक सेवा आयोग से सेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले समर्थ जानवे ने मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में 11 वर्ष तक अतिथि व्याख्याता के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। समर्थ ने फीचर फिल्म, दस्तावेजी फिल्म, नाटकों, रूपकों और संगीत अलबमों के लिए गायन के साथ संगीत दिया है।

अजमेर में 23 मई 1984 को जन्में समर्थ को बाल्यकाल से ही अपने ननिहाल और घर में कलात्मक माहौल मिला। समर्थ के पिता विलास जानवे रंग निर्देशक और मूकाभिनय के वरिष्ठ कलाकार हैं और माता श्रीमती किरण जानवे भी रंगमंच से जुड़ी हैं।

# आदर्श जीवन शैली दिल के लिए बेहतर : डॉ. आरएन कालरा

नई दिल्ली। हृदय रोग वैश्विक स्तर पर गंभीर स्वास्थ्य समस्या रही है, लगभग सभी उम्र के लोगों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। वैश्विक हेल्थ रिपोर्ट्स पर नजर डालें तो पता चलता है कि पिछले दो-तीन दशकों में हृदय से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ा है। कीर्ति नगर स्थित कालरा अस्पताल के निदेशक एवं दिल मशहूर डॉक्टर आरएन कालरा के अनुसार एक-दशक पहले तक हृदय रोगों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्याओं के तौर पर देखा जाता रहा था, हालांकि अब कम उम्र के लोगों-बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में इसका खतरा देखा जा रहा है। इतना ही नहीं साल-दर साल यह जानलेवा रोग नई-नई चुनौतियां भी बढ़ाते जा रहा है। डॉ आर एन कालरा कहा कि हृदय रोगों और इसके कारण हुई समस्याओं पर एक नजर डाली जाए तो हम पाते हैं कि स्वस्थ जीवन शैली और आर्दश आहार गृहण करते हुए अगले साल और आने वाले वर्षों में हृदय को स्वस्थ रखा जा सकता है, इसपर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि जिन लोगों को पहले से ही क्रोनिक हार्ट की समस्या रही है उनके लिए भी ये मौसम काफी चुनौतीपूर्ण रहा।

# देश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय मल्टी सिस्टम रोबोटिक वर्कशॉप का आयोजन

## रोबोटिक वर्कशॉप में संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन सहित विश्वभर के प्रसिद्ध एक्सपर्ट्स ने दी ट्रेनिंग

**ग्रेटर नोएडा,** 29 फरवरी (देशबन्धु)। शारदा हॉस्पिटल ने देश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय मल्टी सिस्टम रोबोटिक वर्कशॉप सफलतापूर्वक आयोजित की। यह आयोजन स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, शारदा हॉस्पिटल और शारदा केयर-द हेल्थसिटी, ग्रेटर नोएडा के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के तहत देश में पहली बार किसी वर्कशॉप में अत्याधुनिक मल्टीपल रोबोटिक तकनीक का उपयोग किया गया है। कई रोबोटिक स्टेशन उपलब्ध होने के साथ, यह लैब अमेरिका और ब्रिटेन सहित विश्व स्तर पर प्रशंसित प्रशिक्षकों की सलाह के तहत रोबोटिक सर्जरी की जटिलताओं को समझने के लिए चिकित्सा पेशेवरों, छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए विशेष अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर पी.के. गुप्ता, चांसलर, शारदा विश्वविद्यालय और अध्यक्ष, शारदा हॉस्पिटल और शारदा केयर- द हेल्थसिटी ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय फैकल्टी को सम्मानित किया और इस पहल के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि हमें भारत की पहली मल्टीपल रोबोटिक लैब की शुरुआत करने पर गर्व है, जो चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह पहल अत्याधुनिक प्रशिक्षण अवसर प्रदान करने और भारत में स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने के लिए शारदा हॉस्पिटल के समर्पण को रेखांकित करती है। समारोह में चिकित्सा और शैक्षणिक क्षेत्र की प्रसिद्ध हस्तियों ने भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं में प्रौद्योगिकी और शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को विभिन्न गतिविधियों जैसे - रोबोटिक प्रक्रियाओं का प्रदर्शन, इंटरैक्टिव ट्रेनिंग सेशन और क्षेत्र के विशेषज्ञों के नेतृत्व में पैनल चर्चा, में शामिल होने का अवसर मिला।

# हेमंत राव बने भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने अपने प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा कि जिसमे हेमंत राव को प्रदेश युवा मोर्चा मे मंत्री बनाया गया है. यह घोषणा प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष सागर त्यागी ने किया। ज्ञात हो की हेमंत राव भाजपा उत्तर पश्चिम जिले के मजबूत पार्टी कार्यकर्ता हैं जिनका परिवारिक पृस्टभूमि जनसंघ के समय से सक्रिय हैं हेमंत राव स्वंय कई वर्षों से पार्टी हित में कार्य कर रहे हैं। पार्टी द्वारा इनको जो भी जिम्मेवारी दी गई उसको इन्होंने बखूबी निभाया जिसको ध्यान में रखते हुए पार्टी ने इनको युवा मोर्चा का प्रदेश मंत्री बनाया है। हेमंत राव ने अपने शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा की देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जनहितैषी नीतियों को देशवासियों तक पहुंचाना है ताकि देश और मजबूत हो सके। वहीं पार्टी के यशस्वी अध्यक्ष जेपी नड्डा के संगठनात्मक प्रयासो को मजबूत करने का भरसक प्रयास किया जायेगा। वहीं दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व मे भाजपा दिल्ली के सभी लोकसभा सीट जीतेगी।

# आपदा से पहले की तैयारियों को पुख्ता करेगा 'राहत गुरुकुलम'

**लखनऊ,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आपदाओं से निपटने के लिए एसडीआरएफ के साथ-साथ बड़ी संख्या में प्रशिक्षित वर्कफोर्स को तैयार किया जा सकेगा। इसके लिए यूपी सरकार ने गुरुवार को प्रदेश के पहले राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के प्रशिक्षण केंद्र 'राहत गुरुकुलम' का शुभारंभ कर दिया। इससे एसडीआरएफ के साथ ही प्रदेशभर के आम जनमानस को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। गुरुवार को मंडलीय राजस्व प्रशिक्षण केंद्र में राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में 'राहत गुरुकुलम' का शुभारंभ किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य सचिव दुर्गा शंकर

मिश्र ने किया।

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन व न्यूनीकरण की दिशा में 'राहत गुरुकुलम' अहम भूमिका निभाएगा। जिस प्रकार ऋषि मुनि गुरुकुल में शिक्षा प्रदान करते थे, उसी तरह 'राहत गुरुकुलम' से उसी पद्धति के अनुरूप आधुनिक तकनीकों से आम जनमानस को आपदाओं से सुरक्षित करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अपर मुख्य सचिव, राजस्व सुधीर गर्ग ने कहा कि 'राहत गुररुकुलम' राहत आयुक्त की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस केंद्र के माध्यम से राहत आयुक्त कार्यालय व राजस्व विभाग द्वारा बेहतर आपदा प्रबंधन करने हुए आपदाओं के न्यूनीकरण की दिशा में सकारात्मक और ठोस पहल की जा रही है। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने कहा कि आपदाओं के न्यूनीकरण के लिए विभिन्न विभागों, संस्थानों, अन्य स्टेकहोल्डर्स को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देने के लिए विभाग का अपना कोई स्थायी प्रशिक्षण केंद्र नहीं था। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में अब राहत गुरुकुलम का शुभारंभ किया गया है।

# इस साल कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के घर गूंजेंगी किलकारियां

**मुंबई,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। इस साल कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के यहां किलकारियां गूंजने वाली हैं। फिल्म जगत से कम से कम पांच जोड़े माता-पिता बनने के लिए तैयार हैं। कोई अपने पहले बच्चे का स्वागत करेगा, तो कोई अपनी दूसरी खुशी का स्वागत करने के लिए बेताब है।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली अनुष्का की दूसरी गर्भावस्था को लेकर अटकलें चल रही थीं। आखिरकार कपल ने 20 फरवरी को घोषणा की थी कि उन्होंने 15 फरवरी को अपने दूसरे बच्चे, अपने बेटे अकाय का स्वागत किया।

जोड़े ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'हमें सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 15 फरवरी को हमने अपने बच्चे 'अकाय' का इस दुनिया में स्वागत किया है।'

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह कई दिनों की

### गोपालगंज में एक अजीबोगरीब मामला

# अदालत व पुलिस के बीच फंसे 'भगवान'

**गोपालगंज,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। आपने अब तक भगवान को मंदिरों में देखा होगा, जहां श्रद्धालु उनकी पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। लेकिन, बिहार के गोपालगंज में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां भगवान को अपनी पहचान बताने के लिए एक मार्च को अदालत में हाजिर किया जाएगा। दरअसल, यह पूरा मामला पुलिस और अदालत के बीच फंस गया है। भगवान की पहचान को लेकर अब अदालत के निर्देशों का पालन करते हुए पुलिस भगवान को शुक्रवार को अदालत में पेश करेगी। गोपालगंज के वरीराय भान गांव में स्थापित श्री राधाकृष्ण गोपीनाथ मंदिर से चोरों द्वारा वर्ष 2018 में श्री राधाकृष्ण की अष्टधातु की मूर्ति चोरी कर ली गयी थी। इस मामले की

**आज अदालत पहुंचकर देंगे 'पहचान'**

प्राथमिकी हथुआ थाना में 13 फरवरी 2018 को दर्ज की गई। पुलिस ने इस मामले में अंतिम प्रपत्र भी अदालत को सौंप दिया। इधर, पिछले वर्ष 13 जून को तालाब से मिट्टी खुदाई के दौरान अष्टधातु की मूर्ति बरामद की गई, जिसे थाने के मालखाना में रखा गया है। इसके बाद घटना की सूचना देने वाले विपिन बिहारी ने मूर्ति की पहचान करते हुए उसे अपने मंदिर से चोरी हुई भगवान कृष्ण की मूर्ति होने का दावा किया और पूजा-पाठ व भोग के लिए इसे सौंपने की अपील की। इधर, तालाब से बरामद मूर्ति को रामजानकी मंदिर के प्रभु श्रीराम की मूर्ति बताते हुए पुलिस ने अदालत को रिपोर्ट सौंपी। ऐसे, में अदालत ने मामले में राम और कृष्ण को अब अपनी पहचान देने को कहा है। गोपालगंज के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने पुलिस को उक्त मूर्ति की तस्वीर विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित करने का निर्देश दिया है, ताकि अन्य संभावित दावेदार भी सामने आएं और 1 मार्च को साक्ष्य देते हुए मूर्ति की पहचान करें। इधर, अदालत ने राधाकृष्ण गोपीनाथ मंदिर के पुजारी विपिन बिहारी को भी साक्ष्य लाने के निर्देश दिए हैं।

# एक्स यूजर्स जल्द ही देख सकेंगे अपने फ़ॉलोअर्स को पिन किए गए पोस्ट

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। एलन मस्क ने गुरुवार को घोषणा की कि एक्स यूजर्स जल्द ही अपने फॉलोअर्स को पिन किए गए पोस्ट देख सकेंगे। एक पोस्ट में, टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने कहा कि यह सुविधा हर 48 घंटे में एक पिन की गई पोस्ट के लिए होगी।

अरबपति ने कहा कि हमारे अनुशंसा एल्गोरिदम में एक बदलाव आ रहा है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि आपके सभी फॉलोअर्स आपके पिन किए गए पोस्ट देख सकें। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह हर 48 घंटे में केवल एक पिन किए गए पोस्ट पर लागू होगा।

एक फालोअर ने टिप्पणी की कि एक्स लेखों के साथ मिलकर, 'यह सुनिश्चित करेगा कि उच्च प्रयास वाली सामग्री अधिक देखी जाए।' एक अन्य ने पोस्ट किया कि यह कदम सामग्री निर्माताओं (विशेष रूप से लेखकों) के लिए गेम-चेंजर हो सकता है।

इस बीच, गूगल के खिलाफ हमला जारी रखते हुए, उन्होंने पोस्ट किया कि कंपनी 'अति पक्षपाती' है। उन्होंने गूगल के 'राजनीतिक रूप से तटस्थ' हाने के दावे के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी।

# द इको फैक्ट्री फाउंडेशन के शाश्वत भारत सेतु केंद्र का नितिन गड़करी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली 29 फरवरी (एजेंसियां)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने नागपुर में भारत के पहले शाश्वत भारत सेतु-विनिंग नेट जीरो एग्जिबिट का उद्घाटन किया। इसका निर्माण द इको फैक्ट्री फाउंडेशन (टीईएफएफ) द्वारा किया गया है। यह सेंटर लोगों से लेकर ग्रह तक पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली, समाधान और पद्धतियों का प्रदर्शन करके अत्याधुनिक अनुभव प्रदान किया जाता है, जो नेट जीरो इंडिया का लक्ष्य हासिल करने के अभियान का नेतृत्व कर सकते हैं। द इको फैक्ट्री फाउंडेशन पुणे के फाउंडर, आनंद चोरडिया ने 'अपशिष्ट से धन, जल प्रबंधन, ऊर्जा, संरक्षण' जैसी विभिन्न अवधारणाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कार्बन फुटप्रिंट कम करने के तरीकों, चक्रीय अर्थव्यवस्था के महत्व, ग्रामीण, शहरी, औद्योगिक और व्यक्तिगत क्षेत्रों में संवहनीयता हासिल करने और व्यापक रूप से नेट जीरो बनने की विधियों की भी जानकारी दी। टीईएफएफ के संस्थापक, आनंद चोरडिया ने कहा, शाश्वत भारत सेतु - विनिंग नेट जीरो एग्ज़िबिट हमारे जागरूकता पैदा करने और हर किसी को आसानी से नेट जीरो तथा पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के इरादे से संचालित था। मेरा दृढ़ विश्वास है कि शाश्वत भारत सेतु सच्चा सेतु है जो भारत को नेट जीरो हासिल करने के लिए मार्गदर्शन करेगा।

देशबन्धु

# अर्थ जगत

**सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर**

| | |
|---|---|
| एल एंड टी | 2.36 प्रतिशत |
| पॉवरग्रिड | 1.97 प्रतिशत |
| हिंदुस्तान यूनिलीवर | 0.38 प्रतिशत |
| एचडीएफ़सी बैंक | 0.10 प्रतिशत |
| नेस्ले इंडिया | 0.08 प्रतिशत |

**सर्वाधिक घटने वाले शेयर**

| | |
|---|---|
| एशियन पेंट | 3.90 प्रतिशत |
| टाटा स्टील | 1.99 प्रतिशत |
| टाइटन | 1.95 प्रतिशत |
| टेक महिंद्रा | 1.82 प्रतिशत |
| भारतीय एयरटेल | 1.46 प्रतिशत |

**सर्राफा**

| | |
|---|---|
| सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड | 47,310 |
| बिटुर | 47,320 |
| गिन्नी (प्रति आठ ग्राम) | 31,400 |
| चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर | 70,096 |
| वायदा | 70,183 |
| चांदी सिक्का लिवाली | 870 |
| बिकवाली | 880 |

**मुद्रा विनिमय**

| मुद्रा | क्रय | विक्रय |
|---|---|---|
| अमेरिकी डॉलर | 67.77 | 78.57 |
| पौंड स्टर्लिंग | 90.94 | 105.45 |
| यूरो | 76.54 | 88.78 |
| चीन युआन | 08.24 | 13.38 |

**अनाज**

| | |
|---|---|
| देसी गेहूँ एमपी | 2400-3000 |
| गेहूं दडा | 2750-2850 |
| आटा | 2800-2900 |
| मैदा | 2900-2950 |
| चोकर | 2000-2100 |

**मोटा आनाज**

| | |
|---|---|
| बाजरा | 1300-1305 |
| मक्का | 1350-1500 |
| ज्वार | 3100-3200 |
| जौ | 1430-1440 |
| काबुली चना | 3500-4000 |

**शुगर**

| | |
|---|---|
| चीनी एस | 3590-3690 |
| चीनी एम | 4150-4250 |
| मिल डिलीवरी | 3470-3570 |
| गुड़ | 4600-4700 |

**दाल-दलहन**

| | |
|---|---|
| चना | 5500-5600 |
| दाल चना | 6500-6600 |
| मसूर काली | 7350-7450 |
| उड़द दाल | 10000-10100 |
| मूंग दाल | 9550-9650 |
| अरहर दाल | 12500-12600 |

## पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

## केंद्र ने गेहूं खरीद का लक्ष्य 320 लाख टन, बाजरा के लिए छह लाख टन तय किया

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि केंद्र ने राज्यों के साथ परामर्श के बाद आगामी रबी विपणन सीजन 2024-25 के दौरान 300-320 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का पूर्वानुमान तय किया है।

इसी तरह, खरीफ विपणन सीजन 2023-24 (रबी फसल) के दौरान धान की खरीद का अनुमान 90-100 लाख मीट्रिक टन तय किया गया है।

खरीफ विपणन सीजन 2023-24 (रबी फसल) के दौरान राज्यों द्वारा खरीद के लिए लगभग छह लाख मीट्रिक टन मोटे अनाज/बाजरा की मात्रा का भी अनुमान लगाया गया है। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को फसलों के विविधीकरण और आहार पैटर्न में पोषण बढ़ाने के लिए बाजरा की खरीद पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी गई थी।

केंद्र के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा रबी और खरीफ फसलों की खरीद व्यवस्था पर चर्चा के लिए राज्य के खाद्य सचिवों के साथ यहां आयोजित एक बैठक के बाद यह अनुमान जारी किया गया है।

खरीद को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों जैसे मौसम की स्थिति का पूर्वानुमान, उत्पादन अनुमान और राज्यों की तैयारी की समीक्षा की गई।

इसके अलावा, तेलंगाना सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन के संबंध में अपनाई गई अच्छी प्रथाओं को साझा किया और केंद्र सरकार की इस पर्यावरण अनुकूल पहल के माध्यम से सालाना 16 करोड़ रुपये की बचत का संकेत दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने ई-पीओएस को इलेक्ट्रॉनिक वजन पैमाने के साथ जोड़ने के संबंध में सफल पहल साझा की, जिसने लाभार्थियों को उनकी हक की मात्रा के अनुसार खाद्यान्न की आपूर्ति प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की है।

बैठक के दौरान, नामित डिपो से उचित मूल्य की दुकानों तक खाद्यान्न के परिवहन के लिए आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन, खरीद केंद्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार, अच्छी मिलिंग प्रथाओं और डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के लिए ओपन नेटवर्क पर उचित मूल्य की दुकानों को ऑन-बोर्ड करने से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

एफसीआई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राज्यों के प्रधान सचिव/सचिव (खाद्य), भारतीय मौसम विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ लिमिटेड और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

## देश की 80 प्रतिशत कंपनियों को अर्थव्यवस्था पर भरोसा, इस साल देंगी ज्यादा नौकरियां

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (आईएएनएस)। वैश्विक स्तर पर आर्थिक भावनाओं में गिरावट के संकेत के बावजूद, मेक इन इंडिया, ईज ऑफ डुइंग बिजनेस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसी पहलों से प्रेरित देश के 80 प्रतिशत मझौले उद्यमों ने अगले 12 महीने के लिए देश की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक विश्वास जताया है। गुरुवार को जारी एक नई सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रिपोर्ट (आईबीआर) के अनुसार, उन्नत प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को अपनाने की दिशा में भी एक उल्लेखनीय बदलाव हुआ है, जिसमें 72 प्रतिशत मझौले उद्यम एआई की क्षमता का लाभ उठाने के लिए प्रौद्योगिकी निवेश में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। ग्रांट थॉर्नटन के मिड-मार्केट कंपनियों के वैश्विक सर्वेक्षण इस बात की जानकारी दी गई है।

ग्रांट थॉर्नटन इंडिया के पार्टनर सिद्धार्थ निगम ने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण महज लाभ की उम्मीदों पर आधारित नहीं है। लगभग 83 प्रतिशत भारतीय मिड-मार्केट कंपनियों को आने वाले वर्ष में राजस्व में वृद्धि की उम्मीद है, क्योंकि देश का विशाल घरेलू बाजार आकर्षक विस्तार के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा, इस राजस्व वृद्धि से अधिक नौकरियाँ पैदा होने की संभावना है, विशेष रूप से आईबीआर के अनुसार मिड-मार्केट कंपनियों में। इस वर्ष 78 प्रतिशत लोगों को रोजगार में वृद्धि की उम्मीद है, जो वैश्विक औसत

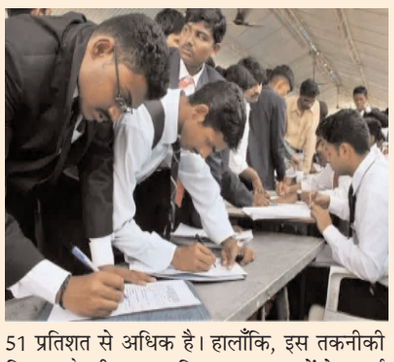

51 प्रतिशत से अधिक है। हालाँकि, इस तकनीकी विकास के बीच, 44 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने एआई के कारण लोगों को कौशल बढ़ाने की लागत में संभावित वृद्धि को स्वीकार किया, जो इस संक्रमण के दौरान रणनीतिक योजना की आवश्यकता का सुझाव देता है। इसके अलावा, 58 प्रतिशत का मानना है कि एआई बाजार में खुद को अलग करने और ग्राहकों की अपेक्षाओं से कहीं आगे जाने के लिए उत्पादों और सेवाओं में नवाचार को बढ़ावा देगा। यह विकास को गति देने में एआई की भूमिका की स्पष्ट पहचान को दर्शाता है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर और टेक लीडर राजा लाहिरी ने कहा, गतिशील प्रगति और नवाचार पारंपरिक व्यापार मॉडल को जल्द ही बदल सकते हैं जिससे राजस्व में गिरावट और बाजार हिस्सेदारी का नुकसान हो सकता है।

## अप्रैल-जनवरी में राजकोषीय घाटा पूरे वर्ष के लक्ष्य के 64 प्रतिशत पर

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीने में जनवरी 2024 तक केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 11.03 लाख करोड़ रुपये रहा जो पूरे साल के संशोधित अनुमान का 63.6 प्रतिशत है। लेखा महानियंत्रक द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि पूरे वित्त वर्ष के लिए मूल बजट अनुमान 17.87 लाख करोड़ रुपये था। इसे संशोधित कर 17.35 लाख करोड़ रुपये किया गया था। अब तक राजकोषीय घाटा 63.6 प्रतिशत ही पहुँचा है, जो दर्शाता है कि सरकारी व्यय राजकोषीय विवेक की लक्षित सीमा के भीतर है।

अप्रैल 2022-जनवरी 2023 में राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2023-24 के लक्ष्य का 67.8 प्रतिशत था। कर संग्रह में मजबूत वृद्धि के कारण जनवरी 2024 में केंद्र का राजकोषीय घाटा 1.2 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम है।

केंद्र सरकार का शुद्ध कर संग्रह - कॉर्पोरेट कर संग्रह में 63 प्रतिशत की वृद्धि और व्यक्तिगत आयकर में 17 प्रतिशत की वृद्धि के कारण जनवरी में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपये हो गया।

## कोल इंडिया और बीएचईएल ने अमोनियम नाइट्रेट प्लांट स्थापित करने के लिए हाथ मिलाया

**नई दिल्ली,** 28 फरवरी (एजेंसियां)। सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने बुधवार को जॉइंट वेंचर (जेवी) एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। जेवी के जरिए कंपनी की योजना सतही कोयला गैसीकरण टेक्नोलॉजी रूट के माध्यम से अमोनियम नाइट्रेट प्लांट स्थापित करने की है। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के ओडिशा के लखनपुर क्षेत्र में स्थापित होने वाला प्लांट शुरू में प्रति दिन 2,000 टन अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करेगा। वार्षिक उत्पादन 6.60 लाख टन अनुमानित है, जिसके लिए 1.3 मिलियन टन कोयले की जरूरत होगी। कोयले की आपूर्ति सीआईएल करेगी। कोयला मंत्रालय ने कहा, दोनों कॉरपोरेट दिग्गजों

का तालमेल और साझेदारी राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो कोयले के रासायनिक गुणों के उपयोग की सुविधा प्रदान करता है। अमोनियम नाइट्रेट बल्क विस्फोटकों की मैन्युफैक्चरिंग में एक प्रमुख इंग्रेडिएंट है, जिसे सीआईएल अपने ओसी माइनिंग ऑपरेशन में बड़ी मात्रा में उपयोग करता है और यह कंपनी के लिए कोयला उत्पादन का प्रमुख स्रोत है। अपकमिंग प्लांट से कच्चे माल को सुरक्षित करने, अमोनियम नाइट्रेट की आयात निर्भरता कम करने और आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। कोयला सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि सीआईएल और बीएचईएल की प्रतिबद्धता के साथ यह परियोजना एक रोल मॉडल बनेगी।

उन्होंने कहा, कोयला मंत्रालय के लिए गैसीकरण बड़ी प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। अगले दो से तीन वर्षों में पर्याप्त कोयला होगा। सीआईएल के निदेशक (बिजनेस डेवलपमेंट) देबाशीष नंदा और बीएचईएल के निदेशक (इंजीनियरिंग, आरएंडडी) जय प्रकाश श्रीवास्तव ने संबंधित प्रमोटर कंपनियों की ओर से जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं।

## सार संक्षेप

### फरवरी में दोपहिया वाहनों में दोहरे अंक की वृद्धि का अनुमान

**नई दिल्ली।** आनंद राठी रिसर्च ने एक नोट में कहा कि खुदरा बिक्री में 10 फीसदी की बढ़ोतरी और अच्छी मांग के कारण फरवरी में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री में दोहरे अंक की वृद्धि होने की संभावना है। खुदरा बिक्री में चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ यात्री वाहनों की मात्रा अच्छी गति से बढ़ने की संभावना है। हालांकि, वाणिज्यिक वाहनों के एकल अंक में फिसलने की संभावना है। रिपोर्ट में ट्रैक्टरों की बिक्री में भी गिरावट की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोपहिया वाहनों की बिक्री में 22 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। इनमें बजाज के दोपहिया वाहनों की बिक्री में 35 प्रतिशत, टीवीएस में 16 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प में 7 प्रतिशत और रॉयल एनफील्ड में 4 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।. यात्री वाहनों की मात्रा में 7 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है।

### मोदी सरकार ने यूपीए सरकार की तुलना में दिए पांच गुना ज्यादा कृषि ऋण

**नई दिल्ली।** वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र की मोदी सरकार ने नौ वर्षों में किसानों को रियायती दरों पर लोन देने के मामले में यूपीए सरकार के 8 वर्षों के शासनकाल की तुलना में पांच गुना ज्यादा ऋण दिया है। किसान क्रेडिट कार्ड संशोधित ब्याज सहायता योजना के अंतर्गत किसानों अल्पकालिक फसल लोन प्रदान किया जा रहा है। किसानों को रियायती ब्याज दरों पर ऋण देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा खर्च की जाने वाली राशि 2014-15 में 24,525.89 थी, जो कि साल 2022-23 में बढ़कर 1,30,421.81 करोड़ रुपए हो गई। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि 2006-07 से 2013-14 की 8 साल की अवधि के दौरान इस पर 24,525.89 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

### भारतीय मूल के श्रीधर रामास्वामी होंगे डेटा क्लाउड कंपनी स्नोफ्लेक के सीईओ

**न्यूयॉर्क।** भारतीय मूल के श्रीधर रामास्वामी को अमेरिका स्थित डेटा क्लाउड कंपनी स्नोफ्लेक का मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक मंडल का सदस्य नामित किया गया है। रामास्वामी, जो पहले स्नोफ्लेक में एआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर थे, फ्रैंक स्लूटमैन का स्थान लेंगे। स्लूटमैन ने सेवानिवृत्त होने का फैसला किया है हालाँकि वह बोर्ड के अध्यक्ष बने रहेंगे। रामास्वामी ने कहा, पिछले 12 साल में फ्रैंक और पूरी टीम ने स्नोफ्लेक को अग्रणी क्लाउड डेटा प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया है जो उद्यमों को सुरक्षित, स्केलेबल और लागत प्रभावी डेटा फाउंडेशन और अत्याधुनिक एआई बिल्डिंग ब्लॉक प्रदान कर रहा है जिनकी उन्हें भविष्य के लिए आवश्यकता है। कंपनी को विकास के अगले चरण में नेतृत्व प्रदान करने के लिए चुने जाने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारे पास सभी ग्राहकों को बड़े पैमाने पर व्यावसायिक मूल्य प्रदान करने के लिए एआई का लाभ उठाने में मदद करने का एक बड़ा अवसर है। मेरा ध्यान अपने ग्राहकों और भागीदारों के लिए नवीनता लाने की हमारी क्षमता में तेजी लाने पर होगा।

## शेयर बाजार में लौटी तेजी

**मुंबई** 29 फरवरी (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हेल्थकेयर समूह को छोड़कर लगभग सभी समूहों में हुयी लिवाली के बल पर आज शेयर बाजार में फिर से तेजी लौटी और इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त बनाने में सफल रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 195.42 अंकों की बढ़त के साथ 72500.30 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 31.65 अंकों की तेजी लेकर 21982.80 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझोली कंपनियों में पिछले चार दिनों से जारी बिकवाली पर भी ब्रेक लगा और आज इन दोनों में तेजी देखी गयी। बीएसई की मिडकैप 0.84 प्रतिशत उठकर 39346.98 अंक पर और स्मॉलकैप 0.50 प्रतिशत बढ़कर 45225.10 अंक पर रहा।

बीएसई में शामिल समूहों में से हेल्थकेयर 0.68 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर शेष सभी समूहों में तेजी रही जिसमें पावर में सबसे अधिक 1.01प्रतिशत बढ़त दर्ज की गयी। बीएसई में कुल 3909 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1900 को लाभ हुआ जबकि 1895 को नुकसान उठाना पड़ा और 114 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर मिलाजुला रूख देखा गया। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.29 प्रतिशत, जर्मनी का डेक्स 0.51 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.94प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि जापान का निक्केई 0.11 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.15 प्रतिशत उतर गया।

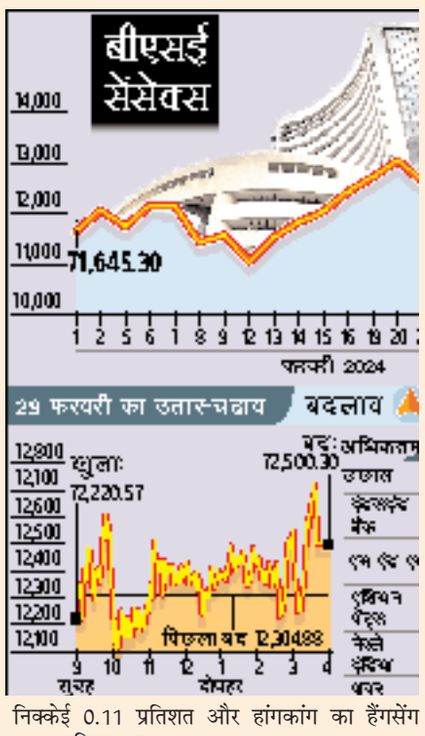


बीएसई का सेंसेक्स 104 अंकों की गिरावट के साथ 72220.57 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 72099.32 अंक के निचले स्तर तक टूटा लेकिन लिवाली शुरू होने पर यह 72730 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह पिछल दिवस के 72304.88 अंक की तुलना में 0.27 प्रतिशत अर्थात 195.42 अंक बढ़कर 72500.30 अंक पर पहुंच गया।

- सेंसेक्स 195.42 अंकों की बढ़त के साथ 72500.30 अंक पर हुआ बंद
- निफ्टी 31.65 अंकों की तेजी लेकर 21982.80 अंक पर हुआ बंद
- सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से 22 हरे निशान में और आठ लाल निशान में रही

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से 22 हरे निशान में और आठ लाल निशान में रही।

एनएसई का निफ्टी 47 अंकों की गिरावट लेकर 21935.20 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 21860.65 अंक के निचले और 22060.35 अंक के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 21951.15 अंक की तुलना में 0.14 प्रतिशत अर्थात 31.65 अंक बढ़कर 21982.80 अंक पर रहा।

निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 32 हरे निशान में और 18 लाल निशान में रही।

## जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर पीएम मोदी ने कहा, विकसित भारत बनाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था के मोर्चे से बेहद अच्छी खबर आई है। केंद्र सरकार की तरफ से चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में जीडीपी के आंकड़े जारी कर दिए गए हैं, जो इस बात का संकेत दे रहे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ रही है।

जीडीपी को लेकर सरकार द्वारा जारी आंकड़ों की मानें तो चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में देश का आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत है। जबकि, अनुमान लगाया जा रहा था कि यह आंकड़ा 6.5 प्रतिशत के करीब रह सकता है।

इससे पिछली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.6 प्रतिशत रही थी और एसबीआई की रिसर्च में अनुमान लगाया गया था कि दिसंबर तिमाही में आर्थिक विकास की दर 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रह सकती है। इस तिमाही के नए आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने गुरुवार को जारी किए हैं।

अर्थव्यवस्था में यह तेजी

मैन्युफैक्चरिंग, खनन और उत्खनन व निर्माण क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के कारण रही है। जीडीपी के नए आंकड़े जारी होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था को लेकर खुशी जाहिर की है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत रही है जो भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत और इसकी क्षमता को दर्शाती है। हमारे प्रयास देश के तेज आर्थिक विकास के लिए जारी रहेंगे, जिससे 140 करोड़ भारतीयों को बेहतर जीवन जीने और एक विकसित भारत बनाने में मदद मिलेगी।

## सरसों तेल नरम, अरहर दाल महंगी

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में लगभग स्थिरता रहने के बीच स्थानीय स्तर पर आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल दलहन में भी घटबढ़ देखा गया जबकि अनाज मंडी और मीठे के बाजार में टिकाव रहा।

**तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 15 रिंगिट फिसलकर 3967 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.05 सेंट की तेजी के साथ 44.25 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में मिश्रित रूख रहा। सरसों तेल 147 रुपये प्रति क्विंटल और सोया तेल 219 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। इस दौरान पॉम आयल में 133 रुपये प्रति क्विंटल तेजी रही जबकि मूंगफली तेल, वनस्पति तेल और सूरजमुखी तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

**गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले स्तर पर टिके रहे।

**दाल-दलहन :** दाल-दलहन बाजार में मिश्रित रूख देखा गया। इस दौरान अरहर दाल 500 रुपये प्रति क्विंटल उबल गयी जबकि चना और चना दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गयी। मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

**अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

## भारतीय मूल के श्रीधर रामास्वामी होंगे डेटा क्लाउड कंपनी स्नोफ्लेक के सीईओ

न्यूयॉर्क, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल के श्रीधर रामास्वामी को अमेरिका स्थित डेटा क्लाउड कंपनी स्नोफ्लेक का मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक मंडल का सदस्य नामित किया गया है।

रामास्वामी, जो पहले स्नोफ्लेक में एआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर थे, फ्रैंक स्लूटमैन का स्थान लेंगे। स्लूटमैन ने सेवानिवृत्त होने का फैसला किया है हालाँकि वह बोर्ड के अध्यक्ष बने रहेंगे।

रामास्वामी ने कहा, पिछले 12 साल में फ्रैंक और पूरी टीम ने स्नोफ्लेक को अग्रणी क्लाउड डेटा प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया है जो उद्यमों को सुरक्षित, स्केलेबल और लागत प्रभावी डेटा फाउंडेशन और अत्याधुनिक एआई बिल्डिंग ब्लॉक प्रदान कर रहा है जिनकी उन्हें भविष्य के लिए आवश्यकता है।

कंपनी को विकास के अगले चरण में नेतृत्व प्रदान करने के लिए चुने जाने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारे पास सभी ग्राहकों को बड़े पैमाने पर व्यावसायिक मूल्य प्रदान करने के लिए एआई का लाभ उठाने में मदद करने का एक बड़ा अवसर है। मेरा

ध्यान अपने ग्राहकों और भागीदारों के लिए नवीनता लाने की हमारी क्षमता में तेजी लाने पर होगा।

मई 2023 में कंपनी द्वारा दुनिया के पहले निजी एआई-संचालित सर्च इंजन नीवा के अधिग्रहण के सिलसिले में स्नोफ्लेक में शामिल होने के बाद से रामास्वामी स्नोफ्लेक की एआई रणनीति का नेतृत्व कर रहे हैं। स्लूटमैन ने कहा कि स्नोफ्लेक को विकास के अगले चरण में ले जाने और एआई तथा मशीन लर्निंग में आगे के अवसर प्रदान करने के लिए रामास्वामी से बेहतर कोई व्यक्ति नहीं है।

स्लूटमैन ने कहा, वह एक दूरदर्शी टेक्नोलॉजिस्ट हैं, जिनके पास सफल व्यवसायों को चलाने और आगे बढ़ाने का परखा हुआ ट्रैक रिकॉर्ड है। मुझे श्रीधर पर पूरा भरोसा है और इस नई भूमिका में उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। स्नोफ्लेक में शामिल होने से पहले, रामास्वामी ने 2019 में नीवा की सह-स्थापना की।

पहले, वह गूगल के सभी विज्ञापन उत्पादों का नेतृत्व कर चुके हैं जिनमें खोज, प्रदर्शन और वीडियो विज्ञापन, विश्लेषण, खरीदारी, भुगतान और यात्रा शामिल थे। गूगल में अपने 15 साल के दौरान एडवर्ड्स और गूगल के विज्ञापन व्यवसाय को 1.5 अरब डॉलर से 100 अरब डॉलर से अधिक तक पहुँचाने में उनका बड़ा योगदान रहा। रामास्वामी ने बेल लैब्स, ल्यूसेंट टेक्नोलॉजीज और बेल कम्युनिकेशंस रिसर्च (बेलकोर) में अनुसंधान के जुड़े पदों पर भी कार्य किया।

# खेल जगत

हरमनप्रीत अगले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगी : चार्लोट एडवर्ड्स

बेंगलुरु, 29 फरवरी (एजेंसियां)। डब्ल्यूपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस को पहली हार का सामना करना पड़ा। इस मैच से टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर चोटिल होने के कारण बाहर थीं। हालांकि, मुंबई इंडियंस की मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स को पूरा यकीन है कि हरमनप्रीत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शनिवार को होने वाले अगले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगी। हरमनप्रीत चोट के कारण बुधवार रात यूपी वॉरियर्स के खिलाफ मुंबई के मैच में नहीं खेल पाईं। इस मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन को सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। साथ ही चल रहे टूर्नामेंट में यह उनकी पहली हार भी थी। हरमनप्रीत के अलावा टीम की तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल भी चोट के कारण बुधवार का मैच नहीं खेल सकीं।

# पांचवें टेस्ट के लिए बुमराह टीम में, चोट के कारण के एल राहुल हुए बाहर

धर्मशाला 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम में सात मार्च से धर्मशाला में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के लिए जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है। वहीं केएल राहुल चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं।

इसके साथ ही राणजी ट्रॉफ में तमिलनाडु की ओर से खेल रहे वॉशिंगटन सुंदर को सेमीफ़ाइनल के लिए टीम रिलीज कर दिया गया है। तमिलनाडु और मुम्बई के बीच दो मार्च से छह मार्च तक सेमीफाइनल खेलना जाना है।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा है कि सुंदर को रणजी ट्रॉफी मुकाबले को देखते हुए टीम से रिलीज़ किया गया है। अगर उनकी जरूरत पड़ेगी तो घरेलू मैच होने के बाद उन्हें वापस भारतीय टीम में बुला लिया जाएगा।

बयान में कहा गया कि चिकित्सा दल राहुल की चोट पर करीबी नजर बनाये हुए है और वह लंदन में मौजूद विशेषज्ञों के भी सम्पर्क में है। राहुल अगर चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती कुछ मैचों से बाहर होते हैं तो उनकी जगह पर लखनऊ सुपर जायंट्स के उपकप्तान निकोलस पूरन टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

### धर्मशाला टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है

**रोहित शर्मा (कप्तान),** जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराजी खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), देवदत्त पड़िक्कल, आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार और आकाश दीप।

## बोल्टर ने हद्दाद माइया को अपसेट किया, सैन डिएगो ओपन के क्वार्टर फाइनल में

**सैन डिएगो (अमेरिका),** 29 फरवरी (एजेंसियां) ब्रिटिश नंबर 1 केटी बोल्टर ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त ब्राजीलियाई बीट्रिज हद्दाद माइया को हराकर सैन डिएगो ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

बोल्टर ने बुधवार को बार्न्स टेनिस सेंटर में हद्दाद माइया पर 3-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की और डब्ल्यूटीए 500 स्तर पर अपने पहले क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई।

यह जीत दुनिया के 49वें नंबर की खिलाड़ी बोल्टर की सीज़न की दूसरी शीर्ष 20 जीत थी, उन्होंने यूनाइटेड कप में पेगुला को हराया था। उनका अगला मुकाबला 2022 की फाइनलिस्ट डोना वेकिक या कनाडाई क्वालीफायर मरीना स्टाकुसिक से होगा।

क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल करने से बोल्टर अपनी अब तक की सर्वोच्च विश्व रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी। उनके करियर में पहली बार शीर्ष 45 में प्रवेश करने का अनुमान है।

एक अन्य मैच में, जेसिका पेगुला ने, जो ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद उनका पहला मैच था, जर्मन क्वालीफायर जूल नीमियर पर सीधे सेटों में 6-0, 6-4 से जीत के साथ प्रतियोगिता में विजयी वापसी की।

पेगुला ने पहले सेट में सिर्फ नौ अंक गंवाए और 6-0, 5-1 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि नीमियर ने अपनी सीमा तलाशनी शुरू की। जर्मन, जो 126वें स्थान पर है, ने अंतर को कम करने के लिए अगले तीन गेमों में जीत हासिल की। लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिकी ने अंततः 64 मिनट के बाद शानदार बैकहैंड शॉट के साथ इसे शानदार ढंग से समाप्त करते हुए जीत हासिल कर ली।

इससे पहले शाम को, डारिया सैविले ने दिन की सबसे नाटकीय जीत हासिल की, एक मैच प्वाइंट बचाकर तात्जाना मारिया को 5-7, 7-6(2), 6-2 से हराया और 2022 के बाद से अपने पहले डब्ल्यूटीए 500 क्वार्टरफाइनल में आगे बढ़ गईं। उनका मुकाबला नंबर 3 वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो या कैटरीना सिनियाकोवा से होगा।

## श्रेयस और ईशान केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद मजबूत होकर वापसी करें : शास्त्री

**नई दिल्ली।** भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने 2023/24 सीज़न के लिए बीसीसीआई की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर किए जाने के बाद श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की जोड़ी से और भी मजबूत होकर वापसी करने का आग्रह किया है। बुधवार को, अय्यर और किशन को 1 अक्टूबर, 2023 से 30 सितंबर, 2024 तक चलने वाली 30 सदस्यीय बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल नहीं किया गया था। पिछले सीज़न में, अय्यर के पास ग्रेड बी अनुबंध था, जबकि किशन के पास ग्रेड सी अनुबंध था। क्रिकेट के खेल में, वापसी भावना को परिभाषित करती है। चिन-अप, ञ्च श्रेयस अय्यर15 और ञ्च ईशानकिशन51! कड़ी मेहनत करें, चुनौतियों का सामना करें तथा और भी मजबूत होकर वापस आएं। शास्त्री ने ट्विटर पर लिखा, आपकी पिछली उपलब्धियां बहुत कुछ कहती हैं और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप एक बार फिर जीत हासिल करेंगे। पिछले साल व्यक्तिगत कारणों से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टेस्ट से हटने के बाद इशान क्रिकेट एक्शन से बाहर हो गए थे। बताया गया कि वह बड़ौदा में प्रशिक्षण ले रहे थे और झारखंड के लिए पूरे रणजी ट्रॉफी अभियान से चूक गए। हाल ही में ईशान ने नवी मुंबई में चल रहे डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट के जरिए एक्शन में वापसी की है। दूसरी ओर, इंग्लैंड के खिलाफ पिछले तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद, श्रेयस कथित तौर पर पीठ की समस्या के कारण बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाए, जबकि एनसीए ने कथित तौर पर उन्हें फिट होने के लिए पास कर दिया था। अय्यर को तमिलनाडु के खिलाफ 2 मार्च से बीकेसी ग्राउंड में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए मुंबई की टीम में नामित किया गया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने केंद्रीय अनुबंध सूची जारी करते हुए एक बयान में कहा, कृपया ध्यान दें कि सिफारिशों के इस दौर में श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को वार्षिक अनुबंध के लिए नहीं माना गया है। बीसीसीआई ने सिफारिश की है कि सभी एथलीट उस अवधि के दौरान घरेलू क्रिकेट में भाग लेने को प्राथमिकता दें जब वे राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हों।

# अगर ट्रायल केवल डब्ल्यूएफआई के हाथ में है और सरकार कुछ नहीं कर सकती तो हम इसमें भाग नहीं लेंगे : बजरंग पुनिया

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि वे - विनेश फोगाट, सेवानिवृत्त साक्षी मलिक और अन्य प्रदर्शनकारी पहलवान - भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा घोषित राष्ट्रीय ट्रायल में हिस्सा नहीं लेंगे, जब तक सरकार इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करती और उचित समाधान प्रदान नहीं करती।

सोमवार को, डब्ल्यूएफआई ने विरोध कर रहे पहलवानों को किर्गिस्तान में 2024 पेरिस गेम्स क्वालीफायर सहित दो शीर्ष एशियाई प्रतियोगिताओं के लिए टीमों का चयन करने के लिए मार्च में ट्रायल में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। बजरंग ने कहा, हमें नहीं पता कि क्या हो रहा है। सरकार कुछ क्यों नहीं कर रही है? डब्ल्यूएफआई राज्य चुनाव करा रहा है, सरकारी पैसे का इस्तेमाल कर रहा है और खेल मंत्रालय द्वारा निलंबित किए जाने के बावजूद ट्रायल आयोजित कर रहा है। यह वास्तव में निराशाजनक है। यदि ट्रायल

केवल डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) के हाथों में है और सरकार कुछ नहीं करेगी, तो हम ट्रायल के लिए भी नहीं जाएंगे। वह (संजय सिंह) सभी नियमों का मजाक बना रहे हैं और सरकार कुछ नहीं कर रही है। यह अजीब है। हमें इसका उचित समाधान चाहिए।

इस महीने की शुरुआत में, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भारतीय कुश्ती संस्था का निलंबन इस शर्त के साथ हटा दिया था कि तीन पहलवानों को उचित मौका दिया जाएगा और पूर्व राष्ट्रीय महासंघ प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध करने के लिए उनके साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। तीनों महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। खेल मंत्रालय ने भी गंभीर आरोपों के मद्देनजर पिछले साल डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था और खेल के मामलों को चलाने के लिए एक तदर्थ पैनल का गठन किया था। संजय सिंह के नेतृत्व में नवनिर्वाचित निकाय को भी मंत्रालय द्वारा निलंबित कर दिया गया था। हालाँकि, यूडब्लूडब्लू के समर्थन से, डब्ल्यूएफआई अब परीक्षण कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि सरकार डब्ल्यूएफआई के मामले में सीधे तौर पर हस्तक्षेप नहीं कर सकती, अन्यथा यूडब्लूडब्लू इसे निलंबित कर देगी और भारतीय पहलवानों को प्रमुख टूर्नामेंटों में उनके बैनर तले खेलना होगा।

## यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया

**बेंगलुरु** 28 फरवरी (एजेंसियां)। किरण नवगिरे की 55 रनों की अर्धशतकीय पारी की मदद से यूपी वॉरियर्स ने बुधवार को विमेंस प्रीमियर लीग के छठे मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर इस सत्र की पहली दर्ज की है। 162 रनों के लक्ष्य पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्स की अलिसा हीली और तालिया मैक्ग्रा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 94 रनों की मजबूत साझेदारी की। 10वें ओवर में केर ने भाटिया के किरण नवगिरे को स्टंप कराकर यूपी वॉरियर को पहला झटका दिया। किरण ने 31 गेंदों में छह चौके और चार छक्कों की मदद से 55 रन बनाये। वृंदा के क्षेत्ररक्षण के दौरान चोटिल होने पर उनकी जगह पर किरण को सलामी बल्लेबाज के रूप में भेजा गया और उन्होंने टीम के लिए 55 रनों की पारी खेल बखूबी अपने काम अंजाम दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी तालिया मैक्ग्रा एक रन को वोंग ने पगबाधा आउट कर दिया। स्कोर में एक रन के इजाफे के बाद अलिसा हीली को वोंग ने इशाक के हाथों कैच आउट करा दिया। अलिसा ने 29 गेंदों पांच छक्कों की मदद से 33 रन बनाये। ग्रेस हैरिस 17 गेंदों में नाबाद 38 रन बनाये। दीप्ति शर्मा ने 20 गेंदों में नाबाद 27 रन ठोके। यूपी वॉरियर्स ने 16.3 ओवर में 163 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। यूपी की सत्र की पहली जीत है।

मुम्बई इंडियंस की ओर इस्सी वोंग ने दो विकेट लिये। अमेलिया केर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज की 55 रनों की अर्धशतकीय पारी की मदद से मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्स को जीत के लिए 162 रनों का लक्ष्य दिया है।

आज यहां यूपी वॉरियर्स महिला ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला है।

## सार संक्षेप

### एशियाई खेलों की विजेता पलक ने एयर पिस्टल ट्रायल के पहले दिन स्वर्ण जीता

**भोपाल।** मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन हरियाणा की पलक ने एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टी3 ट्रायल जीत लिया। राजस्थान के निशानेबाज अमित शर्मा, जिन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में टीम रजत पदक जीता था, पुरुषों की एयर पिस्टल टी3 स्पर्धा में विजयी हुए। पलक ने महाराष्ट्र की शीतल प्रीतम देसाई की चुनौती पर काबू पा लिया, जिन्होंने पहले 581 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था। पलक ने 242 का स्कोर किया, जबकि शीतल 240.6 के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। स्टेटमेट सुरुचि तीसरे स्थान पर रहीं। दूसरी ओर, अमित ने फाइनल में 242.6 का स्कोर बनाकर सेना के श्रवण कुमार को पछाड़ दिया, जो 242.2 के स्कोर के साथ 0.4 से पीछे दूसरे स्थान पर थे। सेना से ही ओलंपियन गुरप्रीत सिंह 221.7 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। श्रवण क्वालीफाइंग में सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज थे, जो 586 के साथ हरियाणा के आदित्य मालरा के बराबर थे। लेकिन, 27× के मुकाबले आदित्य के 20× को शीर्ष स्थान के लिए पछाड़ दिया गया। अमित शर्मा ने 584 का स्कोर किया और क्वालीफिकेशन के बाद तीसरे स्थान पर रहे।

### डोपिंग टेस्ट में फेल हुए पॉल पोग्बा, लगा चार साल का बैन

**नई दिल्ली।** विश्व कप विजेता और मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व मिडफील्डर पॉल पोग्बा को डोप टेस्ट में फेल होने के बाद फुटबॉल से चार साल के लिए बैन कर दिया गया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के पूर्व महासचिव शाजी प्रभाकरन ने एक्स पर यह खबर शेयर की है। उन्होंने लिखा, पॉल पोग्बा को डोपिंग टेस्ट में फेल होने के बाद चार साल के लिए फुटबॉल से निलंबित कर दिया गया है। पोग्बा को शुरू में असफल परीक्षण के बाद सितंबर में नाडो (इतालवी डोपिंग रोधी संगठन) द्वारा अस्थायी निलंबन सौंपा गया था। प्रतिबंध का मतलब है कि पोग्बा, जिन्होंने 2018 में फ्रांस के लिए फीफा विश्व कप जीता था, अब जब वापसी करेंगे तब तक संभावित रूप से 33 वर्ष के हो सकते हैं। फिलहाल, 2026 तक पॉल पोग्बा का कॉन्ट्रैक्ट जुवेंटस के साथ है। माना जा रहा है कि वो शायद अब इस टीम के लिए फिर कभी नहीं खेलें। द मिरर की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि इटालियन क्लब के साथ उनका दूसरा कार्यकाल बहुत बुरा रहा है।

## कुलदीप यादव ग्रेड ए अनुबंध के हकदार हैं : कपिल पांडे

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के बचपन के कोच कपिल देव पांडे का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके लगातार प्रदर्शन को देखते हुए यह चाइनामैन गेंदबाज ग्रेड ए वार्षिक अनुबंध का हकदार है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को 2023-24 सीज़न के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) के लिए वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध का अनावरण किया। कुलदीप के लिए महत्वपूर्ण वेतन वृद्धि की उम्मीदों के बावजूद, उन्हें केवल ग्रेड सी से ग्रेड बी में पदोन्नत किया गया ।

कुलदीप ने भारत में 2023 विश्व कप के दौरान अपने कौशल का प्रदर्शन किया, 11 मैचों में 4.45 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट के साथ 15 विकेट हासिल किए। इसके अतिरिक्त, 2023 में, उन्होंने नौ टी20 में अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें 14 विकेट लिए। उनके बचपन के कोच कपिल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कुलदीप इस समय शायद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। उसे ग्रेड ए में पदोन्नत किया जाना चाहिए था। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन मुझे यकीन है कि वह जल्द ही वह स्थान हासिल कर लेगा।

वर्तमान में उन्हें जो भी अवसर मिल रहा है, वह जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने कुछ दिन पहले उनसे बात की थी और उनसे कहा था कि अपना हौसला बनाए रखें और किसी और चीज की चिंता न करें और केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

## ग्रीन के नाबाद 103 की शतकीय पारी ने ऑस्ट्रेलिया को संभाला

**वेलिंगटन** 29 फरवरी (एजेंसियां)। कैमरून ग्रीन की नाबाद 103 की शतकीय पारी की मदद से गुरुवार को पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने तक नौ विकेट पर 279 रन बना लिये है।

आज यहां न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने टॉस जीतकर पहलें गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया एक समय अपने चार विकेट 89 रन पर गंवा दिये थे। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 31 बनाये। उन्हें हेनरी ने ब्लिंडन के हाथों कैच आउट कराया। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्नस लाबुशेन एक रन को स्कॉट कुग्गेलिन ने मिचेल के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेजा। उस्मान ख्वाजा 33 रन को हेनरी ने बोल्ड आउट किया। ट्रैविस हेड एक रन, मिचेल मार्श 40 रन, एलेक्स कैरी 10 रन, मिचेल स्टार्क नौ रन, पैट कमिंस 16 रन और नेथन लायन पांच रन बनाकर आउट हुये।

न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टेस्ट मैच के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट

गिरा दिये है। उनकी आक्रमक गेंदबाजी के आगे कंगारु बल्लेबाजों की एक नहीं चली और तू चल मैं आया की तर्ज पर एक-एक करके पवेलियन लौटे चले गये। ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन ने संभल कर खेलते हुए 155 गेंदों में 16 चौकों की मदद से नाबाद 103 रन बनाये। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक और न्यूजीलैंड के खिलाफ यह पहला शतक है।

- ऑस्ट्रेलिया एक समय अपने चार विकेट 89 रन पर गंवा दिये
- न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 20 ओवर में 43 रन देकर चार विकेट लिए

न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 20 ओवर में 43 रन देकर चार विकेट लिये। उन्होंने स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा मार्श और नाथन लियोन को आउट किया। उनके अलावा विलियम ओरूर्के और स्कॉट कुग्गेलिन को 2-2 विकेट मिले। रचिन रविंद्र ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 85 ओवर में नौ विकेट पर 279 रन बना लिये और ग्रीन नाबाद 103 रन और हेजलवुड शून्य पर क्रीज पर मौजूद थे।

# सीनियर्स जैसे शब्दों ने मुझे शांत रखने में मदद की : सुनेलिता टोप्पो

**नई दिल्ली,** 29 फरवरी (एजेंसियां)। हॉकी के गढ़ ओडिशा के सुंदरगढ़ ने सुनेलिता टोप्पो नामक एक और शानदार खिलाड़ी को जन्म दिया है। 16 वर्षीय खिलाड़ी ने 3 फरवरी को हॉकी प्रो लीग 2023/24 में चीन के खिलाफ भारतीय महिला टीम के लिए पदार्पण किया।

एक उत्सव में अपने गाँव की महिलाओं को हॉकी खेलते हुए देखकर सुनेलिता इस खेल की ओर आकर्षित हुईं। उन्होंने सबसे पहले बांस की छड़ियों से खेलना शुरू किया, लेकिन गुजरात में 2022 के राष्ट्रीय खेलों में अपनी पहचान बनाने में ज्यादा समय नहीं लगा। इसके बाद उन्हें जूनियर टीम के लिए चुना गया। जैसे ही टीम ने 2023 में जूनियर एशिया कप में अपना पहला खिताब जीता, सुनेलिता को सीनियर टीम के साथ प्रशिक्षण के लिए बुलाया गया।

राष्ट्रीय टीम के लिए अपना पहला मैच खेलने से पहले अपनी भावनाओं को याद करते हुए, सुनेलिता ने कहा, शुरुआत में, मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैंने भुवनेश्वर और राउरकेला में हॉकी प्रो लीग 2023/24 में भाग लेने वाली टीम के लिए जगह बना ली है। जब मुझे पता चला कि मैं अपना पहला मैच चीन के खिलाफ खेलूंगी तो मैं घबरा गयी।

पहली सीटी बजने तक, मैं सोचती रही कि क्या मैं राष्ट्रीय टीम के लिए अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करूंगी । हालांकि, एक बार खेल शुरू होने के बाद, मैंने मैच से पहले अपने वरिष्ठों द्वारा दी गई सलाह पर ध्यान केंद्रित किया और इससे मेरे सभी संदेह दूर हो गए।

मैंने खुद को शांत करने के लिए मैच से पहले लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और निक्की प्रधान से बात की। वंदना कटारिया ने भी मुझे आश्वस्त किया कि अगर चीजें गलत होती हैं तो वह मदद के लिए मौजूद रहेंगी। स्टेडियम के रास्ते में, सविता ने मुझे सलाह दी कि ऐसा न करें। उन्होंने

**मैंने खुद को शांत करने के लिए मैच से पहले लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और निक्की प्रधान से बात की। वंदना कटारिया ने भी मुझे आश्वस्त किया कि अगर चीजें गलत होती हैं तो वह मदद के लिए मौजूद रहेंगी : एबी डिविलियर्स**

कहा, बहुत ज्यादा सोचना, खुलकर खेलना और इस विशेष अवसर का आनंद लेना। इन शब्दों ने वास्तव में मुझे अपनी घबराहट को शांत करने और पिच पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने में मदद की। चीन से 1-2 की हार में पदार्पण करने के बाद, सुनेलिता ने 4 फरवरी को नीदरलैंड और 7 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैचों में भाग लिया, फिर 12 फरवरी को फिर से चीन और 14 फरवरी को राउरकेला में नीदरलैंड का सामना किया। अपने प्रो लीग अनुभव पर बोलते हुए, विस्फोटक मिडफील्डर ने कहा, चीन के खिलाफ पहले मैच में हर किसी ने मेरे प्रदर्शन की सराहना की, और नीदरलैंड के खिलाफ खेल के बाद, टीम ने मुझे और प्रोत्साहित किया, कहा कि यह बहुत अच्छा है कि मैं इतना अच्छा खेल रही हूं। कम उम्र के बाववजूद, मुझे खेल की पूरी समझ है, और मुझे पिच पर आनंद लेना जारी रखना चाहिए।

सुनेलिता ने निष्कर्ष निकाला, मैं इसी तरह से खेलना जारी रखना चाहती हूं। हर किसी ने बहुत सहयोग किया है और मैं इस पल का फायदा उठाने और टीम में अपने लिए जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। प्रो लीग मैचों से मुझे एहसास हुआ है कि मुझे अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। शूटिंग सर्कल के आसपास निर्णय लेना, स्थिति के आधार पर पासिंग, शूटिंग या पेनल्टी कॉर्नर निकालने के बीच सही विकल्प चुनने से मेरी टीम को मदद मिलेगी और एक खिलाड़ी के रूप में सुधार होगा